डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2024-2026
लाइसेंस क्र. Tech/23-04/08/2024-2026
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल 08.07.2024 से 14.07.2024 ▶ वर्ष-47 ▶ अंक-28 ▶ मूल्य ₹ 10.00

संक्षिप्त खबर

चेक पोस्ट व्यवस्था बंद सुशासन के संकल्प का उदाहरण

भोपाल, मध्यप्रदेश के सीमावर्ती जिलों में परिवहन विभाग की चेक पोस्ट व्यवस्था को बंद करने के निर्णय का स्वागत करते हुए प्रदेश के सभी ट्रक मालिकों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार माना है। ट्रक मालिक, ट्रांसपोर्टर्स लम्बे समय से इन जांच चौकियों को बंद करने की मांग कर रहे थे। इंदौर क्षेत्र-3 के विधायक श्री गोलू शुक्ला एवं राऊ विधायक श्री मधु वर्मा के नेतृत्व में ट्रक मालिकों ने मुख्यमंत्री से भेंट की और चेक पोस्ट बंद कर गुजरात प्रणाली की तर्ज पर चेकिंग पॉइंट की व्यवस्था लागू करने पर धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सुशासन के संकल्प के अनुसार यह निर्णय लिया गया है। इससे परिवहन विभाग के राजस्व में बढ़ोत्तरी होगी।

श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना ने 200 दिन विद्युत उत्पादन का बनाया रिकॉर्ड

खंडवा, मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह दोंगलिया (एसएसटीपीपी खंडवा) के अभियंताओं एवं कार्मिकों ने एक बार फिर कमाल दिखाते हुए 660 मेगावॉट स्थापित क्षमता की यूनिट नंबर 3 को 200 दिन तक संचालित करने में सफलता हासिल की है। यह यूनिट 12 दिसंबर 2023 से बिना रुके हुए लगातार विद्युत उत्पादन कर रही है। नवम्बर 2018 को इस यूनिट ने कॉमर्शियल विद्युत उत्पादन प्रारंभ किया था और तब से यह अभी तक का सर्वश्रेष्ठ सतत विद्युत उत्पादन का नया कीर्तिमान है। यह विद्युत अभियंताओं के समर्पण, कड़ी मेहनत एवं प्रतिबद्धता के कारण संभव हो पाया।

मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी

भोपाल, मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकायों एवं त्रि-स्तरीय पंचायतों के निर्वाचन के लिए फोटो युक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। मतदाता सूची एक जनवरी 2024 की संदर्भ तारीख के आधार पर बनाई जाएगी। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 12 सितंबर, 2024 को होगा। राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव श्री अभिषेक सिंह ने बताया कि मतदाता सूची पर दावे आपत्ति 19 जुलाई से 2 अगस्त तक लिए जाएंगे। प्राप्त दावे-आपत्तियों के निराकरण की अंतिम तिथि 9 अगस्त है। फोटो युक्त अंतिम मतदाता सूची का विहित स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन 12 सितंबर 2024 को किया जाएगा।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मध्यप्रदेश में बनेगा दिल्ली की तरह एयर कार्गो हब, प्रदेश के विकास में सहभागी होगा कार्गो उद्योग

नई दिल्ली, मध्यप्रदेश की भौगोलिक स्थिति एवं विकसित अधोसंरचना को देखते हुए मध्यप्रदेश में दिल्ली की तरह एयर कार्गो हब बनने की पूरी संभावना है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में आयोजित एयर कार्गो फोरम इंडिया के वार्षिक कॉन्क्लेव-2024 को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में रेलवे, मेट्रो और एक्सप्रेस-वे का घना जाल बिछाया जा चुका है। अब प्रदेश में हवाई यातायात एवं कार्गो की सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। प्रदेश में सातों एयरपोर्ट में कार्गो की संभावना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश एकमात्र ऐसा राज्य है जहां अंतर्राज्यीय वायु सेवा प्रारंभ की गई है। प्रदेश में पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा शुरू की गई है, जिसमें सक्षम व्यक्तियों के अलावा आयुष्मान कार्ड धारकों को भी इस सेवा का लाभ मिल रहा है। प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हेली सर्विस भी शुरू करवाई गई है। इस दृष्टि से वायु परिवहन के साथ-साथ एयर कार्गो के लिए भी प्रदेश में समुचित अधोसंरचना विकसित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के संसाधनों के दोहन के लिए व्यापार को बढ़ावा देने के लिए और रोज़गार के अवसर बढ़ाने के लिए प्रदेश में कार्गो हब का निर्माण सहायक होगा। मध्यप्रदेश को व्यापार का केंद्र बनाने के लिए 'फ्यूचर रेडी मध्यप्रदेश' नाम से डेस्क भी तैयार किया गया है।

वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने विधानसभा में पेश किया बजट

वर्ष 2024-25 के लिये 3 लाख 65 हजार 67 करोड़ रुपये का बजट

भोपाल, मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री, वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने मध्यप्रदेश विधानसभा में वर्ष 2024-25 का बजट प्रस्तुत किया। श्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि आगामी पांच वर्षों में बजट का आकार दोगुना, पूंजीगत निवेश को बढ़ाना, सड़क, सिंचाई एवं बिजली सुविधाओं का विस्तार, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं, रोज़गार सृजन हेतु निवेश आकर्षित करना आदि को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2024-25 का बजट प्रस्तुत किया गया। उन्होंने कहा कि बजट तैयार करने हेतु जनता के सुझाव प्राप्त कर बजट में सम्मिलित करने का प्रयास किया गया है। बजट के मुख्य बिंदु निम्नानुसार हैं -

- कुल विनियोग की राशि 3 लाख 65 हजार 67 करोड़ रुपये है, जो विगत वर्ष की तुलना में 16 प्रतिशत अधिक है
- बजट 2024-25 में राजस्व आधिक्य 1 हजार 700 करोड़ रुपये रहने का अनुमान
- वर्ष 2024-25 में वर्ष 2023-24 के बजट अनुमान की तुलना में राज्य स्वयं के कर राजस्व में 18 प्रतिशत की वृद्धि अनुमानित
- वर्ष 2024-25 में वर्ष 2023-24 के बजट अनुमान की तुलना में पूंजीगत परिव्यय में लगभग 15 प्रतिशत की वृद्धि अनुमानित
- अनुसूचित जनजाति (सब-स्कीम) हेतु रुपये 40 हजार 804 करोड़
- अनुसूचित जाति (सब-स्कीम) हेतु रुपये 27 हजार 900 करोड़
- वर्ष 2024-25 में पूंजीगत परिव्यय राज्य के सकल घरेलू उत्पाद का 4.25 प्रतिशत अनुमानित
- वर्ष 2024-25 में ब्याज भुगतान कुल राजस्व प्राप्तियों का 10.40 प्रतिशत
- सकल राज्य घरेलू उत्पाद से राजकोषीय घाटा का 4.11 प्रतिशत अनुमानित
- सरकारी शालाओं की स्थापना हेतु रुपये 15 हजार 509 करोड़ का प्रावधान
- माध्यमिक शालाओं हेतु रुपये 9 हजार 258 करोड़ का प्रावधान
- 15वें वित्त आयोग की अनुशंसा के अनुसार स्थानीय निकायों को अनुदान हेतु 5 हजार 965 करोड़ का प्रावधान
- समग्र शिक्षा अभियान हेतु रुपये 5100 करोड़ का प्रावधान
- अंशदायी पेंशन योजना हेतु रुपये 5 हजार करोड़ का प्रावधान
- शासकीय/हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी शालाओं हेतु रुपये 4 हजार 567 करोड़ का प्रावधान
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन हेतु 4 हजार 500 करोड़ का प्रावधान
- प्रधानमंत्री आवास योजना हेतु रुपये 4 हजार करोड़ का प्रावधान
- प्रवेश कर से नगरीय निकायों को हस्तांतरण हेतु 3 हजार 600 करोड़ का प्रावधान
- अटल गृह ज्योति योजना हेतु रुपये 3 हजार 500 करोड़ का प्रावधान
- राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी योजना हेतु 3 हजार 500 करोड़ का प्रावधान
- आंगनवाड़ी सेवाएं (सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0) हेतु रुपये 3 हजार 469 करोड़ का प्रावधान
- बांध तथा संलग्न कार्य हेतु रुपये 2 हजार 860 करोड़ का प्रावधान
- चिकित्सा महाविद्यालय तथा संबद्ध चिकित्सालय हेतु रुपये 2 हजार 452 करोड़ का प्रावधान
- सामाजिक सुरक्षा और कल्याण हेतु रुपये 2 हजार 400 करोड़ का प्रावधान
- कला, विज्ञान तथा वाणिज्य महाविद्यालय हेतु रुपये 2 हजार 390 करोड़ का प्रावधान
- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना हेतु रुपये 1 हजार 788 करोड़ का प्रावधान
- जिला/सिविल अस्पताल एवं औषधालय हेतु रुपये 1 हजार 680 करोड़ का प्रावधान
- ग्रामीण सड़कों एवं अन्य जिला मार्गों का निर्माण/उन्नयन हेतु 1 हजार 500 करोड़ का प्रावधान
- जिला माइनिंग फंड हेतु 1 हजार 300 करोड़ का प्रावधान
- आपदा प्रबंधन योजनाओं को बनाये जाने हेतु रुपये 1 हजार 193 करोड़ का प्रावधान
- न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम विशेष पोषण आहार योजना हेतु रुपये 1 हजार 167 करोड़ का प्रावधान
- मेट्रो रेल हेतु रुपये 1 हजार 160 करोड़ का प्रावधान
- केंद्रीय सड़क निधि हेतु रुपये 1 हजार 150 करोड़ का प्रावधान
- हाउसिंग फॉर ऑल हेतु रुपये 1 हजार 20 करोड़ का प्रावधान
- प्रधानमंत्री जनमन योजना हेतु रुपये 1 हजार करोड़ का प्रावधान
- सहकारी बैंकों को अंशपूंजी हेतु रुपये 1 हजार करोड़ का प्रावधान

बजट 2024-25 की मुख्य योजनाओं के प्रावधान

- मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना 2023 हेतु रुपये 18 हजार 984 करोड़ का प्रावधान
- लाड़ली लक्ष्मी योजना हेतु 1 हजार 231 करोड़ का प्रावधान
- अटल कृषि ज्योति योजना हेतु रुपये 6 हजार 290 करोड़ का प्रावधान
- 5 एच.पी. के कृषि पम्पों/श्रेशरों तथा एक बत्ती कनेक्शन को निःशुल्क विद्युत प्रदाय की प्रतिपूर्ति हेतु रुपये 4 हजार 775 करोड़ का प्रावधान
- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना हेतु रुपये 2 हजार 1 करोड़ का प्रावधान
- समर्थन मूल्य पर किसानों से फसल उपार्जन पर बोनस का भुगतान हेतु रुपये 1 हजार करोड़ का प्रावधान
- मुख्यमंत्री कृषक फसल उपार्जन सहायता योजना हेतु रुपये 1 हजार करोड़ का प्रावधान

वर्ष 2024-25 का बजट युवा, गरीब, महिला, किसान सहित सभी वर्गों का रखा गया है ध्यान

भोपाल, वर्ष 2024-25 का बजट सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय के मंत्र को लेकर प्रस्तुत किया गया है। प्रदेश में पहली बार 3 लाख 60 हजार करोड़ से अधिक की राशि का बजट प्रस्तुत किया गया है। बजट की विशेषता है कि इसमें किसी प्रकार का कोई टैक्स नहीं लगाया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश में पेश बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि किसी भी विभाग की अपेक्षित राशि को कम नहीं किया गया, बल्कि सभी विभागों के आवंटन में वृद्धि की गई है। 'विकसित भारत-विकसित मध्यप्रदेश' की थीम पर प्रस्तुत बजट में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अपेक्षा अनुसार जीडीपी की ग्रोथ को सुनिश्चित करते हुए आगामी पांच वर्षों में बजट का आकार दोगुना किया जाएगा। बजट में सभी वर्गों विशेषकर युवा, गरीब, महिला, किसान आदि का ध्यान रखा गया है।

प्रदेश में सिंहस्थ का वृहद स्तर पर आयोजन

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सिंहस्थ का वृहद स्तर पर आयोजन होने वाला है। उज्जैन में होने वाला सिंहस्थ भव्य और दिव्य होता है। सिंहस्थ के लिए इंदौर एवं उज्जैन संभाग के 13 जिलों के देव स्थानों पर पर्याप्त व्यवस्था के उद्देश्य से टोकन राशि के रूप में 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक प्रदेश की थाती हैं, उनके लिए विशेष योजना आरंभ की जा रही है। धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ हेरिटेज टूरिज्म, वन पर्यटन में पर्याप्त गतिविधियां हैं। डिण्डौरी में 'श्रीअन्न अनुसंधान केन्द्र' खोला जा रहा है।

वित्तीय तरलता का प्रावधान किया गया

मुख्यमंत्री ने कहा कि जो विद्यार्थी छात्रावासों में अध्ययनरत हैं, उनके लिए भी बजट में विशेष व्यवस्था की गई है। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन के प्रोत्साहन के लिए बजट में पर्याप्त धन राशि की व्यवस्था की गई है। गौ-शालाओं के लिए भी पर्याप्त राशि का प्रावधान किया गया है। औद्योगिक विकास के लिए बजट प्रावधान में 40 प्रतिशत की वृद्धि की गई है।

29 जून

यूजीसी नेट, सीएसआईआर नेट और एनसीईटी परीक्षा की तिथि घोषित

● नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने यूजीसी नेट, सीएसआईआर यूजीसी नेट और एनसीईटी परीक्षा की नई तारीख घोषित कर दी है। अभ्यर्थी आधिकारिक वेबसाइट nta.ac.in पर परीक्षा कैलेंडर देख सकते हैं। ये परीक्षाएं 10 जुलाई से 4 सितम्बर के बीच होंगी। जारी कैलेंडर के मुताबिक यूजीसी नेट की परीक्षा 21 अगस्त से 4 सितम्बर 2024 तक आयोजित की जाएगी, जबकि सीएसआईआर यूजीसी नेट की परीक्षाएं 25 जुलाई से 27 जुलाई 2024 तक आयोजित होना निर्धारित है। वहीं एनसीईटी परीक्षा 10 जुलाई को होगी। सभी परीक्षाएं सीबीटी मोड पर होंगी। इन परीक्षाओं में भाग लेने के लिए उम्मीदवारों के एडमिट कार्ड परीक्षा तिथि से कुछ दिन पूर्व दोबारा से जारी किए जाएंगे।

● रूस का एक उपग्रह अंतरिक्ष में टूटकर 100 टुकड़ों में बंट गया। इसके बाद इसका मलबा इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) की ओर बढ़ने लगा, जिसके बाद सुनीता विलियम्स सहित 6 अंतरिक्ष यात्रियों को मलबे से बचने के लिए उन अंतरिक्ष यानों में शरण लेनी पड़ी, जिनमें उड़कर वे पृथ्वी से अंतरिक्ष में गए हैं। ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि खतरा बढ़ने पर वे वहां से निकल सकें। उन्हें वापस लाने की कोशिशें की जा रही हैं।

● रूस की ओर से यूक्रेन पर हमले जारी हैं। रूसी मिसाइलों ने यूक्रेन के जापोरिजिया प्रांत के विनियांस्क शहर को निशाना बनाया। इसमें सात लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। मरने वालों में बच्चे भी शामिल हैं। स्थानीय गवर्नर इवान फेडोरोव ने कहा कि हमले में विनियांस्क में एक दुकान, आवासीय भवन और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रूसी हमलों को रोकने के लिए पश्चिमी साझेदारों से मदद मांगी है।

30 जून

वर्ष में दो बार आयोजित होगी सीबीएसई की बोर्ड परीक्षा

● कक्षा-10 और 12वीं की वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षा कराने की योजना पर सहमति बन गई है। समूचे पाठ्यक्रम की यह परीक्षा जनवरी और अप्रैल में हुआ करेंगी। केंद्र सरकार अगले सत्र 2025-26 से सीबीएसई में नया पैटर्न लागू करने की तैयारी में है। नए पैटर्न की पहली बोर्ड परीक्षा जनवरी 2026 और इसी सत्र की दूसरी परीक्षा अप्रैल 2026 में होगी। छात्र चाहें तो दोनों या किसी एक परीक्षा में सुविधानुसार बैठ सकेंगे। दोनों परीक्षा देने वाले छात्र बेहतर प्रदर्शन वाले परिणाम का इस्तेमाल कर सकेंगे। शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा विभाग ने इस पर देशभर के 10 हजार से अधिक स्कूल प्रिंसिपल की राय ली है।

● केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह एनडीआरएफ के पर्वतारोहण अभियान के ध्वजारोहण कार्यक्रम में शामिल हुए। अपने संबोधन के दौरान केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि एनडीआरएफ के कर्मियों को अब 40 प्रतिशत की दर से जोखिम और कठिनाई भत्ता मिलेगा। शाह ने बताया कि अब राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की टीम भी हिस्सा लेगी। पर्वतारोहण अभियान पर गई टीम की तारीफ करते हुए शाह ने कहा कि ऐसी गतिविधियां अधिकतर लोगों के लिए जुनून हैं और सिर्फ कुछ लोगों के लिए ही ड्यूटी है।

1 जुलाई

ईपीएफओ से जुड़े 1.09 करोड़ नए सदस्य

● कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के नए सदस्यों की कुल संख्या बीते वित्त वर्ष 2023-24 में 1.09 करोड़ रही है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। ईपीएफओ की एक रिपोर्ट के अनुसार, ईपीएफओ ने 2022-23 में कुल 1,14,98,453 नए सदस्य जोड़े थे। यह संख्या 2023-24 में घटकर 1,09,93,119 रह गई है। कोविड के चलते 2020-21 में ईपीएफओ में नए सदस्यों के जुड़ने में गिरावट आई थी और यह 85,48,898 रही थी। वहीं, 2019- 20 में 1,10,40,683 नए सदस्य जुड़े थे। 2021-22 में नए सदस्यों की संख्या 1,08,65,063 थी।

● चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में आयोजित होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के 24वें शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। इस शिखर सम्मेलन में अफगानिस्तान की स्थिति, रूस-यूक्रेन युद्ध और एससीओ सदस्य देशों के बीच समग्र सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा देने पर चर्चा होने की उम्मीद है। एससीओ में भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान शामिल हैं। भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि देश का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्री श्री एस. जयशंकर करेंगे।

● परीक्षाओं से जुड़ी गड़बड़ियों को रोकने तथा उससे जुड़े सुधारों को लेकर शिक्षा मंत्रालय की ओर से गठित उच्च स्तरीय कमेटी ने छात्रों, अभिभावकों सहित दूसरे हितधारकों से भी सुझाव लेने का काम शुरू कर दिया है। समिति ने कहा कि इस संबंध में मायगांव प्लेटफार्म पर जाकर कोई भी अपने सुझाव या विचार दे सकता है। कमेटी का केंद्र इस बात पर है कि सभी शीर्ष परीक्षाओं को आयोजित कराने वाली संस्था एनटीए (नेशनल टेस्टिंग एजेंसी) कैसे सशक्त और फुलप्रूफ बनाया जाए।

2 जुलाई

भारत ने बनाया दुनिया का सबसे ताकतवर गैर-परमाणु विस्फोटक

● भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ रहा है। इसी सिलसिले में भारत ने दुनिया का सबसे शक्तिशाली गैर-परमाणु विस्फोटक 'सेबेक्स 2' बनाने में कामयाबी हासिल की है। यह विस्फोटक ट्राइनाइट्रोटोलुइन (टीएनटी) की तुलना में दोगुने से भी अधिक घातक है। इस विस्फोटक का सफल परीक्षण भी कर लिया गया है। नई विधि से तैयार सेबेक्स 2 की खासियत यह है कि यह बिना वजन बढ़ाए बम, गोले की मारक क्षमता बढ़ाने में सक्षम है। इसी वजह से इसकी पूरी दुनिया में मांग हो सकती है।

● संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा आयोजित सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा 2024 के परिणाम घोषित कर दिए हैं। यह परीक्षा 16 जून को आयोजित हुई थी। यूपीएससी ने कहा कि सिविल सेवा परीक्षा (प्रारंभिक) में शामिल हुए उम्मीदवार आयोग की आधिकारिक वेबसाइट upsc.gov.in पर जाकर अपना परिणाम देख सकते हैं। यूपीएससी ने कहा, परीक्षा के अंक, कट-ऑफ और आंसर की यूपीएससी की वेबसाइट पर परीक्षा प्रक्रिया पूरी होने के बाद अपलोड होगी।

● ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने प्रवासी छात्रों की संख्या को कम करने के लिए एक जुलाई से अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए वीजा शुल्क को 60 हजार रुपये से बढ़ाकर 1.33 लाख रुपये कर दिया है। इससे ऑस्ट्रेलिया का छात्र वीसा के लिए आवेदन करना अमेरिका (15,436 रुपये) और कनाडा (9,178 रुपये) की तुलना में भी महंगा हो गया है। इसके अलावा, ऑस्ट्रेलिया ने छात्र वीसा के लिए आवश्यक न्यूनतम बचत राशि को भी 13.47 लाख से बढ़ाकर 16.33 लाख रुपये कर दिया है। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानी की सरकार के इस फैसले के चलते हर वर्ष ऑस्ट्रेलिया जाने वाले भारतीय छात्र प्रभावित हो सकते हैं।

3 जुलाई

भारत और अमेरिका गांधी-किंग डेवलपमेंट फाउंडेशन की स्थापना करेंगे

● भारत और अमेरिका इस वर्ष अक्टूबर माह तक गांधी-किंग डेवलपमेंट फाउंडेशन की स्थापना करेंगे। यह फैसला अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन की भारत यात्रा के दौरान लिया गया। दोनों देशों के अधिकारियों ने इस निर्णय पर संयुक्त रूप से हस्ताक्षर किए। यह कदम दिसंबर 2020 में अमेरिकी कांग्रेस में गांधी-किंग स्कॉलरली एक्सचेंज इनिशिएटिव अधिनियम के पारित होने के बाद उठाया गया है। फाउंडेशन का उद्देश्य दुनियाभर में विकास समाधान पेश करना है। भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा कि यह दोनों देशों के बीच साझेदारी का प्रतिनिधित्व करता है।

● ग्रीस में सप्ताह में 40 की जगह 48 घंटे काम करने का नियम लागू कर दिया गया है। नए नियम के तहत, कुछ उद्योगों और कारखानों के साथ-साथ जो कंपनियां 24 घंटे खुली रहती हैं, उनमें हफ्ते में पांच की जगह छह दिन काम कराने की छूट दे दी गई है। सरकार ने कहा है कि घटती जनसंख्या और कुशल श्रमिकों की कमी के दोहरे खतरों के कारण यह पहल आवश्यक हो गई है। इसका श्रम संगठनों ने विरोध किया है, संगठन फैसले को बर्बर बता रहे हैं।

● कैलाश पर्वत दर्शन 15 सितम्बर से शुरू होगा। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में मौजूद लिपुलेख दर्रे तक पहुंचकर श्रद्धालु कैलाश पर्वत के दर्शन कर सकते हैं। चीन ने वर्ष 2019 में कोरोना महामारी के चलते लिपुलेख दर्रे को बंद कर दिया गया था। पहले श्रद्धालु इसी दर्रे से होकर कैलाश-मानसरोवर की पवित्र यात्रा करते थे। चीन ने अभी तक इस रास्ते को नहीं खोला है। अब श्रद्धालु लिपुलेख दर्रे से बिना किसी अड़चन के भारतीय भूभाग के अंदर से एक बार में ही कैलाश चोटी और ओम पर्वत के दर्शन कर सकते हैं।

4 जुलाई

सभी कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में बनेंगी आईसीटी लैब और स्मार्ट कक्षाएं

● केन्द्र सरकार ने देशभर में बालिकाओं को शिक्षित और सशक्त बनाने के लिए बड़ा निर्णय लिया है। इसके तहत देशभर के सभी कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) को अब आइसीटी (इंफार्मेशन एंड कम्यूनिकेशन टेक्नोजाजी) लैब और स्मार्ट क्लास रूम से लैस किया जाएगा। इस कार्य पर 290 करोड़ रुपये की लागत आयेगी। इस पहल से इन स्कूलों में पढ़ने वाली सात लाख बालिकाओं को लाभ मिलेगा। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, इस पहल से बालिकाओं को डिजिटल रूप से दक्ष बनाया जाएगा और उनके ज्ञान एवं कौशल को बढ़ाया जाएगा।

● नेपाल में सीपीएन-यूएमएल के 8 मंत्रियों ने सामूहिक रूप से सरकार से इस्तीफा दे दिया है। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल को औपचारिक रूप से मंत्रिमंडल से बाहर निकलने और समर्थन वापस लेने के लिए इन मंत्रियों ने इस्तीफा दिया है। नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा और सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली के बीच बैठक के बाद पार्टी प्रवक्ता डॉ. प्रकाश शरण महंत ने कहा यदि प्रधानमंत्री प्रचंड नई सरकार के गठन के लिए रास्ता साफ नहीं करते हैं, तो संवैधानिक प्रक्रिया अपनाई जाएगी। वहीं, प्रधानमंत्री प्रचंड ने इस्तीफा देने से इनकार कर दिया है।

5 जुलाई

यूजीसी ने 63 विश्वविद्यालयों को डिफॉल्टर सूची में डाला

● विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने अब तक लोकपाल की नियुक्ति न करने वाले 63 विश्वविद्यालयों के रवैए पर गंभीर नाराजगी जताई है। साथ ही इन सभी को नियमों का पालन न करने के चलते डिफॉल्टर विश्वविद्यालयों की सूची में डाल दिया है। इन विश्वविद्यालयों में करीब 46 शासकीय विश्वविद्यालय, छह निजी विश्वविद्यालय और 11 मानद विश्वविद्यालय शामिल हैं। यूजीसी ने इसके साथ ही सभी डिफॉल्टर विश्वविद्यालयों को नोटिस जारी कर नए नियमों के तहत जल्द लोकपाल की नियुक्ति करने और छात्रों से जुड़ी व्यवस्थाओं को जुटाने के निर्देश दिए हैं।

● मझगांव डॉक शिप बिल्डर्स ने तीन स्कॉर्पीन श्रेणी की पनडुब्बियां बनाने का प्रस्ताव केन्द्र सरकार को भेजा है। इस श्रेणी की 6 पनडुब्बियां फ्रांस के नवाल ग्रुप से हुए टेक्नोलॉजी ट्रांसफर से बनाई जा चुकी हैं। नई पनडुब्बियों में 60 प्रतिशत स्वदेशी सामान होगा। भारत में बनने वाली स्कॉर्पीन श्रेणी की एक पनडुब्बी की लागत 12 हजार करोड़ रुपये आएगी। एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन सिस्टम से लैस होने से यह ज्यादा समय पानी में रह सकेंगी। इसको बैटरी चार्ज के लिए बार-बार सतह पर नहीं आना पड़ेगा। रक्षा मंत्रालय की मंजूरी मिलने के बाद 5 वर्ष के भीतर पहली पनडुब्बी मिल

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित
फोटो : गूगल से साभार)

SHRI VAISHNAV COLLEGE OF ARTS AND COMMERCE, INDORE
Affiliated to Devi Ahilya Vishwavidhyalaya, Indore
Scheme No. 71, Gumasta Nagar, Indore, Ph. 0731-2380060, 2780009
VACANCIES
Asst. Professor/ Associate Professor/ Professor
for Commerce, English, Computer, History, Economics, Political Science, Psychology, Mass Communication
Librarian
Sports Officer
Computer Lab Attendant
Receptionist
Applications are invited for the above posts. Eligibility as per UGC and M.P. Govt. norms.
Apply within 10 days with complete bio-data, testimonials and photos.
Email: principalsvcc@gmail.com
SECRETARY
R-49791/2024

वर्ष 41, अंक 28 08.07.2024 से 14.07.2024
रोज़गार और निर्माण
www rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक - संदीप यादव
- सम्पादक - रंजना चितले
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
- आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

आईपीएचएस की स्वीकृति से मजबूत तथा बेहतर हो सकेंगी स्वास्थ्य सुविधाएं

किसी भी राज्य की स्वास्थ्य सेवाएं विकसित राज्य की प्रमुख आधारशिला है। यही कारण है कि मध्यप्रदेश सरकार आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के मंत्र को लेकर निरंतर आगे बढ़ रही है और प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर और मजबूत बनाने के लिये निरंतर अग्रसर है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल लगातार गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं आमजन को उपलब्ध करवाने के लिये प्रयासरत हैं। विगत दिनों मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के विजन के अनुसार प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं को सशक्त करने के लिए संशोधित मानव संसाधन मानदंडों (आईपीएचएस) को कैबिनेट ने मंजूरी दी है। इसके तहत स्वास्थ्य संस्थाओं में 46 हजार 491 नवीन पदों (नियमित, संविदा, आउटसोर्स) के सृजन की स्वीकृति दी गयी है। इनमें 27 हजार 838 पदों की पूर्ति एनएचएम अंतर्गत तथा शेष 18 हजार 653 पदों की पूर्ति स्वास्थ्य विभाग द्वारा आगामी 2 वित्तीय वर्षों में की जायेगी। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में 7 हजार 182, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में 5 हजार 346, सिविल अस्पतालों में 2 हजार 712 और जिला चिकित्सालयों में 3 हजार 458 नवीन पद की स्वीकृति कैबिनेट द्वारा प्रदान की गयी है। इसके साथ ही स्वीकृत पदों में इनमें 518 चिकित्सा अधिकारी, 854 विशेषज्ञ, 4 हजार 423 नर्सिंग अधिकारी, 894 लैब तकनीशियन, 85 फिजियोथेरेपिस्ट, 626 ओटी तकनीशियन, 51 काउंसलर, 33 अस्पताल प्रबंधक, 45 अस्पताल अधीक्षक, 16 हजार 985 बहु-कुशल समूह डी कार्यकर्ता, 9 हजार 366 एएनएम, 165 एलएचवी, 10 हजार 179 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, 336 कम्प्यूटर ऑपरेटर, 114 अस्पताल सहायक, 1 हजार 705 कोल्ड चेन और वैक्सीन लॉजिस्टिक सहायक और 112 वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी के पद शामिल हैं। मानव संसाधन की उपलब्धता से प्रदेश में समस्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों को चौबीस घंटे सातों दिन संचालित करने में मदद मिलेगी। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में सातों दिन 24 घंटे प्रसव सुविधा, औषधियाँ एवं आवश्यक पैथोलॉजी जाँच तथा प्राथमिक उपचार एवं रेफरल सेवाएं सुनिश्चित हो सकेंगी। इसके अलावा सिविल अस्पताल एवं जिला चिकित्सालयों में आवश्यक जाँच एक्स रे, सोनोग्राफी एवं सीटी स्कैन जैसी जरूरी सुविधाएं मिलेंगी। विकासखंड स्तर पर ब्लड बैंक संचालित किये जा सकेंगे। मरीज के स्वास्थ्य पर प्रभाव होने से पहले इलाज करने में सहायता होगी एवं बीमारियों की पहचान करने के लिए स्क्रीनिंग तथा निदान के बाद बीमारी के संक्रमण को रोकने के लिए प्रबंध करना संभव हो सकेगा। संचारी एवं असंचारी रोग तथा अन्य गंभीर बीमारी जैसे मल्टीपल स्क्लेरोसिस, हार्ट अटैक, पैरालिसिस आदि का गुणवत्तापूर्ण इलाज संभव हो सकेगा। गर्भवती महिलाओं को प्रसव पूर्व जांच, टीकाकरण, हाइरिस्क गर्भावस्था की शीघ्र पहचान एवं प्रबंधन, सुरक्षित प्रसव एवं परिवार कल्याण संबंधी परामर्श, पीपीआईयूसीडी की सुविधा सुलभ होगी। नवजात शिशु देखभाल, शीघ्र स्तनपान, टीकाकरण, कमजोर एवं बीमार शिशु की शीघ्र पहचान एवं प्रबंधन समुदाय के समीप उपलब्ध होगा। समस्त स्वास्थ्य संस्थाओं में डाटा डिजिटाइजेशन की दिशा में ई-हॉस्पिटल सॉफ्टवेयर संचालित किये जाने में नवीन पद सहायक होंगे। रोगियों को ऑनलाइन पंजीकरण की सुविधा प्राप्त हो सकेगी तथा मरीजों के रिकॉर्ड का भी डिजिटल संग्रहण किया जा सकेगा। रोगियों के मेडिकल रिकॉर्ड का डिजिटाइजेशन का कार्य किया जा सकेगा।

अंतरिक्ष वैज्ञानिकों ने खोजा धरती का नया चंद्रमा पृथ्वी के साथ सूर्य का भी लगा रहा चक्कर

अंतरिक्ष में समय-समय पर होने वाली खगोलीय घटनाओं से जुड़ी गतिविधियों पर वैज्ञानिकों द्वारा निरंतर शोध कार्य किये जाते हैं। इन शोध कार्यों में वैज्ञानिकों को अंतरिक्ष की महत्वपूर्ण जानकारियां मिलती हैं। इसी क्रम में पिछले दिनों वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष में एक नये क्षुद्रग्रह (एस्ट्रॉयड) की जानकारी प्राप्त की है। यह एस्ट्रॉयड पृथ्वी के साथ ही सूर्य का भी समान गति से चक्कर लगा रहा है। वैज्ञानिकों ने इस एस्ट्रॉयड को 2023 एफडब्ल्यू 13 नाम दिया है। वैज्ञानिकों ने इस एस्ट्रॉयड को अर्ध-चंद्रमा या अर्ध उपग्रह की उपमा दी है, क्योंकि यह एस्ट्रॉयड पृथ्वी के समान समय-सीमा में सूर्य का भी चक्कर लगा रहा है। वैज्ञानिकों को मिली जानकारी के अनुसार इस एस्ट्रॉयड पर पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण का बल पड़ रहा है। 15 मीटर व्यास का यह एस्ट्रॉयड पृथ्वी से करीब 1.4 करोड़ किलोमीटर दूरी पर मौजूद है। वैज्ञानिकों ने दूरबीन की मदद से 28 मार्च 2023 को पहली बार इस चंद्रमा को देखा था। दूरबीन को हवाई द्वीप पर एक ज्वालामुखी के ऊपर रखा गया था। कनाडा और फ्रांस के वैज्ञानिकों ने भी दूरबीन के माध्यम से इस एस्ट्रॉयड के होने की पुष्टि की है। 1 अप्रैल को अंतर्राष्ट्रीय खगोलीय संघ में माइनर प्लैनेट सेंटर ने इस ग्रह को सूचीबद्ध किया। वैज्ञानिकों के अनुसार सौरमंडल में मिलने वाले सभी ग्रहों और वस्तुओं को सूचीबद्ध करने का कार्य शुरू हुआ है। खगोलशास्त्री एड्रियन कॉफिनेट ने 2023 एफडब्ल्यू13 के बारे में अधिक जानकारी के लिए इसकी मैपिंग की है, जिसके लिए एक कक्षा सिम्युलेटर का उपयोग किया गया। सिम्युलेटर को खगोलशास्त्री टोनी डन ने विकसित किया था। शोध में पता चला कि यह एस्ट्रॉयड पृथ्वी की गति में ही सूर्य की परिक्रमा कर रहा है। यह पृथ्वी का अब तक ज्ञात सबसे लंबा अर्द्ध उपग्रह है।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

सबके लिए त्वरित न्याय की अवधारणा पर आधारित हैं नये आपराधिक कानून

भारत में आपराधिक कानूनों में परिवर्तन और सुधार एक महत्वपूर्ण विषय है, जो समाज की बदलती आवश्यकताओं और न्याय की आवश्यकता को पूरा करने के लिए समय-समय पर किया जाता है। हाल ही में, भारतीय दंड संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम जैसे आपराधिक कानूनों को संसद में पारित किया गया। अब एक जुलाई 2024 से पूरे देश में यह लागू हो गया है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, श्री अमित शाह ने संसद में कानून को पेश करते हुए कहा कि खत्म होने वाले ये तीनों कानून अंग्रेजी शासन को मजबूत करने और उसकी रक्षा करने के लिए बनाए गए थे। इनका उद्देश्य दंड देने का था, न की न्याय देने का। तीन नए कानून की आत्मा भारतीय नागरिकों को संविधान में दिए गए सभी अधिकारों की रक्षा करने में है, इनका उद्देश्य दंड देना नहीं बल्कि न्याय देना होगा। भारतीय आत्मा के साथ बनाए गए इन तीन कानूनों से हमारे क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में बहुत बड़ा परिवर्तन आएगा।

पुराने कानूनों में गुलामी की बू आती थी। ये तीनों पुराने कानून गुलामी की निशानियों से भरे हुए थे क्योंकि इन्हें ब्रिटेन की संसद ने पारित किया था और हमने सिर्फ इन्हें अपनाया था। इन कानूनों में पार्लियामेंट ऑफ यूनाइटेड किंगडम, प्रोविंशियल एक्ट, नोटिफिकेशन बाई द क्राउन रिप्रेज़ेन्टेटिव, लंदन गैज़ेट, ज्यूरी और बैरिस्टर, लाहौर गवर्नमेंट, कॉमनवेल्थ के प्रस्ताव, यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन एंड आयरलैंड पार्लियामेंट का जिक्र है। इन कानूनों में हर मैजेस्टी और बाइ द प्रिवी काउंसिल के रेफरेंस दिए गए हैं, कॉपीज़ एंड एक्सट्रैक्ट्स कंटेट इन द लंदन गैज़ेट के आधार पर इन कानूनों को बनाया गया था, पजेशन ऑफ द ब्रिटिश क्राउन, कोर्ट ऑफ जस्टिस इन इंग्लैंड और हर मैजेस्टी डॉमिनियन्स का भी जिक्र इन कानूनों में कई स्थानों पर है। अच्छी बात यह है कि गुलामी की इन निशानियों को पूरी तरह मिटा दिया गया है। नये कानूनों में 475 जगह गुलामी की निशानियों को समाप्त कर दिया गया है। हमारे क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में बहुत समय लगता है, कई बार न्याय इतनी देर से मिलता है कि न्याय का कोई मतलब ही नहीं रह जाता है, लोगों की श्रद्धा उठ जाती है और वह अदालत में जाने से डरते हैं।

इन कानूनों को बनाने के पीछे बहुत लंबी प्रक्रिया रही है। इन कानूनों को आज के समय के अनुरूप बनाने में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अगस्त, 2019 में सर्वोच्च न्यायालय के सभी न्यायाधीशों, देश के सभी उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों और देश के सभी कानून विश्वविद्यालयों को पत्र लिखे थे। वर्ष 2020 में सभी, महामहिम राज्यपालों, मुख्यमंत्रियों और सांसदों एवं संघ-शासित प्रदेशों के महामहिम प्रशासकों को पत्र लिखे गए। इसके बाद व्यापक परामर्श के बाद ये प्रक्रिया कानून बनने जा रही है। इसके लिए 18 राज्यों, 6 संघशासित प्रदेशों, सुप्रीम कोर्ट, 16 हाई कोर्ट, 5 न्यायिक अकादमी, 22 विधि विश्वविद्यालय, 142 सांसद, लगभग 270 विधायकों और जनता ने इन नए कानूनों पर अपने सुझाव दिए हैं। यह प्रक्रिया सरल नहीं थी, काफी मेहनत की गई बीते 4 सालों में खूब विचार विमर्श किया गया है। इस संदर्भ में हुई 158 बैठकों में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह उपस्थित रहे हैं।

● डॉ. मोहन यादव

इन कानूनों में क्या बदलाव हुआ है, इस पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने बताया कि आज तक आतंकवाद से परिचित सभी थे लेकिन आतंकवाद की परिभाषा एवं व्याख्या नहीं थी। अब ऐसा नहीं रहेगा। अब अलगाव, सशस्त्र विद्रोह, विध्वंसक गतिविधियां, अलगाववाद, भारत की एकता, संप्रभुता और अखंडता को चुनौती देने जैसे अपराधों की पहली बार इस कानून में व्याख्या की गई है। इससे जुड़ी संपत्तियों को जब्त करने का अधिकार भी दिया गया है। जांचकर्ता पुलिस अधिकारी के संज्ञान पर कोर्ट इसका आदेश देगा। गौरतलब है कि अनुपस्थिति में ट्रायल के बारे में केंद्र सरकार ने एक ऐतिहासिक फैसला किया है। सेशंस कोर्ट के जज द्वारा प्रक्रिया के बाद भगोड़ा घोषित किए गए व्यक्ति की अनुपस्थिति में ट्रायल होगा और उसे सजा भी सुनाई जाएगी, चाहे वो दुनिया में कहीं भी छिपा हो। उसे सजा के खिलाफ अपील करने के लिए भारतीय कानून और अदालत की शरण में आना होगा। अभी तक देखा गया है कि देश भर के पुलिस स्टेशनों में बड़ी संख्या में केस संपत्तियां पड़ी रहती हैं।

इन कानूनों में अत्याधुनिकतम तकनीकों को समाहित किया गया है। दस्तावेजों की परिभाषा का विस्तार कर इलेक्ट्रॉनिक या डिजिटल रिकॉर्ड्स, ई-मेल, सर्वर लॉग्स, कम्प्यूटर, स्मार्ट फोन, लैपटॉप्स, एसएमएस, वेबसाइट, लोकेशनल साक्ष्य, डिवाइस पर उपलब्ध मेल और मैसेजेस को कानूनी वैधता दी गई है, जिनसे अदालतों में लगने वाले कागजों के अंबार से मुक्ति मिलेगी। इस कानून को डिजिटलाइज किया गया है, यानी एफआईआर से केस डायरी, केस डायरी से चार्जशीट और चार्जशीट से जजमेंट तक की सारी प्रक्रिया को डिजिटलाइज करने का प्रावधान इस कानून में किया गया है। अभी सिर्फ आरोपी की पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हो सकती है, लेकिन अब पूरा ट्रायल, क्रॉस क्वेश्चनिंग सहित, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संभव होगी। शिकायतकर्ता और गवाहों का परीक्षण, जांच-पड़ताल और मुकदमे में साक्ष्यों की रिकॉर्डिंग और उच्च न्यायालय के मुकदमे और पूरी अपीलीय कार्यवाही भी अब डिजिटली संभव होगी। सर्च और जब्ती के समय वीडियोग्राफी को अनिवार्य कर दिया है, जो केस का हिस्सा होगी और इससे निर्दोष नागरिकों को फंसाया नहीं जा सकेगा।

आजादी के 75 सालों के बाद भी दोष सिद्धि का प्रमाण बहुत कम है। यही कारण है कि मोदी सरकार ने फॉरेंसिक साइंस को बढ़ावा देने का काम किया है। तीन साल के बाद हर साल 33 हजार फॉरेंसिक साइंस एक्सपर्ट्स और साइंटिस्ट्स देश को मिलेंगे। साथ ही श्री अमित शाह ने लक्ष्य रखा है कि दोष सिद्धि के प्रमाण को 90 प्रतिशत से ऊपर लेकर जाना है। इसके लिए एक महत्वपूर्ण प्रावधान किया गया है कि 7 वर्ष या इससे अधिक सजा वाले अपराधों के क्राइम सीन पर फॉरेंसिक टीम की विजिट को अनिवार्य किया जा रहा है। इसके माध्यम से पुलिस के पास एक वैज्ञानिक साक्ष्य होगा जिसके बाद कोर्ट में दोषियों के बरी होने की संभावना बहुत कम हो जाएगी। वर्ष 2027 से पहले देश की सभी अदालतों को कम्प्यूटराइज्ड कर दिया जाएगा। इसी प्रकार मोबाइल फॉरेंसिक वैन का भी अनुभव किया जा चुका है। दिल्ली इसका उदाहरण है। दिल्ली में इसका सफल प्रयोग किया गया। इसके तहत 7 वर्ष से अधिक सजा के प्रावधान वाले किसी भी अपराध के स्थल पर फॉरेंसिक साइंस लैबरोटरी (एफएसएल) की टीम पहुंचती है। इतना ही नहीं मोबाइल एफएसएल को भी लॉन्च किया गया। बता दें कि यह संकल्पना पूर्ण रूप से सफल है। यही वजह है कि अब हर जिले में 3 मोबाइल एफएसएल रहेंगी और अपराध स्थल पर जाएंगी।

यौन हिंसा के मामले में भी पहले के कानून में फेर-बदल किया गया है। इसके अंतगर्त यौन हिंसा के मामले में पीड़ित का बयान अनिवार्य कर दिया गया है और यौन उत्पीड़न के मामले में बयान की वीडियो रिकॉर्डिंग भी अब अनिवार्य कर दी गई है। पुलिस को 90 दिनों में शिकायत का स्टेटस और उसके बाद हर 15 दिनों में फरियादी को स्टेटस देना अनिवार्य होगा। पीड़ित को सुने बिना कोई भी सरकार 7 वर्ष या उससे अधिक के कारावास का केस वापस नहीं ले सकेगी, इससे नागरिकों के अधिकारों की रक्षा होगी। ऐसा पहली बार हुआ है कि कम्युनिटी सर्विस को सजा के रूप में इस कानून के तहत लाया जा रहा है। छोटे मामलों में समरी ट्रायल का दायरा भी बढ़ा दिया गया है। अब 3 साल तक की सजा वाले अपराध समरी ट्रायल में शामिल हो जाएंगे। इस अकेले प्रावधान से ही सेशंस कोर्ट्स में 40 प्रतिशत से अधिक केस समाप्त हो जाएंगे। आरोप पत्र दाखिल करने के लिए 90 दिनों की समय-सीमा तय कर दी गई है और परिस्थिति देखकर अदालत आगे 90 दिनों की परमिशन और दे सकेंगी।

पुराने आपराधिक कानूनों को निरस्त करना और नए कानूनों को अपनाना देश की वर्तमान वास्तविकताओं को दर्शाता है। भारतीय लोकाचार और संस्कृति को प्रतिबिंबित करने के लिए इन कानूनों का नाम बदला गया। जैसे कि भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 पुरातन ब्रिटिश औपनिवेशिक युग से प्रस्थान का प्रतीक हैं, जिसमें सजा पर जोर दिया जाता था न कि न्याय पर।

पिछले दशक में प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने धार्मिक कट्टरवाद और आतंकवाद पर सख्त रुख अपनाया है। आतंकवाद और उग्रवाद को लेकर सरकार की शून्य-सहिष्णुता नीतियों और कार्यों के कारण ये ताकतें अब रक्षात्मक मुद्रा में हैं। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार ने यूएपीए समेत संबंधित अधिनियमों में आवश्यक संशोधन किए हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी को विदेशों में भारतीयों और भारतीय हितों से संबंधित आतंकी अपराधों की जांच करने का अधिकार दिया गया है। नए आपराधिक कानूनों ने अनुपस्थिति में मुकदमे की अनुमति देकर इस बदलाव को और मजबूत किया है।

(लेखक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

भारतीय नौसेना

(हर काम देश के नाम)

भारतीय नौसेना अविवाहित पुरुष और अविवाहित महिला उम्मीदवारों से अग्निवीर [एमआर (संगीतकार)] - 02/2024 बैच के लिए ई-आवेदन पत्र आमंत्रित करती है

पात्रता शर्तें

1. अविवाहित पुरुष और अविवाहित महिला उम्मीदवारों (जो भारत सरकार द्वारा निर्धारित पात्रता शर्तों को पूरा करते हैं) से अग्निवीर [एमआर (संगीतकार)] - **02/2024 (नवम्बर 2024)** बैच के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं. पात्रता मानदंड और व्यापक नियम और शर्तें यहां नीचे दी गयी हैं. पुरुष और महिला उम्मीदवारों के पदानुसार वितरण का निर्णय नौकरी में रिक्तियों की आवश्यकता के अनुसार लिया जाएगा.
2. **शैक्षणिक योग्यताएं**. अभ्यर्थी द्वारा **मैट्रिक कक्षा** भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा मान्यताप्राप्त किसी भी बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन द्वारा उत्तीर्ण की हो.
3. **आयु**. अभ्यर्थी **01 नवम्बर 2003 से 30 अप्रैल 2007** (दोनों तिथियों को मिलाकर) के बीच जन्मा हो. केवल भारतीय अविवाहित पुरुष और अविवाहित महिला उम्मीदवार ही भारतीय नौसेना में अग्निवीरों के रूप में भर्ती के पात्र हैं. उम्मीदवारों को नामांकन के समय 'अविवाहित' होने का प्रमाणपत्र देना होगा. अग्निवीर को भारतीय नौसेना में चार साल के कार्यकाल के दौरान शादी करने की अनुमति नहीं दी जाएगी. यदि अग्निवीर अपने कार्यकाल के दौरान शादी कर लेता है या हस्ताक्षरित घोषणा पत्र देने के बावजूद पहले से ही शादीशुदा पाया जाता है तो उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया जाएगा.
5. **संगीत संबंधी योग्यता**. अभ्यर्थी को ताल लय और एक पूर्ण गीत गायन में सटीकता के साथ संगीत के लिए मौखिक योग्यता मे प्रवीणता होनी चाहिए. भारतीय या विदेशी मूल के किसी भी यंत्र पर वास्तविक व्यावहारिक कौशल भी होना चाहिये. जिसमें उपकरण की ट्यूनिंग में प्रवीणता, उपकरण के साथ नोट्स, भारतीय शास्त्रीय/टेबलेट/स्टाफ नोटेशन की दृष्टि पढ़ने, स्केल/राग/ताल/और मूलभूत प्रदर्शन भारतीय या अंतरराष्ट्रीय संगीत का सिद्धान्त.
6. **वाद्य यंत्रों के साथ जिस पर प्रवीणता चाहिए**. उम्मीदवारों को कीबोर्ड/ स्ट्रिंग/विंड इंस्ट्रूमेंट्स/ ड्रम किट (न्यूनतम 7 पीस सेट) या भारतीय/ विदेशी मूल के किसी अन्य साधन जैसे एक या अधिक उपकरणों पर विशेषज्ञता के साथ प्रदर्शन करने की आवश्यकता होगी. ब्रास ड्रम, स्नेयर ड्रम, साइड ड्रम, झांझ, गैर-रंगीन यंत्र जैसे बिगुल और मोनोटोन यंत्र जैसे अनिश्चित पिच यंत्र पर प्रदर्शन करने वाले उम्मीदवार केवल एक नोट या ड्रोन का उत्पादन करने के लिए उपयोग किए जाते हैं, भर्ती के लिए पात्र नहीं होंगे.
7. **संगीत अनुभव प्रमाणपत्र**

(क) विंड इन्स्ट्रूमेंट्स पर हिंदुस्तानी या कर्नाटक शास्त्रीय संगीत का प्रदर्शन करने वाले उम्मीदवारों को किसी भी मान्यताप्राप्त संगीत संस्थान या प्रतिष्ठित संगठन से संगीत अनुभव प्रमाण पत्र की जरूरत होगी.

(ख) राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय बोर्ड से न्यूनतम ग्रेड का प्रमाणपत्र जैसे संगीत का ट्रिनिटी कॉलेज, लंदन या संगीत के रॉयल स्कूल, लंदन, वायु उपकरणों पर पश्चिमी नोटेशन या पश्चिमी संगीत करने वाले उम्मीदवारों के लिए अनिवार्य होगा.

(ग) अन्य उम्मीदवारों को विभिन्न प्रतियोगिताओं में शामिल/ पुरस्कार का प्रमाण पत्र देना होगा.

नियम एवं शर्तें :

8. **सेवा की अवधि**. अग्निवीरों को भारतीय नौसेना में 'नौसेना अधिनियम 1957' के तहत चार साल की अवधि के लिए भर्ती किया जाएगा. अग्निवीरों की रैंक मौजूदा रैंकों से अलग होगी और भारतीय नौसेना में सबसे जूनियर रैंक होगी. भारतीय नौसेना चार साल की नियुक्ति के बाद अग्निवीरों को सेवा में रखने के लिए बाध्य नहीं है.
9. **अवकाश**. अग्निवीरों के लिए प्रतिवर्ष 30 दिन का अवकाश लागू होगा, इसके अतिरिक्त सक्षम चिकित्सा प्राधिकारी की चिकत्सीय सलाह के आधार पर चिकित्सा अवकाश लागू होगा.
10. **वेतन भत्ते एवं संबद्ध लाभ**. अग्निवीरों को एक निश्चित वार्षिक वेतन वृद्धि के साथ रुपये 30,000/- प्रतिमाह के पैकेज का भुगतान किया जाएगा. इसके अलावा जोखिम, कठिनाई, पोशाक और यात्रा भत्ते का भुगतान किया जाएगा.
11. **सेवा निधि**. सेवा की अवधि पूरी होने पर अग्निवीरों को वन टाइम सेवानिधि पैकेज दिया जाएगा, जिसमें उनके मासिक योगदान के साथ-साथ सरकार द्वारा समान योगदान शामिल होगा, जैसा की नीचे दर्शाया गया है:

साल	अनुकूलित पैकेज (मासिक)	हाथ में (70%)	अग्निवीर कॉर्पस फंड में योगदान (30%)	सरकार द्वारा कॉर्पस फंड में योगदान
	सभी आंकड़े रुपये में (मासिक अंशदान)			
पहला वर्ष	30000	21000	9000	9000
दूसरा वर्ष	33000	23100	9900	9900
तीसरा वर्ष	36500	25550	10950	10950
चौथा वर्ष	40000	28000	12000	12000
		कुल अग्निवीर कॉर्पस	5.02 लाख	5.02 लाख

नोट. अग्निवीर ग्रेच्युटी और पेंशन संबंधी लाभों का हकदार नहीं होगा.

12. **जीवन बीमा**. अग्निवीर को सेवा के दौरान 48 लाख रुपये का गैर-अंशदायी जीवन बीमा प्रदान किया जाएगा.
13. **मृत्यु मुआवजा**. रुपये 48 लाख के जीवन बीमा के अतिरिक्त अग्निवीर की सेवा करते हुये मृत्यु होने पर 44 लाख रुपये की वन टाइम अनुग्रह राशि अग्निवीर के वारिश को प्रदान की जाएगी.
14. **दिव्यांगता मुआवजा**. 100/75/50 प्रतिशत दिव्यांगता के लिए क्रमशः 44/25/15 लाख रुपये की वन टाइम अनुग्रह राशि अग्निवीर को प्रदान की जाएगी.

नोट. मृत्यु/ दिव्यांगता मुआवजा के बारे अधिक जानकारी के लिए भारतीय नौसेना की आधिकारिक वेबसाइट **www.joinindiannavy.gov.in** देखें.

15. **नौसैनिक (रेगुलर कैडर) के रूप में नामांकन**. चार साल की सेवा अवधि पूर्ण करने पर संगठन की आवश्यकताओं और भारतीय नौसेना द्वारा स्थापित नीतियों के आधार पर अग्निवीरों को भारतीय नौसेना में स्थायी नामांकन के लिए आवेदन करने का अवसर प्रदान किया जाएगा. इन आवेदनों पर अग्निवीरों की चार साल की नियुक्ति अवधि के दौरान उनके प्रदर्शन के आधार पर आवेदनों पर केंद्रीकृत तरीके से विचार किया जाएगा और नौसैनिक (रेगुलर कैडर) के रूप में आगे की पुनः नियुक्ति के लिए प्रत्येक विशिष्ट बैच के अग्निवीरों में से 25% तक को ही नौसैनिक (रेगुलर कैडर) के रूप मे नामांकित किया जाएगा. अग्निवीरों को भारतीय नौसेना के रेगुलर कैडर में नामांकन के लिए चुने जाने का कोई अधिकार नहीं होगा. रेगुलर कैडर में नामांकन भारतीय नौसेना के विवेक पर होगा.
16. **नौसेना पेंशन विनियम/ग्रेच्युटी**. अग्निवीर नौसेना पेंशन विनियमों/नियमों (समय-समय पर संशोधित) के प्रावधानों में शामिल नहीं होंगे, इसके अतिरिक्त अग्निवीर नियुक्ति की अवधि के लिए ग्रेच्युटी के हकदार नहीं होंगे.
17. **स्वतः अनुरोध से सेवा छोड़ने की अनुमति**. अग्निवीरों को सेवा अवधि पूरी होने से पहले स्वतः अनुरोध से सेवा छोड़ने की अनुमति नहीं होगी. हालांकि, कुछ अपवादात्मक मामलों में, इस योजना के तहत नामांकित अग्निवीरों को सक्षम प्राधिकारी के द्वारा स्वीकृत किए जाने पर सेवा से बाहर किया जा सकता है.
18. **भूतपूर्व सैनिक दर्जा**. अग्निवीर भूतपूर्व सैनिक दर्जे के पात्र नहीं होंगे.
19. **चिकित्सा और सी एस डी सुविधाएं**. अग्निवीर, नियुक्ति अवधि के दौरान सर्विस अस्पतालों में चिकित्सा सुविधाओं के साथ-साथ सी एस डी प्रावधानों के भी हकदार होंगे.

चयन मानदंड

भर्ती प्रक्रिया का चयन प्रारंभिक स्क्रीनिंग टेस्ट और अंतिम स्क्रीनिंग टेस्ट में उनके प्रदर्शन के आधार पर होगा.

20. **शॉर्टलिस्टिंग**. स्टेज 1 के लिए शॉर्टलिस्टिंग परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर होगी. केवल वैध संगीत प्रमाण पत्र (डिग्री/डिप्लोमा/ग्रेड/प्रतियोगिता का प्रमाण पत्र) रखने वाले उम्मीदवारों को चयनित करने पर विचार किया जाएगा. जिन उम्मीदवारों को मेट्रिकुलेशन प्रमाण पत्र में ग्रेड दिए गए हैं, उन्हें संबन्धित बोर्ड द्वारा अनुमोदित रूपान्तरण सूत्र के अनुसार अंकों में परिवर्तित करना है, उम्मीदवार द्वारा आधिकारिक तौर पर घोषित रूपान्तरण सूत्र की प्रति भी अपलोड करनी होगी, अन्यथा इसके अभाव में उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी.

नोट- मैट्रिक में समान प्रतिशत वाले उम्मीदवारों के कारण शॉर्टलिस्टेड किए गए उम्मीदवारों की संख्या रिक्तियों से ज्यादा होने की स्थिति में, पहले जन्म वर्ष वाले उम्मीदवारों (यानी भर्ती के लिए कम संभावना वाले) को शॉर्टलिस्टेड किया जाएगा.

21. **स्टेज 1 - प्रारम्भिक स्क्रीनिंग**. शॉर्टलिस्टेड किए गए उम्मीदवारों को स्टेज 1 के लिए कॉल-अप लेटर जारी किया जाएगा, जिसमें पीएफटी, म्यूजिक स्क्रीनिंग टेस्ट और भर्ती चिकत्सा परीक्षा शामिल है. पीएफटी और प्रारम्भिक संगीत टेस्ट उत्तीर्ण करने वालों को भर्ती चिकत्सा परीक्षा से गुजरना होगा. चरण 1 के लिए केंद्र का आवंटन भारतीय नौसेना के विवेक पर होगा. चरण 1 का संभावित आयोजन अगस्त 24 में होगा.
22. **शारीरिक मापदंड**. चयन के लिए शारीरिक दक्षता जांच (पीएफटी) में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है. शारीरिक दक्षता जांच में सम्मिलित होने वाले उम्मीदवार अपने जोखिम पर पी एफटी में सम्मिलित होंगे. शारीरिक दक्षता मानक इस प्रकार हैं :-

लिंग	1.6 किमी दौड़	उठक-बैठक	पुश-अप	शिट-अप (घुटने मोड़कर)
पुरुष	6 मिनट 30 सेकेंड	20	15	15
महिला	8 मिनट	15	10	10

सलाह: खेल, तैराकी और पाठ्येतर गतिविधियों में प्रावीणता वांछनीय है.

23. **भर्ती चिकित्सा परीक्षा**. म्यूजिक स्क्रीनिंग टेस्ट और शारीरिक दक्षता परीक्षा में उत्तीर्ण उम्मीदवारों का भर्ती चिकित्सा परीक्षण किया जाएगा. भर्ती चिकित्सा परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले उम्मीदवारों को अंतिम स्क्रीनिंग टेस्ट के लिए बुलावा पत्र जारी किया जाएगा, जो कि आईएनएस कुंजाली, कोलाबा, मुंबई में आयोजित किया जाएगा. **भर्ती चिकित्सा परीक्षा में अयोग्य पाये जाने वाले उम्मीदवारों को सलाह दी जाएगी की वो चाहें तो अधिकतम 05 दिनों के भीतर भारतीय नौसेना द्वारा आवंटित सैन्य अस्पताल में इसके निष्कर्षों के खिलाफ अपील कर सकते हैं. नामित सैन्य अस्पतालों (भारतीय नौसेना द्वारा आंवटित) के अलावा अन्य अस्पतालों द्वारा जारी चिकित्सा दक्षता प्रमाण पत्र को स्वीकार नहीं किया जाएगा. विशेषज्ञ द्वारा अयोग्य घोषित करने पर आगे कोई समीक्षा /अपील की अनुमति नहीं दी जाएगी.**
24. **स्टेज 2 - अंतिम स्क्रीनिंग**. चरण 1 - प्रारम्भिक स्क्रीनिंग में उत्तीर्ण उम्मीदवारों को स्टेज 2 - अंतिम स्क्रीनिंग टेस्ट के लिए बुलावा पत्र जारी किया जाएगा. सभी उत्तीर्ण उम्मीदवारों को आईएनएस कुंजाली, कोलाबा, मुंबई में अंतिम स्क्रीनिंग के लिए सितम्बर 24 में बुलाया जाएगा, उम्मीदवारों का चयन अखिल भारतीय तरीके से किया जाएगा.
25. **मेरिट लिस्ट**. स्टेज 2 - अंतिम स्क्रीनिंग में उत्तीर्ण उम्मीदवारों को मेरिट लिस्ट में रखा जाएगा. मेरिट अखिल भारतीय तरीके से बनाई जाएगी. मेरिट लिस्ट अक्तूबर 24 में वेबसाइट **www.joinindiannavy.gov.in** में उपलब्ध होगी.
26. **अंतिम भर्ती चिकित्सा परीक्षा**. सभी चयनित उम्मीदवारों की अंतिम भर्ती चिकित्सा परीक्षा भा.नौ.पो. चिल्का, ओडिशा में आयोजित की जाएगी, बशर्ते भर्ती के लिए उम्मीदवार को अंतिम चिकित्सा परीक्षा में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है.
27. **चिकित्सा मानक**.

(क) वर्तमान भर्ती प्रक्रिया के लिए निर्धारित चिकित्सा मानक के अनुसार अधिकृत सैन्य डाक्टरों द्वारा चिकित्सा परीक्षा आयोजित की जाएगी.

(ख) **लिंग**. यदि किसी भी उम्मीदवार में शारीरिक जांच के दौरान विपरीत लिंग के लक्षण पाये जाते हैं, तो उसे अयोग्य घोषित करके उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी. ऐसे किसी भी उम्मीदवार, जिसने लिंग-पुनर्मूल्यांकन सर्जरी कराई हो, को अयोग्य घोषित किया जाएगा.

(ग) **गर्भावस्था**. यदि कोई महिला उम्मीदवार गर्भवती पायी जाती है तो उसे अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा और उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी. किसी भी महिला उम्मीदवार को रिपोर्टिंग के समय या चार साल के कार्यकाल के समापन तक गर्भ धारण नहीं करना चाहिए. यदि उम्मीदवार चार साल के कार्यकाल के दौरान गर्भवती पायी जाती है तो बर्खास्तगी/निस्काषन के लिए उपयुक्त कार्रवाई की जाएगी.

(घ) **न्यूनतम ऊंचाई मानक**. न्यूनतम ऊंचाई पुरुष और महिला उम्मीदवारों के लिए 157 से.मी. होगी.

(ङ) **टैटू**. स्थायी टैटू केवल कोहनी से नीचे अंदर की तरफ होने चाहिए जैसे कोहनी से मुट्ठी तक अंदर की तरफ और हथेली के पीछे. शरीर के किसी अन्य भाग पर स्थायी टैटू स्वीकार्य नहीं है और आवेदक को भर्ती में शामिल नहीं किया जाएगा.

(च) उम्मीदवार अच्छे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में होना चाहिए और ऐसी किसी बीमारी/अपंगता से मुक्त होना चाहिए, जो कि शांति और युद्ध दोनों समय में तट पर तथा समुद्र में कर्तव्य के सफल निष्पादन में हस्तक्षेप करती हो.

नोट: **(क)** अभ्यार्थी को सलाह दी जाती है कि परीक्षा से पहले अपने कानों की वैक्स और दांतों से टार्टर साफ करके आयें.

(ख) विभिन्न क्षेत्रों के उम्मीदवारों के लिए ऊंचाई में छूट संबंधित नियम वेबसाइट **www.joinindiannavy.gov.in** पर उपलब्ध हैं.

(शेष अगले पृष्ठ पर)

(पिछले पृष्ठ का शेष)

28. **दृष्टि मानक.**

असंशोधित दृष्टि	सही दृष्टि	रंग धारणा
6/12, 6/12	6/6, 6/6	II

प्रशिक्षण

29. **प्रशिक्षण.** पाठ्यक्रम के लिये प्रशिक्षण नवम्बर 2024 से भा.नौ.पो. चिल्का, उड़ीशा में प्रारम्भ होगा.

30. **अनुपयुक्त होने पर निकाला जाना.** अग्निवीरों को प्रशिक्षण और सेवा के दौरान किसी भी समय असंतोषजनक प्रदर्शन/कार्य करने पर सेवा से बर्खास्त किया जा सकता है.

चयन प्रक्रिया

31. आवेदन केवल ऑनलाइन आवेदन-पत्र वेबसाइट **www.joinindiannavy.gov.in** पर कर सकते हैं और सभी मौलिक दस्तावजों को स्कैन करके अपलोड करें. डाक द्वारा भेजे गये आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किए जाएंगे. चयन प्रक्रिया इस प्रकार होगी :

(क) ऑनलाइन आवेदन भरते समय उम्मीदवारों द्वारा अपलोड किए गये दस्तावेजों की जांच और सत्यापन होगा.

(ख) पात्र अभ्यर्थियों को स्टेज 1 - प्रारम्भिक स्क्रीनिंग के लिए कॉल-अप-लेटर कम एडमिट कार्ड, जिसमें दिनांक, समय और स्थान अंकित होंगे, संभावित जुलाई 24 में वेबसाइट पर अपलोड किया जायेगा. अभ्यर्थियों को कॉल-अप-लेटर कम एडमिट कार्ड वेबसाइट **www.joinindiannavy.gov.in** से डाउनलोड करने होंगे. कॉल-अप-लेटर कम एडमिट कार्ड डाक द्वारा नहीं भेजे जाएंगे.

(ग) सभी मूल संगीत प्रमाणपत्र, अंकतालिका और मूल निवास प्रमाण पत्र (जो आवेदन पत्र भरते समय अपलोड किए गये हैं) प्रारम्भिक स्क्रीनिंग के समय प्रस्तुत करने होंगे. यदि ऑनलाइन आवेदन भरते समय उम्मीदवारों द्वारा अपलोड किए गये दस्तावेज़ मूल दस्तावेजों से भिन्न पाये गये तो पात्रता निरस्त कर दी जाएगी.

(घ) प्रारम्भिक स्क्रीनिंग, शारीरिक दक्षता जांच और भर्ती चिकित्सा परीक्षा के लिए 2-3 दिन का समय लग सकता है.

(ङ) मूल निवास प्रमाण-पत्र, लिंग और अन्य विवरण गलत घोषित करने वाले उम्मीदवारों को भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी और उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी.

(च) स्टेज 2 - अंतिम स्क्रीनिंग में उत्तीर्ण उम्मीदवारों को चयन सूची में रखा जाएगा. चयन सूची वेबसाइट **www.joinindiannavy.gov.in** पर प्रदर्शित की जायेगी.

(छ) सभी चयनित उम्मीदवारों को आईएनएस चिल्का, ओडिशा में अंतिम चिकित्सा परीक्षा से गुजरना होगा.

(ज) सभी अभ्यर्थी, जो भारतीय नौसेना पोत कुंजाली, मुंबई में स्टेज 2 - अंतिम स्क्रीनिंग में हिस्सा ले रहे हैं, को पुलिस सत्यापन प्रारूप जमा करना है. अभ्यर्थियों को पुलिस सत्यापन प्रारूप/ऑनलाइन पुलिस सत्यापन प्रारूप संबन्धित पुलिस अधीक्षक द्वारा सत्यापित कराकर अन्य सभी फॉर्म के साथ भा.नौ.पो कुंजाली, मुंबई में जमा करना होगा. बिना पुलिस द्वारा सत्यापित या खराब टिप्पणी अभ्यर्थियों को भर्ती हेतु योग्य नहीं समझा जायेगा.

(झ) चयनित अभ्यर्थियों की पात्रता केवल वर्तमान बैच के लिये वैध है. सफल अभ्यर्थी, जिनका नाम अंतिम चयन सूची में नहीं होता है, अगले बैच में भर्ती का दावा नहीं कर सकते. उन्हें अगले बैच की चयन प्रक्रिया में फिर से गुजरना होगा, बशर्ते कि वे अगले बैच के पात्रता मानदंड को पूरा करते हों.

(ञ) प्रारम्भिक स्क्रीनिंग, शारीरिक दक्षता जांच और भर्ती चिकित्सा परीक्षा के लिए केन्द्रों का आवंटन भारतीय नौसेना के विवेक पर होगा.

(ट) भर्ती/प्रवेश के संबंध में कोई भी पूछताछ 6 महीने के बाद स्वीकार नहीं की जाएगी.

आवेदन कैसे करें

32. आवेदक इस भर्ती के लिए वेबसाइट **www.joinindiannavy.gov.in पर 01 जुलाई से 11 जुलाई 2024 तक केवल ऑनलाइन** आवेदन कर सकते है. आवेदन प्रक्रिया वैबसाइट **www.joinindiannavy.gov.in** पर उपलब्ध है. उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है की ऑनलाइन आवेदन भरते समय सही विवरण भरें. ऑनलाइन आवेदन में उम्मीदवार द्वारा कोई भी सुधार ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि से पहले करना होगा. आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि के बाद कोई भी सुधार या अपडेट संभव नहीं होगा. उम्मीदवारों द्वारा ऑनलाइन आवेदन में भरा गया विवरण अगर भर्ती के किसी भी चरण में गलत पाया जाता है, तो उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी. ऑनलाइन आवेदन-पत्र की छानबीन की जाएगी और इसे किसी भी समय अनुपयुक्त पाये जाने पर बिना कारण बताये रद्द किया जा सकता है. आवेदन पत्र कॉमन सर्विस सेंटर (सी.एस.सी) से पूरे देश में (60 रुपये + जी.एस.टी) के निर्धारित मूल्य पर भर सकते हैं. यह सुविधा पूर्ण रूप से वैकल्पिक है.

33. **फोटोग्राफ.** पासपोर्ट आकार का हालिया रंगीन फोटोग्राफ (जून 24 में से पहले नहीं लिया गया हो) 10 केबी से 50 केबी साइज़ तक तथा बिना सर ढके (सिखों के अतिरिक्त) हल्की पृष्ठ भूमि में सामने का चित्र होना चाहिए. उम्मीदवार को अपने सीने के सामने एक काली स्लेट पकड़े हुए जिस पर उम्मीदवार का पूरा नाम और फोटो लेने की तारीख स्पष्ट रूप से बड़े अक्षरों में सफेद चॉक से लिखी होनी चाहिए. अपलोड की गयी फोटोग्राफ की तुलना में उम्मीदवार की उपस्थिति में परिवर्तन जैसे की बढ़ती हुई दाढ़ी, सर पर टोपी आदि होने पर उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी.

34. **आवश्यक सूचना.**

(क) परीक्षा परिसर के अंदर मोबाइल फोन या किसी भी अन्य संचार उपकरणों की अनुमति नहीं है. इन निर्देशों के किसी भी उल्लंघन से अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी, जिसमें भविष्य की परीक्षा से प्रतिबंध शामिल होगा.

(ख) उम्मीदवारों को ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि का इंतज़ार किए बिना समय पर आवेदन करने की सलाह दी जाती है.

(ग) किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा परिसर में आज्ञा की अवहेलना और गलत व्यवहार नहीं करना है.

(घ) ऑनलाइन आवेदन भरते समय उम्मीदवारों को परीक्षा केंद्र का चयन का निर्णय सावधानीपूर्वक करना चाहिए.

(ङ) उम्मीदवारों को कई आवेदन करने से बचना होगा, यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक आवेदन करता है तो उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जायेगी.

(च) लिखित परीक्षा और भर्ती के प्रत्येक स्तर में प्रवेश के लिए या उम्मीदवार की योग्यता के लिए भारतीय नौसेना का निर्णय अंतिम होगा.

(छ) **स्थायी निवास प्रमाण पत्र संबन्धित गलत सूचना देने पर, भर्ती के किसी भी चरण में, प्रशिक्षण और उसके बाद भी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी.**

MPMETRO

मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड

(भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन का संयुक्त उपक्रम)

द्वितीय तल, स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन ऑफिस बिल्डिंग, कालीबाड़ी रोड, भेल, सेक्टर-ए, बरखेड़ा, भोपाल-462022

भर्ती के लिए विज्ञापन

मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (MPMRCL), भारत सरकार और मध्यप्रदेश सरकार का संयुक्त उपक्रम, भोपाल मेट्रो रेल परियोजना और इंदौर मेट्रो रेल परियोजना को मध्यप्रदेश राज्य में क्रियान्वित कर रहा है।

तत्काल आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु MPMRCL द्वारा विभिन्न पदों के लिए आवेदन आमंत्रित हैं।

Operations/S&T and RS/Traction and E&M/ Security/AFC/PSD/IT/Depot E&M/Traction/Works/ Track/Design/Procurement/Land & Property Development/Depot/Corporate Coordination/ PRO/Finance/HR/Admin/Company Affairs/Legal/ Vigilance/Junior Assistant (Secretarial)

नियुक्तियां MPMRCL के नियमों एवं शर्तों पर संविदा/प्रतिनियुक्ति/पुनर्नियुक्ति के आधार पर होगी।

यह विज्ञापन केवल सांकेतिक है। रिक्त पदों का विस्तृत विवरण एमपीएमआरसीएल वेबसाइट **www.mpmetrorail.com** के कॅरियर विकल्प में उपलब्ध हैं। अधिक जानकारी के लिए कृपया विज्ञापन क्रमांक 2831/HRD/ MPMRCL-055/2024, 2832/HRD/MPMRCL-056/2024, 2833/ HRD/MPMRCL-057/2024, 2834/HRD/MPMRCL-058/2024, 2835/HRD/MPMRCL-059/2024, 2836/HRD/ MPMRCL-060/ 2024 & 2837/HRD/MPMRCL-061/2024 दिनांक 05/07/2024 देखें। रिक्त पदों के लिए ऑफलाइन आवेदन की **अंतिम तिथि 05 अगस्त 2024 को सायं 5:00 तक** है एवं ऑनलाइन आवेदनों की तिथि की सूचना एमपीएमआरसीएल की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित की जायेगी।

प्रबंध संचालक

म.प्र. माध्यम/115248/2024 R-49802/2024 **एमपीएमआरसीएल**

ई-पंचायतों के लिए बुनियादी व्यवस्थाओं की आपूर्ति की जाए सुनिश्चित

भोपाल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने विभाग की मंत्रालय में साप्ताहिक समीक्षा बैठक ली। उन्होंने मंत्रालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारियों से विभिन्न विषयों पर चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। श्री पटेल ने कहा कि आगामी समीक्षा बैठकों में सभी जिला पंचायत सीईओ जो भी विशेष प्रयास ग्रामीण विकास के लिए कर रहे हैं उनकी प्रजेंटेशन अनिवार्य रूप से दें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सिंचाई योजना सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। श्री पटेल ने कहा कि ई-पंचायतों की स्थापना के लिए सभी बुनियादी व्यवस्थाओं की आपूर्ति अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए।

सभी पंचायतों में एनआईसी और बीएसएनएल प्रणाली की प्रभावशीलता का आकलन किया जाए, जहां उक्त प्रणाली प्रभावी न हो वहां वैकल्पिक व्यवस्था की कार्यनीति तैयार कर लें। पंचायतों में कम्प्यूटर सिस्टम की उपलब्धता का भी आकलन किया जाए।

MPIDC Madhya Pradesh Industrial Development Corporation Ltd.

एमपी इण्डस्ट्रीयल डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड

क्षेत्रीय कार्यालय, टी.व्ही. टावर के पास, उद्योग भवन, कटंगा, जबलपुर

क्रमांक-एमपी आईडीसी/क्षे.का.ज./तक./2024/1677-1680 जबलपुर, दिनांक : 03.07.2024

द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पोर्टल **mptenders.gov.in-MPIDC RO Jabalpur** के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

कार्य का विवरण	बयाना राशि रु. लाख में	निविदा प्रपत्र शुल्क	कार्य की राशि	कार्यावधि
औद्योगिक विकास केन्द्र मनेरी एवं फूड पार्क मनेरी, जिला मंडला की जल प्रदाय योजना का एक वर्ष की अवधि में संचालन व संधारण करने का कार्य।	रु. 0.60 लाख	रु. 5900/- जीएसटी सहित	रु. 29.74 लाख	01 वर्ष वर्षाकाल सहित

किसी भी निविदा या समस्त निविदायें बिना कारण बताये निरस्त/स्वीकृत करने, निविदा की तिथि बढ़ाने का अधिकार निगम के कार्यकारी संचालक के पास सुरक्षित है। टेंडर डाक्यूमेंट उपरोक्त ईप्राक्यूरमेंट पोर्टल **mptenders.gov.in** के माध्यम से निर्धारित तिथि तक डाउनलोड व क्रय किये जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/115224/2024 R-49801/2024 **कार्यकारी संचालक**

ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि - 11 जुलाई 2024

चेतावनी

दलालों/धोखेबाजों/असामाजिक तत्वों से सावधान

नौसेना भर्ती संगठन के अधिकारियों के साथ संबंध होने का दावा करने वाला कोई भी व्यक्ति, अभ्यार्थी को भर्ती करवाने का वादा कर सकता है और इसी बहाने वो पैसा भी वसूल सकता है. हम यह दावे के साथ कहना चाहेंगे कि ऐसा कुछ भी संभव नहीं है. दलालों के किसी भी तरह से उत्पीड़न करने पर एफआईआर दायर करें और पुलिस से संपर्क करें. सभी आवेदको को एकीकृत मुख्यालय, रक्षा मंत्रालय (नौसेना) द्वारा कॉल-अप-लैटर और प्रवेश-पत्र जारी किये जाते हैं. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन, परिणाम की घोषणा, शारीरिक स्वस्थता जांच और डॉक्टरी जांच एकीकृत मुख्यालय, रक्षा मंत्रालय (नौसेना) द्वारा नामित की गई विभिन्न स्वतंत्र टीमों द्वारा की जाती है- किसी दलाल के झांसे में आने से पहले अच्छी तरह सोचें. यदि आप सोचते है कि गैर-कानूनी ढंग से काम कराये जा सकते है तो आपको कुछ भी हासिल नहीं होगा. आपको सलाह दी जाती है कि आप देश के कानून का पालन करने वाले नागरिक की तरह आचरण करें और अनुचित साधनों का प्रयोग करने से बचें. **नौसेना में भर्ती पूर्णतः न्यायपूर्ण है.**

अस्वीकरण

विज्ञापन में दिये गये नियम और शर्तें केवल दिशा-निर्देश है और बिना किसी सूचना के परिवर्तन के अधीन हैं. इसके अलावा सरकार द्वारा जारी संशोधित आदेश जो समय-समय पर बदलते रहते है, चयनित उम्मीदवार पर लागू होंगे.

भारतीय नौसेना

10+2 (बी.टेक) कैडेट प्रवेश योजना (स्थायी आयोग)

जनवरी 2025 से पाठ्यक्रम शुरू

शुरू होने की तिथि-06 जुलाई 2024 **ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि-20 जुलाई 2024**

1. प्रतिष्ठित भारतीय नौसेना अकादमी,इझीमाला में चार वर्ष बी. टेक पाठ्यक्रम करने के बाद 10+2 बी.टेक कैडेट प्रवेश योजना के अधीन कार्यपालक और तकनीकी शाखाओं में स्थायी कमीशन्ड अधिकारी बनने के लिए अविवाहित पुरुष और महिला उम्मीदवारों (भारत सरकार द्वारा रखे गए अनुसार राष्ट्रीयता की शर्तों को पूरा करने वाले) से आवेदन आमंत्रित हैं।

2. रिक्तियां और आयु: पाठ्यक्रम के लिए आयु पात्रता और रिक्तियां निम्नानुसार है:

शाखा	रिक्ति	लिंग	आयु
कार्यकारी और तकनीकी शाखा *	**40**	**पुरुष और महिलाएं (महिलाओं के लिए अधिकतम 08 रिक्तियां)**	**02 जुलाई 2005 और 01 जनवरी 2008 के बीच पैदा हुए (दोनों तिथियां मिलाकर)**

(* शाखा आवंटन अर्थात् कार्यपालक और तकनीकी (इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रिकल) को आईएनए में लिया जाएगा)।

नोट-1 :

क. एक उम्मीदवार द्वारा केवल एक आवेदन भरा जाए.

ख. पैरा 2 में अंकित रिक्तियां अनंतिम हैं और प्रशिक्षण स्लॉट की उपलब्धता पर बदल सकती है.

पात्रता शर्तें :

3. **शैक्षिक योग्यता:** भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित (पीसीएम) में कम से कम 70 प्रतिशत कुल अंक और अंग्रेजी में कम से कम 50 प्रतिशत अंक(कक्षा X या XII में) के साथ किसी भी मान्यताप्राप्त बोर्ड से सीनियर सेकेण्डरी परीक्षा (10+2 पैटर्न) या इसके समकक्ष परीक्षा.

4. **कौन आवेदन कर सकता है:** उम्मीदवार जिन्होंने जेईई (मेन) - 2024 परीक्षा (बी.ई/बी.टेक के लिए) दी है. **जेईई (मेन) अखिल भारत कॉमन रैंक लिस्ट (सीआरएल)**- एनटीए द्वारा प्रकाशित 2024 के आधार पर सेवा चयन बोर्ड(एसएसबी) के लिए कॉल-अप जारी किया जाएगा.

5. **चिकित्सा मानक/लंबाई और वजन में छूट/टैटू :** एसएसबी द्वारा संस्तुत सभी उम्मीदवारों को 10+2 (बी.टेक) प्रवेश के लिए लागू चिकित्सा परीक्षा देनी होगी. चिकित्सा मानकों के लिए दिशानिर्देश भारतीय नौसेना की वेबसाइट **www.joinindiannavy.gov.in** पर उपलब्ध हैं. किसी भी आधार पर चिकित्सा मानकों में कोई छूट नहीं है. **चिकित्सा अस्पताल/केन्द्र में परिवर्तन किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं है.**

6. **चयन प्रक्रिया :**

क. नौसेना मुख्यालय, जेईई (मेन) अखिल भारत **कॉमन रैंक लिस्ट** (सीआरएल)-2024 के आधार पर एसएसबी आधार के लिए आवेदनों की लघूसूचीकरण के लिए कट ऑफ निश्चित करने का अधिकार सुरक्षित रखता है. सभी उम्मीदवारों को आवेदन में कॉमन रैंक लिस्ट (सीआरएल) के अनुसार अपनी रैंक भरनी होगी. लघुसूचीबद्ध उम्मीदवारों के लिए एसएसबी साक्षात्कार बेंगलुरु/भोपाल/कोलकाता/विशाखापट्टनम में **सितम्बर 2024** से अनुसूचित किया जाएगा.

ख. लघुसूचीबद्ध उम्मीदवारों को ईमेल और एसएमएस (अपने आवेदन पत्र में उम्मीदवार द्वारा दिए गए) द्वारा एसएसबी साक्षात्कार के लिए उनके चयन के बारे में सूचित किया जाएगा. **उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे चयन प्रक्रिया खत्म होने तक अपना ईमेल/मोबाइल नंबर ना बदलें.**

ग. **किसी भी परिस्थिति में परीक्षा/साक्षात्कार के लिए एसएसबी केन्द्र में परिवर्तन की अनुमति नहीं है.**

घ. उम्मीदवारों को एसएमएस/ईमेल (अपने आवेदन में उम्मीदवार द्वारा दिए गए) द्वारा नौसेना मुख्यालय से सूचना प्राप्त करने पर बुलावा पत्र डाउनलोड करना होगा. एसएसबी तिथियों के परिवर्तन संबंधी किसी भी पत्राचार को कॉल-अप पत्र के प्राप्त होने पर संबंधित एसएसबी के कॉल-अप अधिकारी को भेजा जाना चाहिए.

च. एसएसबी साक्षात्कार के दौरान परीक्षाओं के परिणाम के रूप में लगी चोट के मामले में कोई भी मुआवजा स्वीकार्य नहीं है.

छ. यदि आयोग के विशेष प्रकार के लिए पहली बार प्रस्तुत हो रहे हैं तो एसएसबी साक्षात्कार के लिए एसी 3 टियर रेल किराया स्वीकार्य है. उम्मीदवारों को एसएसबी के लिए प्रस्तुत होते समय पासबुक या चेक लीफ के पहले पेज की फोटोकॉपी लानी होगी जिस पर नाम, खाता संख्या और आईएफएससी विवरण उल्लिखित हो.

ज. एसएसबी प्रक्रिया का विवरण भारतीय नौसेना की वेबसाइट **www.joinindiannavy.gov.in** पर उपलब्ध है.

7. **योग्यता सूची :** एसएसबी अंकों के आधार पर योग्यता सूची तैयार की जाएगी. चिकित्सा परीक्षा में स्वस्थ घोषित उम्मीदवारों को पुलिस सत्यापन और चरित्र सत्यापन और प्रवेश में रिक्तियों की उपलब्धता पर नियुक्त किया जाएगा.

8. **प्रशिक्षण :**

क. चयनित उम्मीदवारों को नौसेना अपेक्षाओं के अनुसार अनुप्रयुक्त इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग या इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में चार वर्ष के बी.टेक पाठ्यक्रम के लिए कैडेट के रूप में प्रवेश दिया जाएगा. पाठ्यक्रम पूर्ण होने पर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) द्वारा बी.टेक डिग्री पुरस्कृत की जाएगी. कैडेट का वितरण, मौजूदा नीति के अनुसार कार्यपालक और तकनीकी शाखा (इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रिकल) में से होगी.

ख. किताबें और पठन सामग्री सहित प्रशिक्षण का सारा खर्चा भारतीय नौसेना द्वारा वहन होगा. कैडेट को कपड़े और भोजन भी प्रदान किया जाएगा.

9. **वेतन और भत्ते/समूह बीमा और ग्रेच्युटि/छुट्टी हकदार /अधिकारियों के कार्य :** विवरण नौसेना की वेबसाइट **www.joinindiannavy.gov.in** पर उपलब्ध हैं.

10. **आवेदन कैसे करें :** उम्मीदवारों को पंजीकरण करना होगा और भर्ती वेबसाइट **www.joinindiannavy.gov.in** पर अपने आवेदन जमा करना होगा. आवेदन जमा करने की विंडो के दौरान समय बचाने के लिए उम्मीदवार अपने विवरण को भर सकते हैं और अपने यूज़र प्रोफाइल के अधीन पहले से दस्तोवजों को अपलोड कर सकते हैं. ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया नीचे उल्लिखित है:

क. **ऑनलाइन (ई-आवेदन) :** ई-आवेदन भरते समय यह सलाह दी जाती है कि वे निम्नलिखित के लिए संबंधित दस्तावेजों को तैयार रखें:

(i) मैट्रिक प्रमाणपत्र/12वीं कक्षा प्रमाणपत्र में दिए गए अनुसार सही निजी विवरण को भरा जाए.

(ii) क्षेत्र जैसे ईमेल पता, मोबाइल नंबर अनिवार्य हैं और भरे जाने चाहिए.

ख. आवेदन भरते समय सभी संबंधित दस्तावेज (प्रमुखता मूल), जन्मतिथि प्रमाण (10वीं/12वीं प्रमाणपत्र के अनुसार), 10वीं कक्षा अंकतालिका, 12वीं कक्षा अंकतालिका, जेईई(मेन)-2024 स्कोर कार्ड [कॉमन रैंक लिस्ट(सीआरएल) अंकित] और एक हाल का पासपोर्ट आकार कलर फोटो, मूल जेपीजी/ टीआईएफएफ प्रारूप में स्कैन किया जाना चाहिए. उम्मीदवारों को आवेदन का प्रिंटआउट लेना होगा और इसे एसएसबी साक्षात्कार के लिए प्रस्तुत होते समय पैरा 10 (ख) में उल्लिखित अनुसार मूल प्रमाणपत्र/दस्तावेजों के साथ लाना होगा.

ग. **यदि कोई भी स्कैन किया गया दस्तावेज किसी भी कारण से पाठ्य नहीं है तो आवेदन को अस्वीकार कर दिया जाएगा.**

घ. एक बार जमा किया आवेदन फाइनल होगा और किसी भी संशोधन/परिवर्तन पर विचार नहीं किया जाएगा.

नोट-2: क. कृपया आपके ऑनलाइन आवेदन अंतिम रूप से जमा करने से पहले वेबसाइट पर दिए गए अनुदेशों को ध्यान से पढ़ें.

ख. आपकी उम्मीदवारी को निरस्त किया जाएगा यदि कोई भी घोषणा, चयन के किसी भी स्तर पर गलत पाया जाता है.

ग. प्रशिक्षण के लिए केवल अविवाहित उम्मीदवार पात्र हैं. कोई भी उम्मीदवार जो विवाहित पाया जाता है या प्रशिक्षण के दौरान विवाह करता है तो उसे सेवा से मुक्त किया जाएगा और उसे वेतन और भत्ते और सरकार द्वारा उम्मीदवार पर किए गए अन्य व्यय सहित पूर्ण प्रशिक्षण लागत को वापस करना होगा.

घ. नशीले पदार्थों का उपयोग करना प्रतिबंधित है. उम्मीदवार को एसएसबी चयन/मेडिकल्स/प्रशिक्षण के दौरान और बाद में सेवा के दौरान शरीर में नशीले पदार्थों के होने के लिए जांचा जाएगा. यदि कोई भी उम्मीदवार चयन/मेडिकल्स/प्रशिक्षण/सेवा करियर के किसी भी समय नशीले पदार्थ का धारक पाया जाता है तो उम्मीदवार को भारतीय नौसेना से निकाल दिया जाएगा या यदि सेवा से जुड़ चुके हैं तो निकाल दिया जाएगा.

नोट 3: आपके आवेदन को बाद में जांचा जाएगा और आवेदन को रद्द किया जा सकता है, यदि किसी भी समय अपात्र/अवैध पाया जाता है।

ऑनलाइन आवेदन के लिए इस क्यूआर कोड को स्कैन करें

मध्यप्रदेश जल निगम मर्यादित

8, अरेरा हिल्स, जेल रोड, भोपाल - 462004

Web. : www.mpjalnigam.mp.gov.in, E-mail : mpjalnigam@mp.gov.in, Ph. : 0755-2579034, 2579874, Fax : 0755-2579873

CIN - U41000MP2012SGC028798/2012

क्र. 14564/72/स्था./म.प्र.ज.नि.मर्या./2024 भोपाल, दिनांक 01.07.2024

विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश जल निगम, मुख्यालय एवं परियोजना क्रियान्वयन इकाइयों (पी.आई.यू.) में पदस्थापना हेतु उप महाप्रबंधक, (सिविल, इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल) के रिक्त पदों पर, केन्द्र एवं सभी राज्य शासन के विभागों/मंडलों/निगमों से प्रतिनियुक्ति आधार पर नियुक्ति हेतु आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप में **अंतिम तिथि 20.07.2024 तक** कार्यालयीन समय में आमंत्रित किए जाते हैं। नियुक्ति हेतु अर्हताएं, सेवा शर्तें, आवेदन पत्र का प्रारूप एवं प्रमाणीकरण सहित अन्य विस्तृत विवरण जल निगम की वेबसाइट **https://mpjalnigam.mp.gov.in** पर उपलब्ध है।

म.प्र. माध्यम/115170/2024 R-49792/2024 **प्रबंध संचालक**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

No./8076/22/D-12/NIT-Maint./2024 Bhopal, Dated : 02.07.2024

NOTICE INVITING TENDER No. 300/MTN/2024

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below.

1. **Name of Work -** Repair/Maintenance of the Rural Roads for Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 10 Year).

S.No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Burhanpur	1	13066601.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **03.07.2024 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

M.P.M./115196/2024 **CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)**

"मेरी सड़क" ऐप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-49795/2024

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

No./8082/22/D-12/MPRRDA/2024 Bhopal, Dated : 02.07.2024

NOTICE INVITING TENDER EL-81

Online Percentage rate Tenders are invited for "Shifting/Raising of High Voltage (HV)/Medium Voltage (MV)/Low Voltage (LV) lines and poles from alignment of PMGSY/CMGSY Road from contractors having 'A' class valid license issued by Madhya Pradesh Licensing Board (Electrical) and registered with MPPWD in appropriate class of contractors on e-procurement portal **https://www.mptenders.gov.in.**

Contractors are to quote rate in percentage below/above or at par of the estimated rates given in BOQ including all Taxes except GST.

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1	Khargone	1	363687.00
2	Ratlam	1	276665.00

1. Tender document can be purchased and submitted only online from the above website from 04.07.2024 from 17:30 hrs.
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed NIT and tender document on the above mentioned portal and concerned PIU.

M.P.M./115197/2024 **CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)**

''मेरी सड़क'' एप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-49796/2024

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्रमांक-01
कार्यालय भवन 1558, गोरखपुर थाने के पीछे, ऋषि कॉटेज, रतन कॉलोनी कटंगा, जबलपुर (म.प्र.), पिनकोड-482002

फोन नं. : 0761-4927201, E-mail : mpphcjabalpur@gmail.com

निविदा प्रेस विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, जबलपुर संभाग क्र. 01 के अंतर्गत सी.एम. राइज़ योजना अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खमारपानी, जिला-छिंदवाड़ा में उच्च दाब 1X200 KVA का बाह्य विद्युतीकरण कार्य हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 03 वर्ष 2024-25 (ऑनलाइन निविदा क्र. 2024_MPPHC_354821_1) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 18.07.2024 तक** खरीदकर सायं 17:00 बजे तक सब्मिट किये जा सकते हैं जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही किए जावेंगे पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

म.प्र. माध्यम/115186/2024 R-49793/2024 **परियोजना यंत्री**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF GOVT. OF MADHYA PRADESH)
3rd Floor, Vikash Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)

No./8134 /22/V-12/MPRRDA/Acct./CA Consultant/FY 2024-25 Bhopal, Dated : 03.07.2024

REQUEST FOR PROPOSAL

FOR APPOINTMENT OF TAX/ACCOUNTS COUNSULTANT FOR THE FINANCIAL YEAR 2024-25 ENDING 31st MARCH 2025.

The Madhya Pradesh Rural Road Development Authority, invites proposals from firms of Chartered Accountants empanelled with C&AG which meet all the conditions in the eligibility criteria listed below, for appointment as Tax/Accounts Consultant for providing consultation and other allied services for taxation, accounting and financial matters relating to MPRRDA headquarters office and its Project Implementation Units for the financial year 2024-25 as per the Terms of Reference provided in the RFP document.

Eligibility Criteria : The firm must **(a)** have 05 partners out of which 3 partner must be FCA and empanelled with C & AG for the Financial Year 2023-24 and applied for empanelment for the year 2024-25 ; **(b)** have an average turnover of Rs 50 lakh per annum as per the last 3 years Audited Balance Sheet; **(c)** have carried out at least two consultancy contracts with any Central Government/State Government/Autonomous Body/ Ministries/Departments/PSU's in the last four financial years i.e. till 31.03.2024. **(d)** The firm have at least 6 (Six) years existence as per ICAI certificate **(e)** The firm must have its Head Office/Branch office at Bhopal (MP).

In evaluation of the proposals the Quality cum Cost Based System (QCBS) shall be followed.

Detailed RFP: Detailed Request for Proposal document (RFP) comprising Background, Terms of Reference (ToR) and Guidelines for submitting the proposal **can be downloaded** from the website **http//www.mprrda.org .**

Important Dates :

i. Last date for submission of Proposals to MPRRDA 18.07.2024 up to 3.00 PM.
ii. Date of opening of technical proposals 18.07.2024 at 3.30 PM.
iii. Date of opening of financial proposals will be intimated to technically eligible CA firm separately in due course.

MPM/115208/24 **CHIEF GENERAL MANAGER (Fin.)**

R-49797/2024

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

No./8175/22/D-12/MPRRDA/2024 Bhopal, Dated : 04.07.2024

NOTICE INVITING TENDER No. 1189 (PMGSY-Road-B.W.)

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **www.pmgsytenders.gov.in** as detailed below;

- **Name of Work –** Construction/Up-gradation of Rural Roads under PMGSY including maintenance for Five year after construction

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1	Narsinghpur	2	39961088.00

1. Bid document may be purchase online from 04.07.2024 (17:30 hrs) and last date for online bid submission is 19.07.2024 (17:00 hrs.)
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER

M.P. Madhyam/115219/2024 R-49798/2024 **(TENDER)**

''मेरी सड़क'' एप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)

No./8191/22/D-12/NIT-Maint./2024 Bhopal, Dated : 04.07.2024

NOTICE INVITING TENDER No. 301/MTN/2024 (BW)

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below :

- **SSR Applicable :-** SSR issued by M.P Rural Road Development Authority effective from 05.11.2019 and amendments upto issue date of NIT.

1. Table-1 : Name of Work : Post 5 Year (BW)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Umaria	1	4955000.00
2. Table-2 : Name of Work : Post 10 Year (BW)			
S. No.	**Name of District**	**No. of Packages**	**Total PAC (in Rs.)**
1.	Bhopal	1	12214000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website **from 04.07.2024 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERALMANAGER

M.P. Madhyam/115221/2024 R-49800/2024 **(TENDER)**

''मेरी सड़क'' एप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

"मेरी सड़क" एप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER NO. 299/MTN/2024

No./8073/22/D-12/NIT-Maint./2024 Bhopal, Dated : 02.07.2024

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below :-

- **SSR Applicable :-** SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority effective from 05.11.2019 and amendments upto issue date of NIT.

1. Table No. 1 :- Name of Work – Repair/Maintenance of The Rural Roads For Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 5 Year)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Anuppur	1	3931562.00
2.	Agar Malwa	1	12531751.00
3.	Dhar	1	2150968.00
4.	Harda	1	16491313.00
5.	Narsinghpur	2	15785811.00
6.	Raisen	2	19760083.00
7.	Rajgarh	1	2867993.00
8.	Rewa	1	8273968.00
9.	Sagar	1	13717672.00
10.	Satna	1	12644825.00
11.	Singrauli	4	19265422.00
12.	Vidisha	1	11047253.00

2. Table No. 2 :- Name of Work :- Repair/Maintenance of The Rural Roads For Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 10 Year)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Narsinghpur	1	7975638.00

3. Table No. 3 :- Name of Work :- Repair/Maintenance of The Rural Roads For Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 15 Year)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Bhopal	1	9538984.00
2.	Indore	1	2909404.00
3.	Khargone	1	23486626.00
4.	Raisen	2	3314667.00

4. Table No. 4 :- Name of Work:- Repair/Maintenance of The Rural Roads For Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 5 Year) (Mtn-Md)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Bhopal	2	2366642.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **03.07.2024 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER

M.P. Madhyam/115195/2024 R-49794/2024 **(TENDER)**

"मेरी सड़क" एप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)

No./8188/22/D-12/MPRRDA/2024 Bhopal, Dated : 04.07.2024

NOTICE INVITING TENDER No. 1190 (PMGSY-Bridge-BW)

Online Tenders for Construction of Bridges with 5 years defect liability & maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.pmgsytenders.gov.in** detailed below :

- **Name of Work – Construction of Bridges under PMGSY including maintenance for Five year after construction**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Katni	1	3820000.00
2.	Khandwa	1	1057000.00

1. **Availability of Bid Documents and mode of submission:** The bid document is available online and should be submitted online in **www.pmgsytenders.gov.in**. The bidder would be required to register in the website which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities.
2. Bid document may be purchased online from **04.07.2024 (17:30 hrs.)** and last date for online bid submission is **22.07.2024 (17:00 hrs.).**
3. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and SBD for PMGSY Works (June-2020) on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER

M.P. Madhyam/115220/2024 R-49799/2024 **(TENDER)**

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

क्रमांक 4303/48/2023/चयन इंदौर, दिनांक : 27 जून, 2024

पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ/पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी परीक्षा-2003

चयन-सूची (मुख्य भाग - 87 प्रतिशत)

पदनाम - पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ/पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी

आयोग के विज्ञापन क्रमांक **02/2023 दिनांक 13.03.2023** एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि, सूचनाओं आदि के संदर्भ में विज्ञापन में वर्णित तालिका अनुसार म.प्र. शासन, पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अंतर्गत विज्ञापित पद - **पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ/पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी** के कुल 80 पद (अनारक्षित-22, अ.जा.-13, अ.ज.जा-16, अ.पि.वर्ग-21, ई.डब्ल्यू.एस.-08) इनमें से महिलाओं हेतु आरक्षित (अनारक्षित-07, अ.जा.-04, अ.ज.जा.-05, अ.पि.वर्ग-07 ई.डब्ल्यू.एस.-03) विज्ञापित किए गए हैं। उक्त पदों की पूर्ति के लिए आयोग द्वारा, **पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ/पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी परीक्षा-2023** दिनांक **10.09.2023** को आयोजित की गई। आयोग द्वारा लिखित परीक्षा परिणाम दिनांक 21.11.2023 को घोषित किया गया। उक्त परीक्षा में अर्ह अभ्यर्थियों के साक्षात्कार दिनांक 10.06.2024 से 13.06.2024 तक आयोजित किए गए हैं।

2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक दिनांक 29.09.2022 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में म.प्र. शासन, पशुपालन एवं डेयरी विभाग के पत्र क्रमांक 1/1/1/0003/2022-Sec-1-35(ANH) दिनांक 18.11.2022 में उल्लेखित रिक्ति विवरण अनुसार आयोग द्वारा उक्त विज्ञापन के बिन्दु क्रमांक एक में अंकित तालिका में विज्ञापित कुल पदों का 87 प्रतिशत मुख्य भाग एवं 13 प्रतिशत प्रावधिक भाग की रिक्तियों का पद विभाजन उक्त विज्ञापन में विज्ञापित किया गया है जिसके अनुसार, परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के रूप में घोषित किया जाना प्रावधानित किया गया है। चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत मुख्य भाग हेतु पुनरीक्षित रिक्तियों का विवरण निम्नांकित तालिका में अंकित है। उक्त विज्ञापन के बिन्दु एक में उल्लेखित पद विवरण तालिका में उल्लेखित बिन्दु के परिप्रेक्ष्य में प्रावधिक भाग का चयन परिणाम अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण के संबंध में प्रचलित न्यायालयीन प्रकरण के अंतिम न्यायिक निर्णय के पश्चात घोषित किया जाएगा।

3. राज्य शासन के उक्त पत्र दिनांक 29.09.2022 के संदर्भ में आयोग द्वारा घोषित उक्त लिखित परीक्षा परिणाम दिनांक 21.11.2023 के पैरा 04 के बिन्दु क्रमांक 02 में उल्लेखित बिन्दु के परिपालन में साक्षात्कार में सम्मिलित अभ्यर्थियों द्वारा भरे गए अभिवचन पत्र के अनुसार मुख्य भाग-87 प्रतिशत एवं प्रावधिक भाग-13 प्रतिशत में अर्ह अभ्यर्थी अपने-अपने भाग में बने रहेंगे। चयन के किसी भी स्तर पर ये एक दूसरे से अंतर परिवर्तन (इंटरचेंज) हेतु दावा नहीं कर सकेंगे।

4. अतएव, लिखित परीक्षा+साक्षात्कार में प्राप्त प्राप्तांकों के योग के गुणानुक्रम के आधार पर निम्नानुसार केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) की चयन सूची घोषित की जाती है :–

1. पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ

पद विवरण तालिका (मुख्य भाग - 87 प्रतिशत)

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	22	13	16	11	8	70
इनमें से महिलाओं के लिए आरक्षित पद	7	4	5	4	3	

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	Seat	श्रेणी
1	100176	RAGINI MISHRA	F	UNRF	UNR
2	100563	MANGAL KUMAR RATHORE	M	UNR	OBC
3	100851	MAYANK SINGH BAGHEL	M	UNR	EWS
4	100556	SALIL KUMAR PATHAK	M	UNR	UNR
5	100074	KUNWAR DEEP SINGH	M	UNR	OBC
6	100543	OJAL SINGH	F	EWSF	EWS
7	100309	RAHUL KUMAR	M	UNR	OBC
8	100754	RAHUL YADAV	M	UNR	OBC
9	100855	PRAKASH PATIDAR	M	UNR	OBC
10	100119	ROHIT SHARMA	M	UNR	EWS
11	100479	VIKAS KUMAR SINGH	M	UNR	EWS
12	100518	VEENESH RAJPOOT	M	UNR	OBC
13	100051	RAKESH DANGI	M	UNR	OBC
14	100650	SHIVAM SINGH MEHROTRA	M	UNR	SC
15	100447	VIKAS BHARGAV	M	UNR	UNR
16	100743	ASHMITA TIWARI	F	UNRF	EWS
17	100132	SHWETA SINGH CHAUHAN	F	UNRF	UNR
18	100620	TRAPTI PUNWANI	F	UNRF	EWS
19	100726	PRAVEEN DODWA	M	ST	ST
20	100015	NEHA SISODIA	F	UNRF	UNR
21	100270	YOGENDRA SINGH	M	UNR	EWS
22	100614	ANAMIKA PANDEY	F	UNRE	EWS
23	100833	SHRIKANT PATEL	M	UNR	OBC
24	100569	AKASH SUMAN	M	SC	SC
25	100452	SHAHBAZ HAROON KHAN	M	OBC	OBC
26	100707	SHILPA PATEL	F	UNRF	OBC
27	100055	NITIN VAISHNAV	M	OBC	OBC
28	100321	DEEPAK MEHRA	M	OBC	OBC
29	100536	ANKITA MISHRA	F	EWSF	EWS
30	100239	LALIT PATEL	M	OBC	OBC
31	100736	BHUPENDRA VYAS	M	EWS	EWS
32	100066	ROHIT KUMAR YADAV	M	OBC	OBC
33	100483	RISHABH MOURYA	M	OBC	OBC
34	100642	SACHIN SANKHLA	M	OBC	OBC
35	100314	NIDHI SIKARWAR	F	EWSF	EWS
36	100093	KUSHBOO YADAV	F	OBCF	OBC
37	100179	SHIMALA RAJPUT	F	OBCF	OBC
38	100199	PRIYANSH WASNIK	M	SC	SC
39	100637	TRIPTI LODHI	F	OBCF	OBC
40	100233	POOJA SOLANKI	F	STF	ST
41	100534	VASUNDHARA AJNAR	F	STF	ST
42	100158	SHRIKANT SHARMA	M	EWS	EWS
43	100120	VIKAS DEHARIYA	M	SC	SC
44	100442	NITESH SURYAVANSHI	M	SC	SC
45	100823	MAHENDRA PRIYA	M	SC	SC
46	100458	RANJEET SINGH	M	EWS	EWS
47	100611	JITENDRA SHARMA	M	EWS	EWS
48	100510	ANUJ CHOUDHARY	M	EWS	EWS
49	100360	SHIVRAJ CHOUHAN	M	ST	ST
50	100633	JEEVAN NATH	M	SC	SC
51	100448	SHANU DEVI SINGOUR	F	OBCF	OBC
52	100870	KAPIL KUMAR	M	SC	SC
53	100711	ANJANA CHAUDHARY	F	SCF	SC
54	100565	JITENDRA KEMADIYA	M	SC	SC
55	100126	VIKAS SAGAR	M	SC	SC
56	100675	SARITA KAUSHAL	F	SCF	SC
57	100361	REKHA MAIDA	F	STF	ST
58	100080	VIJAY CHOUHAN	M	ST	ST
59	100715	KRISHNA KANT CHOUHAN	M	ST	ST
60	100576	DISHU SINGH SEVAR	F	SCF	SC
61	100057	GANESH	M	ST	ST
62	100043	PRIYANKA DUDWE	F	STF	ST
63	100191	ADITI MALVIYA	F	SCF	SC
64	100782	ABHISHEK DHURVE	M	ST	ST
65	100572	PRIYANKA PARTE	F	STF	ST
66	100846	KANCHAN CHOUHAN	F	ST	ST
67	100728	AARTI EVNEY	F	ST	ST
68	100333	SHIVANI RAWAT	F	ST	ST
69	100049	ANJU ACHALE	F	ST	ST
70	100422	SUCHITA SAKLE	F	ST	ST

अनुपूरक

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	श्रेणी
1	100005	MRINAL SINGH	F	UNR
2	100635	JASKIRAN KAUR	F	UNR
3	100161	PRIYANSHI MISHRA	F	UNR
4	100078	RAHUL KUMAR DANGI	M	OBC
5	100166	AMIT	M	UNR
6	100722	SHIVA PATHAK	F	UNR
7	100507	BHUPENDRA PANCHAL	M	OBC
8	100146	ABHISHEK JANGIR	M	OBC
9	100279	DEEPIKA JAIN	F	EWS
10	100011	ASHUTOSH MISHRA	M	EWS
11	100623	MADHURI JOSHI	F	EWS
12	100390	SUPNESH JAIN	M	EWS
13	100336	MEGHA GAUR	F	OBC
14	100604	MAHIMA SHIVHARE	F	OBC
15	100655	AKASH SENGAR	M	SC
16	100205	SIDDHARTH CHAURE	M	SC
17	100559	PRIYA KOCHALE	F	SC
18	100659	RAJSHREE DHOULPURI	F	SC
19	200157	RITIKA AMLIYAR	F	ST
20	100692	PRATIBHA KANESH	F	ST
21	100210	GAURAV GANAWA	M	ST
22	100301	POOJA DAWAR	F	ST
23	100598	NEHA AHAKE	F	ST

टीप :–

1. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ-7-46/99/आ.प्र./एक भोपाल दिनांक 07 नवम्बर, 2000 में दिए निर्देशों के तहत अनारक्षित (ओपन) पदों पर चयन हेतु निर्धारित मापदंड के तहत आरक्षित वर्ग के वे ही आवेदक ऐसे ओपन पदों पर चयनित किए गए हैं जो कि हर प्रकार से सामान्य वर्ग के उम्मीदवार के समान ही बिना किसी रियायत के योग्यता प्राप्त किए हों। किसी प्रकार की रियायत को प्राप्त किए बिना तथा मेरिट में आने पर ही आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों का चयन मेरिट गुणानुक्रम के आधार पर अनारक्षित पदों पर किया जाना प्रावधानित है।
2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी/3-2/97/3/एक भोपाल, दिनांक 10.02.1997 की कंडिका 05 के परिपालन में घोषित की गई चयन सूची में पर्याप्त संख्या में महिला अभ्यर्थी अनुपलब्ध होने की दशा में महिलाओं हेतु आरक्षित पदों को संबंधित प्रवर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों से भरे जाने का प्रावधान प्रावधानित है।
3. घोषित चयन परिणाम माननीय उच्चतम न्यायालय में दायर याचिका क्रमांक एस.एल.पी. 12398/2023, मा. उच्च न्यायालय में लंबित याचिका क्रमांक डब्ल्यू.पी. 5901/2019, याचिका क्रमांक 25181/2019 एवं अन्य समान याचिकाओं के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा। इसी प्रकार ई.डब्ल्यू.एस. वर्ग के अभ्यर्थियों के चयन को अभ्यर्थिता विज्ञापन के परिशिष्ट-एक में वर्णित कंडिका तीन में उल्लेखित याचिका क्रमांक 2108/2022 के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगी।
4. चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

सचिव

जी-12627/49776/2024 **म.प्र. लोक सेवा आयोग, इंदौर**

संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क भोपाल

(म.प्र. शासन का उत्कृष्ट संस्थान)

सत्र 2024 के CLC राउण्ड में प्रवेश

एसएसआर ग्लोबल स्किल्स पार्क भोपाल में संचालित 4 एक वर्षीय पाठ्यक्रम **(1) एडवांस आटोमोटिव टेक्नोलॉजी (2) एडवांस मेकाट्रॉनिक्स (3) एडवांस मैकेनिकल टेक्नोलॉजी (4) एडवांस मैकेनिकल एंड इलेक्ट्रिकल सर्विसेस** की शेष रिक्त सीटों की प्रवेश प्रक्रिया CLC राउण्ड **''पहले आओ पहले पाओ''** के आधार पर प्रारंभ है। इच्छुक आवेदक **https://admission.globalskillspart.in** पर दिनांक 1 जुलाई से 6 जुलाई 2024 के मध्य आवेदन कर, **दिनांक 7 जुलाई से 11 जुलाई तक** संस्था में मूल दस्तावेज और 1 सेट फोटोकॉपी के साथ अनिवार्यतः उपस्थित हों। किसी भी तिथि/स्टेज पर रिक्त सीटें समाप्त होने पर प्रवेश कार्यवाही समाप्त हो जायेगी।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
एसएसआर ग्लोबल स्किल्स पार्क भोपाल (म.प्र.)

Admission.gsp@mp.gov.in, 9713992665 I 9893346258, पता :– संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क हजरत निजामुद्दीन कॉलोनी रोड भोपाल मध्यप्रदेश

संस्था के बारे में अधिक जानकारी जानने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

Website :- www.globalskillspart.in

ब्रोशर डाउनलोड करने के लिए 9981919733 What's app पर Hi टाइप करें।

तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोज़गार विभाग । मध्यप्रदेश

जी-12625/49779/2024

कार्यालय मुख्य अभियंता (बोधी)
जल संसाधन विभाग स्वारा भवन, लिंक रोड नं.-3
कोलार रेस्ट हाउस के पीछे, भोपाल

दूरभाष क्रमांक - 2424038, ई-मेल : cebodhimpwrd@gmail.com

विज्ञप्ति

विशेष भर्ती अभियान के तहत सहायक वर्ग-3 (दिव्यांगजन) की भर्ती हेतु विज्ञापन संशोधन क्रमांक-1

इस कार्यालय द्वारा दिनांक 14.06.2024 को विशेष भर्ती अभियान के अंतर्गत दिव्यांगजन श्रेणी के सहायक वर्ग-3 के रिक्त पदों के लिये जारी विज्ञापन में आवेदन जमा करने एवं वॉक-इन-इंटरव्यू की निर्धारित दिनांक में निम्नानुसार परिवर्तन किया गया है।

स.क्र.	विज्ञप्ति पदनाम	फार्म जमा करने की परिवर्तित दिनांक	वॉक-इन-इंटरव्यू की परिवर्तित दिनांक
1.	सहायक वर्ग-3	22.07.2024	05.08.2024

शेष शर्तें यथावत रहेंगी।

मुख्य अभियंता बोधी
जी-12673/49781/2024 **जल संसाधन विभाग, भोपाल**

कार्यालय शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर
नवीन विधि महाविद्यालय के सामने दे.अ.वि.वि. परिसर खंडवा रोड
भंवर कुआं, इंदौर

दूरभाष नं. : 0731-2920465, (E-Mail - gpetcindore2014@gmail.com)

क्रमांक/पीईटीसी/2024/233 **इंदौर, दिनांक : 24.06.2024**

म.प्र. लोक सेवा आयोग 2024 की मुख्य परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिये निःशुल्क ऑफलाइन प्रशिक्षण हेतु विज्ञापन

शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर, म.प्र. लोक सेवा आयोग **2024 की मुख्य परीक्षा के निःशुल्क परीक्षा प्रशिक्षण/टेस्ट सीरीज हेतु** अनुसूचित जाति एवं जनजाति के अभ्यर्थियों के आवेदन आमंत्रित करता है। वे अभ्यर्थी जिन्हें 2024 की प्रारंभिक परीक्षा के संभावित उत्तीर्णांक प्राप्त करने की संभावना है, वे शपथ पत्र के साथ कार्यालयीन समय में दि. 12 जुलाई 2024 तक अपने आवेदन जमा कर सकते हैं। प्रशिक्षण 18 जुलाई 2024 से प्रारंभ होगा।

प्रशिक्षण हेतु प्रवेश की अन्य आवश्यक शर्तें

1. आवेदक के परिवार की समस्त स्रोतों से वार्षिक आय 6.00 लाख रु. या इससे कम हो।
2. म.प्र. लो.से. आयोग मुख्य परीक्षा 2024 हेतु केवल वे ही अभ्यर्थी आवेदन करें, जिन्हें 2024 की प्रारंभिक परीक्षा में अपेक्षित उत्तीर्णांक प्राप्त होने की संभावना है। शपथ पत्र लगाना होगा।
3. प्रशिक्षण का माध्यम हिन्दी होगा।
4. आवेदन करने की **अंतिम तिथि 12 जुलाई** होगी।
5. प्रशिक्षण में अभ्यर्थियों को निःशुल्क ऑफलाइन प्रशिक्षण दिया जावेगा। आवास सहायता का लाभ नहीं दिया जावेगा।

पात्र एवं इच्छुक उम्मीदवार जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र सहित निर्धारित प्रपत्रों में आवश्यक दस्तावेजों सहित व्यक्तिगत रूप से जमा करना सुनिश्चित करें। अधिक जानकारी के लिये शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर के दूरभाष क्रमांक 0731-2920465 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

प्राचार्य
शा. परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर, दूरभाष नं. - 0731-2920465

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति
कार्यालय शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, इंदौर
शा. नवीन विधि महाविद्यालय, के सामने दे.अ.वि.वि. परिसर खंडवा रोड भंवर कुंआ, इंदौर

दूरभाष नंबर - 0731-2920465

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग मुख्य परीक्षा 2024 की तैयारी हेतु प्रशिक्षण/टेस्ट सीरीज

प्रशिक्षण प्रारंभ दिनांक - 18 जुलाई 2024

स्वयं द्वारा हस्ताक्षरित रंगीन फोटो

1. पूरा नाम (1) हिन्दी में :– .....
   (2) अंग्रेजी में :– .....
2. पिताजी का नाम :– .....
3. माता का नाम :– .....
4. जन्म दिनांक :– .....
5. पत्र व्यवहार का पता पिन कोड सहित :– ग्राम.....तहसील.....
   जिला.....पिनकोड.....
6. स्थायी पता पिन कोड सहित :– ग्राम.....तहसील.....
   जिला.....पिनकोड.....
7. जाति :– .....
8. उपजाति :– .....
9. परिवार के मुखिया का व्यवसाय :– .....
10. मुखिया की वार्षिक आय :– .....
11. स्वयं का मोबाइल नंबर :– .....
12. पिता का मो.नं. :– .....
13. स्वयं का व्यवसाय/सर्विस यदि हो तो :– .....
14. स्वयं की वार्षिक आय :– .....
15. प्री 2024 का रोल नंबर :– .....
16. मुख्य परीक्षा 2024 को रोल नंबर :– .....
17. भाई-बहन सर्विस/व्यवसाय में हो तो पद व आय सहित उनका विवरण देवें :– .....

जी-12576/49777/2024

SUBHASH YADAV MEMORIAL DEGREE MAHAVIDYALAYA

(Run By Gulab Bai Yadav Smriti Trust Borawan)
Approved By M.P. Higher Education Bhopal, Affiliated to DAVV, Indore (M.P.)

- Principal
- Professor/Associate Professor (Management/Commerce/Maths/Chemistry/Botany/Zoology) :- 01
- Assistant Professor:
  - ✓ Hindi-01, English-01, Economics-01,
  - ✓ Chemistry-02, Mathematics-01, Physics-02, Zoology-01, Botany-01
  - ✓ Computer Science-02, Commerce-02,
  - ✓ Bio technology-01, B.B.A.(Management)-03, Seed Technology with Horticulture-01

Pay Scale :- As per UGC Norms and Accommodation free for outstation candidate

Qualification for all above shall be strictly as UGC and M.P. Higher Education Norms under college code-28. Apply within 07 days through Email :- **gbyssm.job@gmail.com** or by post Director, Subhash Yadav Memorial Degree Mahavidyalaya, Borawan Teh.- Kasrawad, Distt.-Khargone (M.P.) 451228 Through speed post.

Director **Secretary**
Prof. Surendra Kumar Tiwari
Mob-9424056999 R-49788/2024

कार्यालय शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर
नवीन विधि महाविद्यालय के सामने दे.अ.वि.वि. परिसर खंडवा रोड
भंवर कुआं, इंदौर

दूरभाष नं. 0731-2920465 (E-Mail - gpetcindore2014@gmail.com)

क्रमांक/पीईटीसी/2024/234 **इंदौर, दिनांक : 24.06.2024**

म.प्र. लोक सेवा आयोग 2022 की साक्षात्कार परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिये निःशुल्क ऑफलाइन प्रशिक्षण हेतु विज्ञापन

शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर, म.प्र. लोक सेवा आयोग **2022 के निःशुल्क मॉक इंटरव्यू के लिये** संपूर्ण म.प्र. के अनुसूचित जाति एवं जनजाति के पात्र अभ्यर्थी, जिन्होंने 2022 की मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है, के आवेदन पत्र आमंत्रित करता है। प्रशिक्षण प्रारंभ होने की **संभावित तिथि म.प्र. लोक सेवा आयोग द्वारा इंटरव्यू की तिथि की घोषणा के 10 दिनों के भीतर की रहेगी।** अभ्यर्थी कार्यालयीन समय में दि. 01 जुलाई 2024 से अपने आवेदन जमा कर सकते हैं।

प्रशिक्षण हेतु प्रवेश की अन्य आवश्यक शर्तें

1. आवेदक के परिवार की समस्त स्रोतों से वार्षिक आय 6.00 लाख रु. या इससे कम हो।
2. साक्षात्कार प्रशिक्षण के प्रवेश हेतु केवल वे ही अभ्यर्थी आवेदन करें, जिन्होंने 2022 की मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण की हो।
3. साक्षात्कार के सभी अभ्यर्थी निर्धारित प्रपत्र अनुसार सभी प्रमाण-पत्र संलग्न करेंगे।
4. प्रशिक्षण का माध्यम हिन्दी होगा।
5. प्रशिक्षण में अभ्यर्थियों को निःशुल्क ऑफलाइन प्रशिक्षण दिया जावेगा। आवास सहायता का लाभ नहीं दिया जावेगा।

पात्र एवं इच्छुक उम्मीदवार जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र सहित निर्धारित प्रपत्रों में आवश्यक दस्तावेजों सहित व्यक्तिगत रूप से जमा करना सुनिश्चित करें। अधिक जानकारी के लिये शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर के दूरभाष क्रमांक 0731-2920465 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

प्राचार्य
शा. परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर, दूरभाष नं. - 0731-2920465

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति
शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, इंदौर
शा. नवीन विधि महाविद्यालय, के सामने दे.अ.वि.वि. परिसर खंडवा रोड भंवर कुंआ, इंदौर

दूरभाष नंबर - 0731-2920465

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की 2022 के मॉक इंटरव्यू हेतु आवेदन पत्र

प्रशिक्षण प्रारंभ दिनांक -
आवेदन जमा की अंतिम तिथि -
समय - दोपहर 12.00 बजे से

स्वयं द्वारा हस्ताक्षरित रंगीन फोटो

1. पूरा नाम (1) हिन्दी में :– .....
   (2) अंग्रेजी में :– .....
2. पिताजी का नाम :– .....
3. माता का नाम :– .....
4. जन्म दिनांक :– .....
5. पत्र व्यवहार का पता पिन कोड सहित :– .....
6. स्थायी पता पिन कोड सहित :– .....
7. जाति एवं उपजाति :– .....
8. परिवार के मुखिया का व्यवसाय :– .....
9. मुखिया की वार्षिक आय :– .....
10. स्वयं का मोबाइल नंबर :– .....
11. पिता का मो.नं. :– .....
12. स्वयं का व्यवसाय/सर्विस यदि हो तो :– .....
13. स्वयं की वार्षिक आय :– .....
14. भाई-बहन सर्विस/व्यवसाय में हो तो पद व आय सहित उनका विवरण देवें :– .....

जी-12596/49778/2024

कार्यालय आयुक्त, अनुसूचित जाति विकास, मध्यप्रदेश
35-राजीव गांधी भवन, श्यामला हिल्स, भोपाल

ई-मेल : cscd.bhopal@mp.gov.in/jd.scdhobpl@mp.gov.in

अनुसूचित जाति कल्याण विभाग अंतर्गत मध्यप्रदेश के अनुसूचित जाति वर्ग के अभ्यर्थियों को विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत वर्ष 2024-25 में निम्न उपाधियों हेतु छात्रवृत्ति देने के लिये आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं :–

(1) **उपाधि एवं पात्रता की शर्तें :–**

उपाधि	पात्रता हेतु अर्हता
अ. शोध उपाधि (पी.एच.डी. हेतु)	आवेदक संबंधित स्नातकोत्तर में परीक्षा प्रथम श्रेणी अथवा 60 प्रतिशत अंक के साथ या उसके समतुल्य (श्रेणी) में उत्तीर्ण तथा संबंधित क्षेत्र में दो वर्ष का अध्यापन/शोध/व्यावसायिक अनुभव/एम.फिल. उपाधि प्राप्त हो।
ब. स्नातकोत्तर	आवेदक स्नातक उपाधि में प्रथम श्रेणी अथवा न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ या उसके समतुल्य (श्रेणी) में उत्तीर्ण हो।

छात्रवृत्ति केवल स्नातकोत्तर तथा शोध उपाधि (पी.एच.डी.) की उपाधियों के लिये निम्न विषयों/पाठ्यक्रमों के लिये प्रदान की जावेगी :–

1. इंजीनियरिंग
2. प्योर साइंसेस एवं एप्लाईड साइंसेस
3. एग्रीकल्चर साइंसेस
4. मेडिकल
5. मैनेजमेंट
6. इंटरनेशनल कॉमर्स एवं एकाउंटिंग फायनांस
7. फोरेस्ट्री एवं नेचुरल साइंसेस
8. विधि (लॉ)
9. मानविकी

(2) इस छात्रवृत्ति योजनांतर्गत अधिकतम 50 अभ्यर्थियों का चयन किया जा सकेगा।

(3) चयनित अभ्यर्थियों को विदेश में स्थित संस्थान/यूनिवर्सिटी जिसकी Times/QS World Ranking 500 अथवा उससे कम हो में ही प्रवेश लेना अनिवार्य होगा।

(4) **आयु :–** आवेदक की आयु आवेदन दिये जाने वाले वर्ष की **1 जनवरी 2024 को 35 वर्ष से कम** हो। विशेष प्रकरणों में समिति द्वारा आयु 10 वर्ष तक शिथिल की जा सकेगी।

(5) **आय सीमा :–** आवेदक की समस्त स्रोतों से कुल वार्षिक आय (माता-पिता तथा अभ्यर्थी स्वयं की पत्नी/पति सहित) राशि रुपये 8.00 लाख से अधिक नहीं होनी चाहिये। अभ्यर्थियों के चयन में न्यूनतम आय वाले अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जावेगी। इस संबंध में नियोक्ता का प्रमाण पत्र/तहसीलदार द्वारा जारी आय प्रमाण पत्र एवं अद्यतन आयकर निर्धारण की प्रतिलिपि आवेदन के साथ संलग्न करें।

(6) उन्हीं माता-पिता अथवा अभिभावक के एक से अधिक बच्चों को छात्रवृत्ति की पात्रता नहीं होगी। एक अभ्यर्थी को छात्रवृत्ति की पात्रता एक ही बार होगी।

(7) आवेदन पत्र के साथ सक्षम अधिकारी द्वारा जारी जाति प्रमाण पत्र एवं मूल निवासी का प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा।

(8) **छात्रवृत्ति की अवधि :–**

1.	पी.एच.डी.	2 वर्ष
2.	स्नातकोत्तर उपाधि	2 वर्ष

(9) इसके अतिरिक्त शासकीय गजट में प्रसारित विदेश में उच्च शिक्षा हेतु नियम दिनांक 15.8.03 एवं समय-समय पर किये गये संशोधन की सभी शर्तें अभ्यर्थी को पूर्ण करनी होंगी।

(10) शासकीय अथवा शासन के उपक्रमों में सेवारत अभ्यर्थी अपने आवेदन पत्र की अग्रिम प्रति प्रस्तुत कर सकेंगे परंतु उन्हें आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि से एक माह के अंदर नियोक्ता के अनापत्ति प्रमाण पत्र के साथ, नियोक्ता के माध्यम से भी आवेदन पत्र प्रस्तुत करना होगा। निर्धारित अवधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा।

(11) जिन विषयों पर जिस विदेशी संस्थान में अध्ययन/शोध करना है उसके संबंध में आवेदन पत्र में एवं पात्र पाये जाने पर साक्षात्कार के समय स्पष्ट जानकारी उपलब्ध करावें।

(12) जिन अभ्यर्थियों का चयन योजनांतर्गत हो चुका है वे आवेदन न करें।

(13) आवेदन पत्र का प्रारूप विभागीय वेबसाइट **scdevelopmentmp.nic.in** पर जाकर डाउनलोड किया जा सकता है।

(14) आवेदन करने की **अंतिम तिथि दिनांक 19 जुलाई 2024, सायं 06.00 बजे** तक होगी।

(15) आवेदन पत्र पूर्ण कर अभिलेखों के साथ कार्यालयीन समय में स्वतः/रजिस्टर्ड डाक से निम्न पते पर भेजें :–
कार्यालय आयुक्त, अनुसूचित/जाति विकास, 35, राजीव गांधी भवन, श्यामला हिल्स, भोपाल-462002

अपर आयुक्त
जी-12820/49784/2024 **अनुसूचित जाति विकास, मध्यप्रदेश**

कार्यालय प्राचार्य, परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र (अनु.जा.)
35, श्यामला हिल्स, भोपाल

EMAIL ID-petcsc.bpl@gmail.com, दूरभाष क्रमांक 0755-2666615

पत्र क्र./प्रशि/36/2024/113 **भोपाल, दिनांक : 2.7.2024**

अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों के लिए
नि:शुल्क प्रशिक्षण हेतु विज्ञापन

एस.एस.सी. रेलवे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र 35, श्यामला हिल्स भोपाल में अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों को नि:शुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अभ्यर्थियों से निम्नलिखित शर्तों के साथ आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं :–

1. आवेदक म.प्र. राज्य की अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग का सदस्य हो।
2. आवेदक के परिवार की समस्त स्रोतों से वार्षिक आय रुपये 6.00 लाख से अधिक न हो।
3. आवेदक ने स्नातक परीक्षा न्यूनतम 55% या अधिक अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो।
4. केन्द्र में प्रवेश हेतु न्यूनतम आयु सीमा 21 वर्ष व अधिकतम आयु सीमा 35 वर्ष है।
5. प्रशिक्षण प्रारंभ की संभावित तिथि **01 अगस्त 2024** है।
6. प्रशिक्षण पूर्णकालिक है अतः प्रशिक्षणार्थी को किसी भी महाविद्यालय/पाठ्यक्रम में नियमित अध्ययनरत नहीं होना चाहिए। प्रवेश के समय टी.सी. जमा करना अनिवार्य होगा।
7. प्रशिक्षण अवधि में प्रशिक्षणार्थियों को नियमानुसार शिष्यवृत्ति/छात्रवृत्ति व आवास सहायता प्रदान की जाती है।
8. प्रशिक्षण का माध्यम हिन्दी होगा।
9. प्रशिक्षण की कुल अवधि 06 माह होगी।
10. आवेदक ने अनुसूचित जाति विकास के अंतर्गत संचालित किसी भी परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र में पूर्व में प्रशिक्षण प्राप्त न किया होगा।

उपरोक्तानुसार पात्र एवं इच्छुक उम्मीदवार अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति का प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र दो पासपोर्ट साइज फोटो एवं अन्य आवश्यक शैक्षणिक अभिलेखों की छायाप्रतियां के साथ **दिनांक 25 जुलाई 2024 तक** संस्थान के **Email : petcsc.bpl@gmail.com** अथवा डाक से या व्यक्तिगत रूप से परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र भोपाल में सम्पर्क कर सकते हैं, अधिक जानकारी के लिये परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र भोपाल के दूरभाष क्रमांक 0755-2666615 पर सम्पर्क कर सकते हैं। अंतिम तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

प्राचार्य
जी-12871/49787/2024 **परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र श्यामला हिल्स, भोपाल**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड शाजापुर
ओल्ड कलेक्टर रोड कमला भवन, जिला शाजापुर

दूरभाष कार्या. (07364) 292065, मो.नं. 9165607999, ईमेल - eephedshj@mp.nic.in

निविदा विज्ञप्ति क्रमांक 6 to 7/2024-25/लेखा/कार्य./लोस्वायां./2023 **शाजापुर, दिनांक : 26.06.2024**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा टेण्डर फार्म ''सी'' पर आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **http://mptenders.gov.in/nicgep/app** पर देखा जा सकता है।

ऑनलाइन निविदा क्रमांक	निविदा विज्ञप्ति क्रमांक	अनुमानित लागत रु. लाखों में	अमानत राशि रु. में	निविदा प्रपत्र का मूल्य
जिला प्रयोगशाला शाजापुर में आवश्यक केमीकल्स एवं एक्यूपमेन्ट सामग्री का प्रदाय।				
353602	6	3.09	6180.00	2000.00
353603	7	2.78	5560.00	2000.00
		5.87 (शब्दों में रु. पांच लाख सत्यासी हजार केवल)	**11740.00 (शब्दों में ग्यारह हजार सात सौ चालीस केवल)**	**4000.00 (शब्दों में रु. चार हजार)**

उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान कर निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) क्रय किये जा सकते हैं। ऑनलाइन क्रय करने की **अंतिम तिथि 10.07.2024 सायं 5.30 बजे तक** निर्धारित है। विस्तृत विवरण निविदा सूचना एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है। यदि निविदा में आगे कोई संशोधन किया जाता है तो वह विभाग की वेबसाइट पर देखा जा सकता है, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
जी-12655/49780/2024 **लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग खण्ड शाजापुर**

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल

ईमेल - ceproc.encwrd.bpl@nic.in, फोन - 0755-2767635, फैक्स - 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 1071/2024-25/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ **भोपाल, दिनांक : 26.06.2024**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 15.07.2024 को 17.30 बजे तक** क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स.क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2024_WRD_349136	कान्याखेड़ी मध्यम सिंचाई परियोजना अंतर्गत डूब प्रभावित ग्राम केशोपुर के पुनर्वास हेतु मूलभूत सुविधाओं के निर्माण कार्य।	सीहोर	793.84
2.	2024_WRD_349138	छिंदवाड़ा एवं चौरई के अंतर्गत आदर्शग्राम धनौरा, बारहबरियारी, तुमडा, मोआर, केवलारीसभा, जमुनिया एवं मोहगांव अंतर्गत बिल्डिंग का निर्माण कार्य।	छिंदवाड़ा	409.50

जी-12707/49782/2024 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

कार्यालय मुख्य अभियंता (भवन)
लोक निर्माण विभाग ओल्ड पलासिया इंदौर (म.प्र.)

ई-मेल : apdpiuindore@gmail.com, फैक्स : 0731-4989768

क्र.एफ-3/सामान्य/नि.प्र. अनुमोदन/मु.अ. (भवन)/2024/एनआईटी-03/1606 **इंदौर, दिनांक : 02.07.2024**

विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 03/2024

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग, परिक्षेत्र इंदौर के अंतर्गत निम्नांकित निर्माण कार्यों हेतु केन्द्रीयकृत ई-पंजीयन व्यवस्था अंतर्गत सिविल श्रेणी में पंजीयन ठेकेदार से लोक निर्माण विभाग, म.प्र. द्वारा दिनांक 01.01.2024 से प्रभावशील एस.ओ.आर. एवं निविदा सूचना प्रकाशन तिथि संशोधित, निर्धारित तिथि (Key-Date) अनुसार के आधार पर ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। आमंत्रित निविदा शासन के पोर्टल http://mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है, जिसका विवरण निम्नानुसार है -

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. तहसील न्यायालय सनावद जिला मण्डलेश्वर में निर्मित मीडिएशन सेंटर भवन में पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
2024_PWPIU_354632_1	खरगोन	23.55	50,000	5,000	6
क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. विभिन्न विभागों के जिला बड़वानी में डीपीआर कंसल्टेंट का कार्य।					
2024_PWPIU_354264_1	बड़वानी	100.00	1,00,000	10,000	24
क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. 50 सीटर उत्कृष्ट बालक छात्रावास पाटी जिला बड़वानी का निर्माण कार्य।					
2024_PWPIU_354234_1	बड़वानी	314.55	3,14,550	15,000	14
क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. 50 सीटर आदिवासी सीनियर बालक छात्रावास राखी बुजुर्ग एवं जूनियर आदिवासी बालक छात्रावास राखी बुजुर्ग का निर्माण कार्य।					
2024_PWPIU_354258_1	बड़वानी	637.20	6,37,200	20,000	15

निविदा संबंधित तिथियां (key-Date) :–

1. प्रपत्र क्रय करने की प्रारंभिक तिथि - 01.07.2024
2. बिड प्रस्तुत करने की प्रारंभिक तिथि - 02.07.2024
3. बिड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - **16.07.2024**
4. बिड खोलने की तिथि - 08.07.2024

जी-12847/49785/2024 **मुख्य अभियंता (भवन), लो.नि.वि. परिक्षेत्र इंदौर**

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

क्रमांक/कार्मिक/2024/484 **रीवा, दिनांक : 3.7.2024**

विज्ञापन
विशेष भर्ती अभियान अंतर्गत दिव्यांगजनों के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु वॉक-इन-इन्टरव्यू

दिव्यांगजनों के विशेष भर्ती अभियान के अंतर्गत अशैक्षणिक तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु **13 जुलाई 2024 तक** आवेदन पत्र स्पीड पोस्ट अथवा व्यक्तिगत रूप से कार्यालय में जमा किये जा सकेंगे। रिक्त पदों का विवरण निम्नानुसार है -

वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी - 01 पद **सहायक ग्रेड-3** - 05 पद **चौकीदार** - 02 पद
भृत्य - 03 पद **स्वीपर** - 01 पद

विज्ञापन के संबंध में विस्तृत विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर **www.apsurewa.ac.in** पर देखा जा सकता है।

R-49789/2024 **कुलसचिव**

परिवहन क्षेत्र में चेक पोस्ट संबंधी नई व्यवस्था सुशासन का महत्वपूर्ण कदम

भोपाल, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सुशासन के अंतर्गत देश में अनेक कार्य किए जा रहे हैं। इसी तारतम्य में मध्यप्रदेश के परिवहन क्षेत्र में कुछ बदलाव किए गए हैं। प्रदेश में चेक पोस्ट संबंधी नई व्यवस्था शीघ्र लागू की जा रही है। एक जुलाई से परिवहन चेक पोस्ट जो अन्य प्रांतों की सीमा पर वाहनों के आवागमन के संबंध में भूमिका अदा करती है वहां संबंधित जिला प्रशासन के साथ तालमेल कर वर्तमान में हो रही अव्यवस्थाओं को दूर करने और पारदर्शी व्यवस्था लागू करने का कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंस से प्रदेश के प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को निर्देश देते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश सुशासन के लिए जाना जाता है। परिवहन व्यवस्था के संबंध में शिकायतें प्राप्त होने पर राज्य शासन द्वारा सख्त कार्रवाई की जाएगी। नई व्यवस्था से भारी वाहनों के संचालकों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी। शिकायतों को दूर कर साफ-सुथरे ढंग से परिवहन विभाग के मूल कार्य को बेहतर ढंग से संचालित करने के प्रबंध किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवहन विभाग को नई व्यवस्था में आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाए। प्रदेश में अब सीमावर्ती जिलों में नई व्यवस्था में उड़नदस्ते कार्य करेंगे। बाहरी वाहनों के संचालकों को कोई समस्या नहीं आएगी। नई पारदर्शी व्यवस्था सभी के लिए उपयोगी सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि परिवहन विभाग द्वारा महाविद्यालयों में विद्यार्थियों के ड्राइविंग लाइसेंस तैयार करने के लिए शिविर लगाए जाएं। यात्री बसों के संचालन में निर्धारित स्थान से बस चलाने के नियम का पालन किया जाए। समय सारणी का पालन किया जाए। स्कूल की बसों की चेकिंग भी की जाए। ग्रामीण परिवहन सेवा

गुजरात पैटर्न की विशेषताएं और मध्यप्रदेश में इसकी शुरुआत

- परिवहन विभाग के राजस्व संग्रहण में वृद्धि और व्यवस्थित कार्य प्रणाली लागू करने की पहल करते हुए प्रदेश में आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। शिकायतों को समाप्त किया जा सकेगा। वाहन चालकों और संचालकों की दिक्कतें दूर होंगी। प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के अंतर्गत अहम निर्णय किया गया है।
- परिवहन क्षेत्र में चेक पोस्ट के स्थान पर चेक पॉइंट रहेंगे। अन्य राज्यों से लगे जिलों में मोबाइल उड़नदस्ते कार्य करेंगे। कुल 45 चेक पॉइंट रहेंगे।
- प्रदेश में 211 होमगार्ड के लिए आवश्यक व्यवस्था हुई है जो सेवाएं देंगे। उन्हें नई परिवहन व्यवस्था के अंतर्गत आवंटित जिलों में पदस्थ किया गया है। होमगार्ड जवान क्रमश: अपनी ड्यूटी करेंगे।
- प्रदेश में गुजरात राज्य में लागू पैटर्न के अनुसार कार्य किया जाएगा।
- परिवहन नाकों के स्थान पर मोबाइल टीम कार्य करेगी। चेक पॉइंट पर पदस्थ अमला समयावधि में बदलेगा।
- प्रदेश के 26 जिलों में विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं, ऐसे जिले चयनित किए गए हैं जो सीमावर्ती हैं।

पानी की एक-एक बूंद का उपयोग कर दोनों राज्य लिखेंगे विकास की इबारत

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने अंतर्राज्यीय नदी लिंक परियोजना का शुभारंभ किया

भोपाल, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की भावना के अनुरूप चंबल-पार्वती-कालीसिंध की जल-धाराओं का मध्यप्रदेश और राजस्थान के लिए समन्वित उपयोग का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। मध्यप्रदेश और राजस्थान के बीच परियोजना के क्रियान्वयन के लिए एमओयू हुआ है। इस समझौते के कारण ही मुरैना, ग्वालियर, श्योपुर, राजगढ़ सहित 13 जिलों में पेयजल और सिंचाई की सुविधाएं बढ़ाई जा सकेंगी। पानी की एक-एक बूंद का राजस्थान एवं मध्यप्रदेश में समन्वित उपयोग होगा, जिससे दोनों राज्यों के विकास की नई इबारत लिखी जायेगी। यह 72 हजार करोड़ रुपये की योजना है। यह नवाचार भी है साथ ही हमारे देश की संघीय भावना का प्रकटीकरण भी है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में पार्वती-कालीसिंध-चम्बल अंतर्राज्यीय नदी लिंक परियोजना के क्रियान्वयन के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने पार्वती-कालीसिंध-चम्बल अंतर्राज्यीय नदी लिंक परियोजना के कार्यान्वयन के लिए नदियों के पवित्र जल को कलश में समाहित किया।

जल के बंटवारे के मामलों को सुलझाएं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्यों के हित होते हैं, लेकिन देश हित से बड़ा कोई हित नहीं हो सकता है। प्रधानमंत्री की भावना के अनुरूप यह कार्य हुआ है। उनकी मूल भावना यही है कि लगातार राज्य अपनी समस्याओं का हल निकालें। विशेष रूप से जल के बंटवारे के मामलों को सुलझाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी मध्यप्रदेश और राजस्थान को विकास कार्यों के लिए भरपूर राशि दे रहे हैं। दोनों राज्यों के बीच जल समस्या के हल से पर्यटन के क्षेत्र में भी विकास की बड़ी संभावनाएं हैं। विशेष रूप से चंबल, श्योपुर और रणथंभोर में पर्यटन की संभावना अधिक है। उन्होंने कहा कि राजस्थान ने रेगिस्तान में भी पर्यटन को विकसित कर दिया है। हमारे यहां धार्मिक पर्यटन की बड़ी संभावना है।

दोनों प्रदेशों की होगी उन्नति

राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश और राजस्थान की इस योजना को आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी की भावना को मूर्तरूप देने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि हमारी साझा नीति दोनों प्रदेशों को आगे बढ़ाने की है। इस परियोजना के पूरा होने से दोनों प्रदेशों की उन्नति होगी। राज्य और केंद्र मिलकर इस परियोजना को आगे बढ़ाने की कोशिश करेंगे।

क्राइम इन्टेलिजेंस यूनिट का किया गया गठन

भोपाल, नये कानूनों के पालन और संगठित अपराधों की रोकथाम के लिये क्राइम ब्रांच ने क्राइम इन्टेलिजेंस यूनिट का गठन किया है। यह यूनिट 30 दिनों में संगठित अपराधियों को चिन्हित कर जानकारी तैयार करेगी। क्राइम ब्रांच भोपाल में विगत 10 वर्षों में चिह्नित गैंग और उनके नेटवर्क पर कार्यवाही करेगी। गैंग के सदस्यों के स्वयं एवं अन्यों के नाम पर अवैध रूप से अर्जित चल-अचल संपत्ति को चिह्नित कर कुर्की की कार्रवाई कराई जायेगी। क्राइम ब्रांच भोपाल में 'संगठित अपराध सिंडीकेट' के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत कार्य करेगी।

राज्य सरकार सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध - श्री जायसवाल

अनूपपुर, लोगों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। देश तथा प्रदेश को 2047 तक विकसित भारत बनाना है। कहीं पर बेरोज़गारी ना रहे, सड़क, पानी, बिजली, स्वास्थ्य एवं शिक्षा की समस्या ना हो, इसके लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है। कोयला से लोगों को रोज़गार मिला तथा अनूपपुर जिले के कोतमा, बिजुरी सहित अन्य आसपास के क्षेत्रों के लोगों का जीवन स्तर उठा। सरकार की नीति और नियत के कारण उद्योग में प्रगति हुई है। गांव-गांव में शासन की विभिन्न योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के माध्यम से समृद्धि बढ़ रही है। यह बात कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री श्री दिलीप जायसवाल ने मध्यप्रदेश इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के क्षेत्रीय कार्यालय शहडोल द्वारा अनूपपुर जिले में औद्योगिक क्षेत्र जलसार (बिजुरी) में भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

श्री जायसवाल ने कहा कि हमारी जिम्मेदारी है कि सरकार जो सुविधा दे रही है, उसका हम सदुपयोग करें। जिससे हमें उस योजना का लंबे समय तक लाभ मिल सके। उन्होंने स्थानीय अधिकारियों तथा जनप्रतिनिधियों को शासकीय योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन का विशेष ध्यान रखने की बात कही। श्री जायसवाल ने कहा कि कुटीर एवं ग्रामोद्योग एवं खादी बोर्ड विभाग द्वारा स्वरोज़गार के लिये 50 लाख रुपये तक का ऋण मुहैया कराया जाता है, उन्होंने बताया कि योजना अंतर्गत अनुसूचित जाति एवं जनजाति के हितग्राहियों को 35 प्रतिशत तथा सामान्य जाति के हितग्राहियों को 30 प्रतिशत सरकार द्वारा सब्सिडी मुहैया कराई जाती है। रोज़गार मांगने वाला नहीं, हमें रोज़गार देने वाला बनना है।

मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास प्राधिकरण के क्षेत्रीय कार्यालय के कार्यकारी संचालक श्री यू.के. तिवारी ने औद्योगिक क्षेत्र जलसार के संबंध में बताया कि प्रथम चरण में 40 हेक्टेयर क्षेत्र को औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

इलेक्ट्रॉनिक तौल उपकरणों पर लगेंगे पेपर स्टॉम्प

भोपाल, इलेक्ट्रॉनिक तौल उपकरणों पर सत्यापन पश्चात उपकरण की प्रमाणिकता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से तौल उपकरणों के मुद्रांकन में पेपर सील का उपयोग किया जाएगा। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक तौल उपकरणों पर सत्यापन स्टाम्प लगाये जाने के लिये पूर्व प्रक्रिया के साथ-साथ पेपर सील का भी उपयोग किया जाएगा। पेपर स्टॉम्प बनाने के लिये ऐसी पेपर सामग्री का उपयोग किया जाएगा जो आसानी से कटे-फटे नहीं एवं पानी या तेल लगने पर खराब न हों।

पॉलीटेक्निक कॉलेज में 'विद्या संवाद केंद्र' होंगे स्थापित

भोपाल, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने भोपाल के श्यामला हिल्स स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल पॉलिटेक्निक महाविद्यालय का निरीक्षण किया। मंत्री श्री परमार ने महाविद्यालय परिसर में टैगोर हॉस्टल का निरीक्षण कर संस्थान परिसर में पर्यावरण संरक्षण एवं जल संरक्षण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उच्च शिक्षा मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने एसवी पॉलिटेक्निक कॉलेज में अधिकारियों से चर्चा की

श्री परमार ने संस्था परिसर में उपलब्ध भूमि पर विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं संस्थान के अधिकारियों-कर्मचारियों के द्वारा वृक्षारोपण कर 'विद्यावन' तैयार करने के लिए इसे व्यापक रूप में वर्षाकाल से प्रारंभ करने को कहा। श्री परमार ने कहा कि बंजर भूमि में सघन वृक्षारोपण किया जाये। नीम, पीपल, करंज, मौलश्री, गूलर, इमली, महुआ इत्यादि पौधों को प्राथमिकता दी जाए, पौधे पर्यावरण के अनुकूल हों और पूर्व दिशा की ओर नीम, पीपल और बरगद की त्रिवेणी लगाई जाये। उन्होंने कहा कि पंक्षियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए मध्य में मौलश्री के पौधे लगाए जाएं और पहले से स्थित वृक्षों को यथास्थान रख उनकी भी देखरेख की जाए।

श्री परमार ने संस्थान परिसर में जल संरक्षण की दृष्टि से व्यापक प्रबंध किए जाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि भूमि के ढलान वाले भाग पर खुदाई कर रैन वॉटर हार्वेस्टिंग के द्वारा परिसर के व्यर्थ बह जाने वाले जल को संरक्षित कर भू-जल के स्तर को बढ़ाने के प्रयास किए जाएं। पौधों और वृक्षों को जल आपूर्ति के लिए ड्रिप इरीगेशन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

वर्षाकाल में रेत खदानों का संचालन और अवैध खनन रोके जाने के निर्देश

भोपाल, प्रमुख सचिव खनिज श्री निकुंज श्रीवास्तव ने समस्त कलेक्टर्स को वर्षाकाल में रेत खदानों के संचालन पर प्रतिबंध की अवधि में अवैध खनन रोके जाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि खदानों के पहुंच मार्ग बंद किये जाकर जांच चौकियों पर सतत निगरानी की व्यवस्था की जाये। अवैध खनन पाये जाने पर संबंधितों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाये।

प्रमुख सचिव श्री श्रीवास्तव ने कहा कि विगत वर्षों में कतिपय ऐसे प्रकरण शासन के संज्ञान में आये हैं, जहां ठेकेदारों द्वारा वास्तविक रूप से रेत का परिवहन कर अनुज्ञप्ति में भंडारित करने के स्थान पर पोर्टल से ईटीपी जारी कर आभासी (वर्चुअल) स्टॉक क्रिएट कर मानसून अवधि में स्टॉक की कमी की पूर्ति खदान से उत्पादन करने का प्रयास किया जाता है।

प्रमुख सचिव श्री श्रीवास्तव ने बताया कि मानसून अवधि में रेत की आपूर्ति निरंतर रखने के लिये मध्यप्रदेश रेत खनन, परिवहन, भंडारण तथा व्यापार नियम अनुसार रेत भंडारण अनुज्ञप्तियां जारी करने का प्रावधान है। मानसून अवधि में मात्र रेत भंडारण ही संचालित रहते हैं। उन्होंने कलेक्टर्स को निर्देश दिये कि जिले में स्वीकृत भंडारण अनुज्ञप्ति स्थलों का ड्रोन के माध्यम से 7 जुलाई, 2024 तक वॉल्यूमेट्रिक एनालिसिस पूर्ण करायें। उन्होंने कहा कि यह भी सुनिश्चित करें कि भंडारण अनुज्ञप्ति में वास्तविक रूप से भंडारित मात्रा से अधिक मात्रा का निर्वतन न किया जाये।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

जनजातीय बहुल क्षेत्रों में रोज़गार के नये अवसर की असीम संभावनाएं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पेसा एक्ट के क्रियान्वयन संबंधी आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित किया

भोपाल, प्रदेश के जिन जिलों में पेसा एक्ट लागू है, वहां स्थानीय जनजातियों को रोज़गार के नवीन क्षेत्रों से जोड़ा जाए। जनजातीय बहुल पंचायतों द्वारा जनजातीय भाई-बहनों को रोज़गार के साधन उपलब्ध करवाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में कार्य की संभावनाओं को तलाशें, उपयुक्त कार्ययोजना बनाकर उन्हें धरातल पर उतारने का कार्य सुनिश्चित करें। इसमें कुटीर एवं ग्राम उद्योग, पशुपालन, मशरूम, लाख, शहद के उत्पादन और विक्रय, रेशम कीट पालन और वस्त्र निर्माण आदि शामिल हैं। जनजातीय बहुल पंचायतों को ग्रामीण परिवहन व्यवस्था का दायित्व दिये जाने की संभावनाओं का अध्ययन कर प्रतिवेदन तैयार करें। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पेसा एक्ट के क्रियान्वयन और संचालित गतिविधियों की समीक्षा बैठक में कही। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जनजातीय समाज के युवाओं को ग्रामीण परिवहन सेवा का दायित्व देने के संबंध में अध्ययन कर प्रतिवेदन तैयार किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय वर्ग की बटालियन बनाने के संबंध में भी विचार किया जाए। बैठक में बताया गया कि महाराष्ट्र में पौधरोपण से जनजातीय वर्ग को रोज़गारमूलक कार्यों से जोड़ा गया है। पर्यटन विकास, गौ-शाला संचालन संबंधी कार्यों से भी जनजाति बहुल पंचायतों को संबद्ध किया जा सकता है। बैठक में विभिन्न जिलों में जनजातीय वर्ग द्वारा आपसी सहमति से विभिन्न प्रकरणों के निवारण की उपलब्धियों की जानकारी दी गई। प्रदेश में पेसा एक्ट में शांति एवं विवाद निवारण समितियां कार्य कर रही हैं। जो सभी के लिये संतोषजनक समाधानपूर्ण कार्रवाई कर रही हैं। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि केंद्र सरकार द्वारा साहूकारी प्रथा पर नियंत्रण की दृष्टि से विजन डाक्यूमेंट तैयार करने के लिए मध्यप्रदेश को नोडल राज्य बनाया गया है। पेसा एक्ट मध्यप्रदेश के 20 जिलों के 88 विकासखंडों में लागू है। इसके क्षेत्र में 5133 ग्राम पंचायतें और 11 हजार 596 ग्राम शामिल हैं।

बासठ लाख 38 हजार की आय प्राप्त

बैठक में बताया गया कि पेसा एक्ट के अंतर्गत ग्राम सभा को मजबूत बनाने के उद्देश्य से अनेक कार्य हुए हैं। इस कार्यक्रम में मंडला जिले की ग्राम पंचायत हिरदे नगर की ग्राम सभा द्वारा 62 लाख 38 हजार की आय प्राप्त हुई है। इस राशि से ग्राम विकास के विभिन्न कार्य संपन्न किए जाएंगे। अलीराजपुर जिले में ग्राम सभा कुड़वात में नए हाट के प्रबंधन के लिए ग्राम सभा में प्रस्ताव मंजूर कर पारित किया गया। नए बाजार का नाम बिरसा मुंडा चौराहा रखा गया।

प्रदेश भर में 855 एफआईआर दर्ज

भारत में लागू नए कानूनों का सफल क्रियान्वयन कर रही मध्यप्रदेश पुलिस

भोपाल, देशभर में एक जुलाई से भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू हो चुका है। मध्यप्रदेश पुलिस नए कानूनों का सफल क्रियान्वयन कर रही है। यही वजह है कि नए कानून लागू होते ही पूरे प्रदेश में 2 दिनों में 855 एफआईआर दर्ज की गई हैं। पहले दिन यानी एक जुलाई को कुल 378 एफआईआर दर्ज की गई थीं, वहीं दूसरे दिन 2 जुलाई को 477 एफआईआर दर्ज की गईं। प्रदेश के सभी 11 जोन की सभी रेंज में एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं। पहले दिन सबसे अधिक एफआईआर भोपाल अर्बन में दर्ज की गई, जिसकी संख्या 35 है। दूसरे दिन उज्जैन जिले में सबसे अधिक एफआईआर दर्ज की गई, जिसकी संख्या कुल 29 है।

नए कानून लागू होने के बाद बढ़ी ई-एफआईआर

नए कानून लागू होने के बाद इलेक्ट्रॉनिक कम्युनिकेशन का उपयोग भी नागरिकों द्वारा किया जा रहा है। दो दिन में ही ई-एफआईआर की संख्या में वृद्धि हुई है। सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में दो दिन के भीतर 98 ई-एफआईआर दर्ज की गई हैं। सीसीटीएनएस के मुताबिक एक जुलाई को 53 और दो जुलाई को 45 एफआईआर दर्ज की गई हैं। नए कानून लागू होने के पहले प्रदेशभर में औसतन 10 ई-एफआईआर दर्ज की जाती थीं।

नागरिकों को जागरूक कर रही पुलिस

भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के प्रति नागरिकों के लिए मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। प्रदेश के सभी जिलों में नवाचार कर लोगों को उनके अधिकारों और कानूनों के बारे में बताया जा रहा है। माननीय न्यायधीशों, पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों, अधिवक्ताओं, स्वयंसेवी संस्थाओं और जन भागीदारी से समाज के प्रत्येक नागरिक को जागरूक किया जा रहा है। विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों को उनके लिए बनाए गए कानूनों के बारे में बताया जा रहा है। स्कूलों और कॉलेजों में सेमिनार आयोजित कर विद्यार्थियों को नए कानून समझाए जा रहे हैं। इसके अलावा जन सभा, पैदल मार्च और रोड शो के माध्यम से भी जनजागृति की जा रही है।

मध्यप्रदेश पुलिस पहले से थी तैयार

भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के प्रदेश में सफल क्रियान्वयन के लिए पहले से तैयार थी। इसके लिए मध्यप्रदेश पुलिस छह महीनों से लगातार प्रयास कर रही थी। आरक्षक से लेकर आला अधिकारियों तक सभी को नए कानूनों के क्रियान्वयन के लिए प्रशिक्षित किया गया। तीनों कानूनों के बारे में 302 मास्टर्स ट्रेनर्स द्वारा 60 हजार से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया। इनमें 31 हजार से अधिक विवेचना अधिकारी शामिल हैं। विशेष रूप से नए कानूनों में तकनीक के महत्व को बढ़ाया गया है। इस दृष्टिकोण से प्रदेश के सभी थानों में सीसीटीएनएस का संचालन करने वाले कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया है।

टीबी निदान सेवाओं के लिए आईओसीएल के साथ एमओयू

भोपाल, राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग एवं इंडियन ऑइल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के मध्य समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया गया है। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री विवेक कुमार पोरवाल एवं आईओसीएल के कार्यकारी निदेशक श्री दीपक कुमार बसु ने एमओयू पर हस्ताक्षर किये। आईओसीएल द्वारा मध्यप्रदेश में टीबी निदान सेवाओं में विस्तार करने के उद्देश्य से 100 ट्रूनॉट मशीन एवं 52 हैंड-हेल्ड एक्स-रे मशीनें प्रदान की जाएंगी।

मध्यप्रदेश बीमारू राज्य से प्रगति करने वाले राज्यों में शामिल

भोपाल, उप-मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि किसी भी प्रदेश के विकास के लिए मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत होती है। पूर्व में प्रदेश में सड़कों की स्थिति और अन्य अधोसंरचनात्मक सेवाएं अत्यंत कमजोर स्थिति में थीं, जो प्रदेश में विकास की धीमी गति का कारक थीं। अब हम 24 घंटे बिजली दे रहे हैं, पॉवर सरप्लस स्टेट हैं। 4-लेन, 6-लेन की विश्वस्तरीय सड़कें बन गयी हैं। हवाई अड्डे, रेलवे अधोसंरचनाओं में विकास हुआ है। सिंचाई के क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हुआ है। नागरिकों की क्रय क्षमता में वृद्धि हुई है। कृषि विकास से आर्थिक गतिविधियाँ बढ़ी हैं। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश बीमारू राज्य से सबसे तेज गति से प्रगति करने वाले राज्यों में शामिल है। यह बात उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने भोपाल में एक निजी चैनल द्वारा आयोजित एमएसएमई समिट कार्यक्रम में कही।

प्लग एंड प्ले आधार पर आधारभूत संरचनाएं प्रदान की गयी हैं

उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में समग्र विकास को सुनिश्चित करना है, बेरोज़गारी की समस्या को दूर करना है तो हरित क्रांति, औद्योगिक क्रांति एवं पर्यटन क्रांति जरूरी है। मध्यप्रदेश में इन तीनों क्षेत्रों में अभूतपूर्व कार्य हुआ है। औद्योगिक क्रांति सिर्फ बड़ी औद्योगिक इकाइयों से संभव नहीं, समग्र विकास के लिए रोज़गारों के सृजन के लिए एमएसएमई पर फोकस महत्वपूर्ण है, यह समय की भी मांग है। औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने, युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए मध्यप्रदेश और केंद्र सरकार द्वारा सतत प्रयास किए जा रहे हैं।

निवेशकों के लिए मध्यप्रदेश प्रेफर्ड डेस्टिनेशन

उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में निवेशकों को आकर्षित करने के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश में बिजली, पानी की कमी नहीं है। कानून व्यवस्था भी उत्कृष्ट है। निवेशकों के लिए मध्यप्रदेश आज प्रेफर्ड डेस्टिनेशन के रूप में उभरा है।

एल.टी.टी. सर्जन को प्रदाय किया गया आधुनिक लैप्रोस्कोप

भोपाल, मिशन संचालक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन श्रीमती प्रियंका दास ने परिवार कल्याण कार्यक्रम के तहत महिला नसबंदी को बढ़ावा देने के लिये प्रदेश के विभिन्न जिलों रायसेन, राजगढ़, अशोकनगर, आगर-मालवा, सतना, रतलाम, डिंडौरी, खरगोन, पन्ना, रीवा, ग्वालियर, भोपाल एवं इंदौर के एल.टी.टी. सर्जन को आधुनिक एवं उपयोग में आसान लैप्रोस्कोप प्रदान किये गये। इन आधुनिक लैप्रोस्कोप से महिला नसबंदी में आने वाली जटिलता पर प्रभावी रोकथाम एवं नियंत्रण किया जाना संभव होगा।

कुलपति होंगे कुलगुरु, इस शब्द में सम्मान और आत्मीयता का है भाव

भोपाल, प्रदेश में नागरिकों के कल्याण और उन्हें अपनी संस्कृति से जुड़ने से संबंधित महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा रहे हैं। निरंतर लिए जा रहे ऐसे फैसलों से विभिन्न क्षेत्रों में व्यवस्था से जुड़े आवश्यक सुधार भी हो रहे हैं, इस क्रम में विश्वविद्यालयों के कुलपति को कुलगुरु का संबोधन देने का निर्णय लिया गया। इस संबोधन में आत्मीयता, स्नेह और सम्मान का भाव भी निहित है। मंत्रिपरिषद द्वारा इस निर्णय का अनुमोदन किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समाचार चैनल प्रतिनिधियों से चर्चा में कहा कि जुलाई माह में ही गुरु पूर्णिमा पर्व भी आ रहा है। मध्यप्रदेश में कुलपति को कुलगुरु बनाने के निर्णय के संबंध में अन्य राज्यों द्वारा भी जिज्ञासा व्यक्त करते हुए इस निर्णय का प्रारूप चाहा गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में गौवध की मंशा से गौवंश के परिवहन का अवैध कृत्य करने वाले वाहन कई बार न्यायालय से छूट जाते हैं। नियमों के उल्लंघन पर पकड़े गए वाहनों के प्रकरण में वाहनों को राजसात करने की कार्रवाई की जाएगी। वाहन जब्त होंगे, उन्हें छोड़ा नहीं जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ट्यूबवेल खनन के बाद बिना ढक्कन के खनन स्थल होने से छोटे बच्चों की असामयिक मृत्यु का कारण बन जाते हैं। ऐसे मामले सामने आते रहते हैं।

रीजनल इन्वेस्टर्स समिट में उद्योगों के विकास पर भी होगी चर्चा

भोपाल, प्रदेश के लघु उद्यमियों की सहायता के लिए राज्य शासन तत्पर है। लघु और सूक्ष्म उद्योगों के विकास पर रीजनल इन्वेस्टर्स समिट में चर्चा कर आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे। इस माह जबलपुर में हो रही समिट में उद्योग के नवीन क्षेत्रों में निवेश को आमंत्रण दिया जाएगा। खनन आधारित उद्योगों, ग्रामीण कुटीर उद्योगों और रेडीमेट गारमेंट उद्योग के विकास की काफी संभावनाएं हैं। इन संभावनाओं को साकार करने के लिए क्षेत्र चिह्नित कर लघु उद्योगों की स्थापना की जाएगी। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक समाचार चैनल की ओर से आयोजित एमएसएमई समिट एवं उद्यमियों के सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कही। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बताया कि एक समय उन्होंने उज्जैन में चाय-नाश्ते की होटल का संचालन करते हुए एक व्यवसायी की भूमिका निभाई है। किसी भी कार्य व्यवसाय को परिश्रम और संयम के साथ साफ-सुथरे ढंग से संचालित कर आत्मनिर्भर होने की भावना किसी भी व्यवसायी या उद्यमी को जीवन में सफलताएं दिलवाती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में मंत्रीगण द्वारा आयकर की राशि स्वयं जमा किए जाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एमएसएमई समिट और सम्मान समारोह को संबोधित किया

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

शिक्षा और संस्थान के संस्कारों को हमेशा याद रखें विद्यार्थी

भोपाल, शिक्षा को ज्ञान आधारित बनाने के साथ सेवा, संस्कार और संवेदनशीलता के मूल्य केन्द्रित बनाना होगा। विद्यार्थी शिक्षा और संस्थान के संस्कारों को हमेशा याद रखें। माता-पिता के संघर्षों को नहीं भूलें, उनके योगदान का सम्मान करें और कृतज्ञ रहें। यह बात राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने आई.ई.एस. ग्रुप के रजत जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने उपस्थित लोगों और विद्यार्थियों को 6 जुलाई से शुरू हो रहे 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान से जुड़ने की अपील भी की। इस अवसर पर कौशल विकास एवं रोज़गार राज्यमंत्री श्री गौतम टेटवाल सहित संस्थान के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

राज्यपाल ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में समर्थ, सशक्त, समृद्ध और विकसित भारत के निर्माण के लिए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का क्रियान्वयन किया गया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के व्यावसायिक और व्यावहारिक पक्षों में समन्वय जरूरी है। संस्थान को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप भावी पीढ़ी को तैयार करना होगा। इसके लिए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न आयामों को प्रभावी रूप से लागू करना होगा। उन्होंने संस्थान के विद्यार्थियों द्वारा खेलकूद, स्वरोज़गार, प्रबंधन, आदि क्षेत्रों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त उपलब्धियों की सराहना और संस्थान के 25 वर्ष के समुचित नेतृत्व और प्रबंधन को बधाई दी। श्री गौतम टेटवाल ने और मेधावी छात्रों को आगे बढ़ाने संस्थान के प्रयासों की सराहना की। मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय आयोग के अध्यक्ष डॉ. भरत सिंह शरण ने विकसित भारत की संकल्पनाओं को साकार करने के लिए संस्थान के सहयोग, सक्रियता और प्रतिबद्धता को निरंतर जारी रखने की बात कही।

मुख्यमंत्री को दिव्यांग युवक ने चित्र किया भेंट

खरगोन, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को खरगोन जिले के बड़वाह निवासी दिव्यांग युवक आयुष कुंडल ने विधानसभा स्थित कक्ष में तस्वीर भेंट की। मुख्यमंत्री की तस्वीर बनाने वाले आयुष पैरों से बनाई हुई चित्रकला में दक्ष हैं। दिव्यांग आयुष ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को भी तस्वीर भेंट की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चित्रकार की अद्वितीय प्रतिभा पर शाबासी देते हुए कहा कि इस प्रतिभाशाली चित्रकार को एक लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने बच्चों की मृत्यु की जांच के निर्देश दिए

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर के अनाथ आश्रम के पांच मासूम बच्चों के असामयिक निधन पर शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने घटना की विस्तृत जांच के निर्देश दिए और दिवंगत बच्चों की आत्मा को शांति प्रदान करने तथा बीमार बच्चों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री ने इस दुखद घटना की जांच के लिए उच्च स्तरीय समिति द्वारा जांच करवाने तथा मल्हारगंज एसडीएम को असंवेदनशील व्यवहार के लिए कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

नई न्याय व्यवस्था के क्रियान्वयन के लिए प्रधानमंत्री का आभार

भोपाल, एक जुलाई का दिन महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक है। अंग्रेजों के समय से चले आ रहे तीन कानूनों को बदलकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नई व्यवस्था का क्रियान्वयन आरंभ हो रहा है। इस व्यवस्था के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी को बहुत धन्यवाद। प्रदेश के नाकों में गुजरात पैटर्न पर चैक-पोस्ट संबंधी नई व्यवस्था लागू की जा रही है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विधानसभा के समिति कक्ष में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक से पहले अपने संबोधन में कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में पंच परमेश्वर की परम्परा के आधार पर न्याय व्यवस्था स्थापित करने के लिए प्रधानमंत्री बधाई के पात्र हैं।

प्रदेश के पुलिस जवानों ने नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने का पराक्रम दिखाया

बालाघाट, प्रकृति ने बालाघाट को विशेष वरदान दिया है। स्वर्ग जैसी भूमि पर नक्सली गतिविधियां कतई बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। इसका नमूना इसी वर्ष हॉकफोर्स के जवानों ने एक अप्रैल को लांजी के पितकोना क्षेत्र में दिखाया है। हॉकफोर्स और पुलिस के जवानों ने अपनी सक्रियता से नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने में अपना शौर्य और पराक्रम दिखाया है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बालाघाट में आयोजित अलंकरण समारोह में कही। उन्होंने 28 जवानों को शौर्य और पराक्रम प्रदर्शित करने के लिये उनके कंधों पर फीते और स्टार लगाकर क्रम-पूर्व पदोन्नति देकर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने बालाघाट में आयोजित अलंकरण समारोह में जवानों को सम्मानित किया

ऐतिहासिक एवं गौरवशाली दिन

मुख्यमंत्री ने कहा कि वास्तविक अर्थों में ऐतिहासिक दिन के साथ ही भारत माता को गौरवान्वित करने का भी दिन है। यह दिन शौर्य, साहस, हिम्मत और पराक्रम को सार्थक करने वाले जवानों के सम्मान का दिन है। धन-धान्य व भूगर्भ संपदा से परिपूर्ण भूमि पर नक्सली/माओवादी ताकतों की नजर रही है। ऐसी ताकतों पर एक अप्रैल 2024 को की गई कार्रवाई पुलिस का कड़ा प्रहार है। समारोह का आयोजन हॉकफोर्स तथा पुलिस जवानों का क्रम से पूर्व प्रमोशन के लिए किया गया था।

इनामी नक्सलियों पर प्रहार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नक्सली गतिविधियों पर अब तक हुई कार्रवाई के बारे में कहा कि पिछले 5 वर्षों में हॉकफोर्स और पुलिस के जवानों ने 19 नक्सलियों को मार गिराया है। जिन पर विभिन्न प्रदेशों में 3 करोड़ 5 लाख रुपये के इनाम घोषित थे। यह कार्यक्रम उन जवानों को याद और सम्मानित करने का भी दिन है, जिन्होंने कर्तव्य निर्वहन करते हुए अपना बलिदान दिया है। सरकार उन सभी के साथ खड़ी है, जिन्होंने हिम्मत और साहस के बल पर प्रदेश का मान बढ़ाया है।

दुश्मनों के देश में घुसकर जवाब दे रहा है भारत

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व का ऐसा तीसरा देश बन गया है, जो अपने देश में ही नहीं, बल्कि दुश्मन देश की सीमाओं में घुसकर दुश्मनों को खत्म करने की ताकत रखता है। इजराइल और अमेरिका के बाद भारत तीसरा देश है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के पश्चात पुलिस जवानों के परिजनों के साथ समय बिताया। उन्होंने बच्चों को स्नेह तथा दुलार किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जवानों के माता-पिता और दादा-दादी से आशीर्वाद लिया। साथ ही जवानों के परिजनों के साथ फोटो भी खिंचवाये।

नक्सल उन्मूलन की दिशा में हॉकफोर्स ने किया उल्लेखनीय कार्य - डीजीपी

पुलिस महानिदेशक ने कहा कि हम सभी कितने भाग्यशाली हैं कि हमें ऐसे संवेदनशील मुख्यमंत्री मिले हैं कि वे सभी पुलिस के जवानों को अपने परिवार का सदस्य मानते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे हॉकफोर्स के जवान अत्यंत विषम परिस्थितियों में अपने परिवार से दूर रहकर ऐसे दुश्मनों का सामना कर रहे हैं, जिनका भारत के संविधान पर विश्वास नहीं है। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा विगत पांच वर्षों में नक्सल उन्मूलन में उल्लेखनीय कार्य किए गये हैं।

सभी विभागों को जनता के प्रति अधिक से अधिक जवाबदेह बनाना हमारा लक्ष्य

भोपाल, सभी विभागों को जनता के प्रति अधिक से अधिक जवाबदेह बनाना हमारा लक्ष्य है। जनता के प्रति अधिक पारदर्शी एवं जवाबदेह कार्य प्रणाली को अपनाते हुए लोक कल्याण के पथ पर निरंतर अग्रसर रहने की दृष्टि से लोक निर्माण विभाग द्वारा तैयार लोकपथ मोबाइल एप का लोकार्पण किया जा रहा है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मोबाइल एप-लोक पथ के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

जन-जन तक पहुंचाएं एप की जानकारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की 40 हजार किलोमीटर लंबी सड़कों में आवश्यकतानुसार एप से त्वरित रूप से सुधार संभव होगा। विभाग के लिए 7 दिन में सुधार करना चुनौती पूर्ण और साहस का कार्य है। यद्यपि अधिक वर्षा, जल भराव और भारी वाहनों के अधिक आवागमन से सड़कों का क्षतिग्रस्त होना स्वाभाविक है, परंतु विभाग का यह प्रयास होना चाहिए कि सड़कों में गड्ढे हो ही नहीं।

मोबाइल एप से आमजन को मार्गों की समस्या बताने की सुविधा मिलेगी और अधिकारियों की जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी। लोकपथ मोबाइल एप मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक विकास निगम लिमिटेड द्वारा तैयार किया गया है। लोकपथ मोबाइल एप को वेबसाइट www.mppwd.gov.in पर जाकर डाउनलोड कर सकते हैं।

एजेंसी देना है

मध्यप्रदेश का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक समाचार पत्र

रोज़गार और निर्माण

प्रदेश के शहडोल, गुना, झाबुआ, खंडवा, छतरपुर एवं पिपरिया में एजेंसी नियुक्त करना है।

एजेंसी संबंधित कार्य के लिए कार्यालीन समय में संपर्क करें

0755-2760006

प्रमुख आकर्षण

- कॅरियर की ख़बरें
- सम-सामयिक विषयों पर विशेषज्ञों की टिप्पणियां
- खेल जगत की उल्लेखनीय ख़बरें
- सप्ताह की प्रमुख घटनाएं
- मध्यप्रदेश सरकार के निर्णयों और योजनाओं की जानकारियां
- विज्ञान की बातें

मध्यप्रदेश माध्यम
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अहेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
www.mpmadhyam.in
madhyam.rojgar@gmail.com

आज ही खरीदें
प्रमुख बुक-स्टॉलों पर उपलब्ध

विधायक अपने विधानसभा क्षेत्र के विकास का चार वर्ष का रोडमैप बनाएं

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्वालियर संभाग के विधायकों से चर्चा करते हुए कहा कि प्रदेश के हर क्षेत्र में विकास कार्य के लिए 4 वर्ष का समय शेष है। सभी विधायक अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में जनता के बीच पहुंचकर विकास कार्य व्यवस्थित तरीके से करें। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की भावना के अनुरूप सभी कार्यों का क्रियान्वयन हो। चार वर्ष का रोडमैप बनाएं, राज्य शासन द्वारा विधानसभा क्षेत्र के विकास लिए चार वर्ष में 60 करोड़ की राशि दी जाएगी। हर वर्ष 15 करोड़ की राशि उपलब्ध कराई जाएगी। राशि खर्च करने के लिए वर्ष 2028 तक का योजना का रोडमैप तैयार कर लिया जाए। नगरीय निकाय और जनपद पंचायतों के अंतर्गत जनता से सीधे जुड़ी योजनाओं को अच्छी तरह से क्रियान्वित करें। जनता से जुड़े सभी अभियानों में बेहतर योगदान दें। सबका विकास होगा तो प्रदेश का विकास होगा। जनता की समस्याओं के निराकरण के लिए लगातार शिविर लगाए जाएं। स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य हों।

जल प्रदाय योजना से गांव लाभांवित

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्वालियर संभाग के सभी ग्रामों की पेयजल योजनाएं राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत की जा चुकी हैं। कोई भी ग्राम छूटा नहीं है। समूह जलप्रदाय योजनाओं से कई गांव लाभान्वित हो रहे हैं। पेयजल योजना ठीक से संचालित हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्वालियर-चंबल संभाग में बंद पड़ी नल-जल योजनाओं को चालू किया जाए। कोई भी योजना बंद न रहे। गांव में पीने के पानी की समस्या न हो।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

प्रदीप सिंह खरोला

एनटीए के नए महानिदेशक बने

केंद्र सरकार ने पूर्व आईएएस प्रदीप सिंह खरोला को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) का नया महानिदेशक नियुक्त किया है। खरोला 1985 बैच के कर्नाटक कॉडर के आईएएस अधिकारी रह चुके हैं, वे एनटीए में सुबोध कुमार की जगह लेंगे। सरकार ने नीट और यूजीसी नेट परीक्षाओं में पेपर लीक होने के मामले के बाद सुबोध कुमार को हटा दिया है। प्रदीप सिंह खरोला पहले भी अहम जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं। वह पहले से इंडिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक हैं, उन्हें एनटीए का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

नासा

पृथ्वी की कक्षा में लॉन्च करेगा आर्टिफिशियल तारा

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा एक आर्टिफिशियल तारा बनाने की योजना पर काम कर रही है। इस तारे को अंतरिक्ष में तैनात किया जाएगा। नासा ने बताया कि इस मिशन को लैंडोल्ट नाम दिया गया है। इस मिशन में एक लंच बॉक्स के आकार का छोटा उपग्रह जो कि एक आर्टिफिशियल तारा होगा, उसे वर्ष 2029 में लॉन्च किया जाएगा। यह तारा पृथ्वी से लगभग 35,785 किलोमीटर दूर कक्षा में स्थापित होगा। इस तारे की मदद से अंतरिक्ष में वस्तु की चमक को अधिक सटीक रूप से मापा जा सकेगा, जिससे ब्रह्मांड के कई रहस्यों को सुलझने में मदद मिलेगी।

कपिल देव

भारतीय पेशेवर गोल्फ टूर के अध्यक्ष बने

भारत के पूर्व क्रिकेट कप्तान कपिल देव को भारतीय पेशेवर गोल्फ टूर (पीजीटीआई) का अध्यक्ष चुना गया है। कपिल ने यह पद संभाल लिया है। कपिल बेहतरीन क्रिकेटर होने के साथ ही शानदार गोल्फर भी हैं। कपिल ने कहा कि पीजीटीआई अध्यक्ष बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। कपिल काफी समय से गोल्फ खेल को प्रोत्साहित कर रहे हैं। कपिल वर्ष 2021 में बोर्ड के सदस्य बने थे।

सुबोनों इसाक बारी

बारह वर्ष की आयु में ग्रेजुएट हुए

अमेरिका में भारतीय मूल के 12 वर्षीय बालक सुबोनों इसाक बारी ने इतिहास रच दिया है। सुबोनों दुनिया के सबसे कम उम्र के ग्रेजुएट बन गए हैं। उन्होंने अमेरिका के मालवर्न हाईस्कूल से ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल की। सुबोनों जल्द ही गणित और भौतिकी की पढ़ाई के लिए न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय में दाखिला लेंगे। वह छोटी सी उम्र में दो किताबें लिख चुके हैं। सुबोनों ने 11 वर्ष की आयु में स्कोलॉस्टिक असेसमेंट टेस्ट पास कर विश्व रिकॉर्ड बनाया था। उनकी उपलब्धियों से प्रभावित होकर न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय ने उन्हें फुल स्कॉलरशिप ऑफर की है।

नरगिस मोहम्मदी

ईरान की अदालत ने सजा में किया इजाफा

ईरान की एक अदालत ने जेल में सजा काट रहीं नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी की सजा बढ़ा दी है। अदालत ने नरगिस को कथित रूप से देश के खिलाफ दुष्प्रचार करने का दोषी पाया है और उनको 15 महीने की अतिरिक्त सजा सुनाई गई। फैसले में यह भी कहा गया कि सजा पूरी करने के बाद दो वर्ष तक नरगिस मोहम्मदी की विदेश यात्रा पर प्रतिबंध रहेगा और उस अवधि के दौरान नरगिस राजनीतिक और सामाजिक समूहों की सदस्यता नहीं ले सकेंगी और ना ही मोबाइल फोन रख सकेंगी। उल्लेखनीय है कि ईरान की सत्तारूढ़ व्यवस्था के खिलाफ प्रचार करने के लिए तेहरान की एविन जेल में 30 वर्ष की सजा काट रही हैं।

तपन कुमार डेका

आईबी निदेशक के कार्यकाल में एक वर्ष की वृद्धि

केंद्र सरकार ने इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के निदेशक तपन कुमार डेका का कार्यकाल एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया है। उनका कार्यकाल 30 जून को समाप्त हो रहा, जो अब जून 2025 तक चलेगा। कार्मिक मंत्रालय ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। आदेश में कहा गया कि मंत्रीमंडल की नियुक्ति समिति ने तपन कुमार डेका को इंटेलिजेंस ब्यूरो के निदेशक के रूप में एक वर्ष का सेवा विस्तार दिया है। तपन कुमार हिमाचल प्रदेश कॉडर के वर्ष 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। उन्होंने अपने कॅरियर का अधिकतर समय इंटेलिजेंस ब्यूरो में बिताया है। उन्होंने जम्मू और कश्मीर में आतंकवाद तथा पूर्वोत्तर में उग्रवाद के खात्मे में अहम भूमिका निभाई है।

प्रोफेसर डेविड कृष्ण मेनन

ब्रिटेन का प्रतिष्ठित सीबीई पुरस्कार मिला

ब्रिटेन में भारतीय मूल के मस्तिष्क आघात विशेषज्ञ (ब्रेन ट्रामा एक्सपर्ट) और कैंब्रिज विश्वविद्यालय में एनेस्थीसिया के प्रोफेसर डेविड कृष्ण मेनन को प्रतिष्ठित 'कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर' (सीबीई) पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। मेनन को यह सम्मान न्यूरोक्रिटिकल केयर सेवाओं के लिए दिया गया है। पुडुचेरी के जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च में मेडिसिन, एनेस्थीसिया और गहन देखभाल का प्रशिक्षण लेने वाले मेनन ने कैंब्रिज में एडेनब्रुक के राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा शिक्षण अस्पताल में न्यूरोसाइंसेज क्रिटिकल केयर यूनिट की स्थापना की थी।

मेटा ने

भारत में शुरू की एआई सेवा

फेसबुक और वॉट्सएप की पेरेंट कंपनी मेटा ने अपनी पहली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मेटा एआई असिस्टेंट को भारत में लॉन्च कर दिया है। यूजर्स इस सुविधा को वॉट्सएप, फेसबुक और इंस्टाग्राम एप पर एक्सेस कर सकते हैं। कंपनी ने कहा कि अब यूजर्स इन एप का इस्तेमाल करते हुए मेटा एआई का इस्तेमाल कर कंटेंट तैयार कर सकते हैं। यह सर्विस लामा 3 पर काम करेगी, जो कि मेटा कंपनी का सबसे एडवांस एआई मॉडल है। कंपनी ने कहा कि मेटा एआई एक वर्चुअल असिस्टेंट है, जो आपके सवालों का जवाब दे सकता है। सर्चिंग और प्लानिंग में मदद कर सकता है। इसकी मदद से इमेज और स्केच बनाए जा सकते हैं।

लुका मोड्रिक

यूरो कप में गोल करने वाले सबसे उम्रदराज फुटबॉलर बने

क्रोएशिया के स्टार फुटबॉलर लुका मोड्रिक ने यूरो कप में नया इतिहास रच दिया है। यूरो कप के इतिहास में मोड्रिक गोल करने वाले सबसे उम्रदराज फुटबॉलर बन गए हैं। अपना आखिरी यूरो कप खेल रहे मोड्रिक ने 38 वर्ष 289 दिन की आयु में यह कारनामा किया। इससे पहले यह रिकॉर्ड ऑस्ट्रिया के इविका वास्टिक के नाम था। वास्टिक ने यूरो कप-2008 में पोलैंड के खिलाफ 38 वर्ष 257 दिन की उम्र में गोल किया था। प्रतियोगिता में मोड्रिक ने इटली के खिलाफ लीग मैच में यह गोल किया। इस गोल की बदौलत क्रोएशिया, इटली के खिलाफ मैच 1-1 से ड्रॉ कराने में सफल रहा। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2018 के फीफा विश्वकप में लुका मोड्रिक की कप्तानी में क्रोएशिया उपविजेता बना था।

गिल रॉबर्ट्स

पूर्व ओलंपिक चैम्पियन पर लगा प्रतिबंध

अमेरिका के दिग्गज एथलीट गिल रॉबर्ट्स पर डोपिंग के कारण आठ वर्ष का प्रतिबंध लगा है। 35 वर्षीय रॉबर्ट्स को पिछले वर्ष सितंबर में प्रतिबंधित पदार्थ लेने के आरोप में दोषी पाया गया था। अमेरिका की एंटी डोपिंग एजेंसी ने कहा कि रॉबर्ट्स के सैंपल में प्रतिबंधित पदार्थ ऑस्टाराइन पाया गया है। उन पर दूसरी बार डोपिंग के आरोप लगे हैं। इससे पहले वर्ष 2017 में भी वे डोपिंग के दोषी पाए गए थे, लेकिन वे सजा से बच गए थे। रॉबर्ट्स ने अमेरिका के लिए वर्ष 2016 के रियो ओलंपिक में पुरुषों की चार गुणा 400 मीटर स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था।

मार्क रूटे

नाटो के अगले महासचिव बनेंगे

डेनमार्क के निवर्तमान प्रधानमंत्री मार्क रूटे उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के अगले महासचिव होंगे। रोमानिया के राष्ट्रपति क्लॉस इआहन्निस ने नाटो महासचिव की दौड़ से अपनी दावेदारी वापस ले ली। इसके बाद रूटे का नाटो महासचिव बनना तय हो गया है। आने वाले दिनों में नाटो महासचिव के रूप में नियुक्ति की औपचारिक रूप से पुष्टि की जाएगी। रूटे की नियुक्ति यूक्रेन-रूस के बीच जारी युद्ध के बीच हो रही है। वह यूक्रेन के कट्टर समर्थक माने जाते हैं। वह एक अक्टूबर को वर्तमान महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग की जगह लेंगे। स्टोलटेनबर्ग ने लगभग एक दशक तक नाटो प्रमुख का पद संभाला है।

विम्बलडन

टेनिस ग्रैंडस्लेम की इनामी राशि में हुई बढ़ोत्तरी

टेनिस की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में से एक विम्बलडन की इनामी राशि में इजाफा किया गया है। विम्बलडन का आयोजन करने वाली संस्था ऑल इंग्लैंड क्लब ने विम्बलडन की इनामी राशि बढ़ाने की घोषणा की। क्लब ने कहा कि विम्बलडन की इनामी राशि बढ़ाकर पांच करोड़ पाउंड (लगभग 535 करोड़ रुपये) की गई है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 53 लाख पाउंड यानी 11.9 प्रतिशत अधिक है। प्रतियोगिता में महिला एवं पुरुष एकल वर्ग के विजेता को सबसे ज्यादा 27 लाख पाउंड की राशि मिलेगी, वहीं पहले राउंड में बाहर होने वाले खिलाड़ियों को 55 हजार की जगह अब 60 हजार पाउंड मिलेंगे।

अरुंधति रॉय

पेन पिंटर अवॉर्ड से होंगी सम्मानित

भारत की जानी-मानी लेखिका अरुंधति रॉय को अडिग और निर्भीक लेखन के लिए ब्रिटेन के प्रतिष्ठित पेन पिंटर अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। अरुंधति को यह पुरस्कार साहित्यिक साहस के लिए साहसी लेखक कैटेगरी में दिया जाएगा है। यह अवॉर्ड नोबेल पुरस्कार विजेता नाटककार हेरोल्ड पिंटर की याद में ब्रिटेन और राष्ट्रमंडल देशों के ऐसे लेखकों को दिया जाता है, जिनके लेखन में जीवन और समाज की सच्चाई का वर्णन मिलता है। अरुंधति ने 'गॉड ऑफ स्मॉल थिंग्स' और 'द मिनिस्ट्री ऑफ एटमोस्ट हैप्पीनेस' जैसी प्रसिद्ध किताबें लिखी हैं।

स्मृति शेष

आचार्य लक्ष्मीकांत दीक्षित का निधन

अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कराने वाले कर्मकांडी दल के प्रमुख आचार्य और वैदिक विद्वान पंडित लक्ष्मीकांत दीक्षित का निधन हो गया है। वह 86 वर्ष के थे और कई दिनों से बीमार थे। वर्ष 1942 में जन्मे पंडित लक्ष्मीकांत बाल्यावस्था में ही शुक्लयजुर्वेद शाखा और घनान्त अध्ययन के लिए काशी आ गए थे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उनके निधन पर शोक संवेदनाएं प्रकट करते हुए कहा कि दीक्षित जी काशी की विद्वत परंपरा के यशपुरुष थे।

तुर्किये में पदस्थ भारतीय राजदूत डॉ. वीरेंद्र पॉल का निधन

तुर्किये में पदस्थ भारतीय राजदूत डॉ. वीरेंद्र पॉल का निधन हो गया है। वह काफी समय से बीमार चल रहे थे, उनका नई दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में इलाज चल रहा था। 1991 बैच के भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी वीरेंदर पॉल को जुलाई 2022 में तुर्किये में भारत का राजदूत नियुक्त किया गया था। उन्होंने तुर्किये में आए विनाशकारी भूंकप के दौरान वहां के लोगों की मदद के लिए भारत सरकार द्वारा चलाए गए मिशन का प्रतिनिधित्व किया था। डॉ. वीरेंद्र पॉल केन्या में भी भारत के उच्चायुक्त रह चुके हैं।

डकवर्थ-लुईस नियम के सह आविष्कारक फ्रैंक डकवर्थ का निधन

क्रिकेट का सबसे रोचक नियम डकवर्थ-लुईस पद्धति बनाने वाले ब्रिटिश सांख्यिकीविद फ्रैंक डकवर्थ का निधन हो गया है। वह 84 वर्ष के थे। फैंक डकवर्थ और उनके साथी टोनी लुईस ने बारिश से प्रभावित क्रिकेट मैचों में परिणाम निकालने के लिए डकवर्थ-लुईस नियम बनाया था। यह नियम वर्ष 1997 में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में लागू हुआ था। वर्ष 2001 में ऑस्ट्रेलियन सांख्यिकीविद् स्टीवन स्टर्न ने इस नियम में कुछ संशोधन किए, जिसके बाद इस पद्धति को डकवर्थ-लुईस-स्टर्न नाम दिया गया। वर्ष 2010 में डकवर्थ और लुईस दोनों को मेंबर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर (एमबीई) सम्मान से सम्मानित किया गया था।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

क्रमांक 2715001/2014/ई.डी.पी./ई-टेंडरिंग/406/1486

कार्यालय प्रमुख अभियंता

जल संसाधन विभाग, जल संसाधन भवन, तुलसी नगर, भोपाल

ईमेल -mpwrdetenders@gmail.com, edpcell.encwrd.bpl@mp.gov.in
फोन - 0755-2553402, फैक्स - 0755-2552406

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्रमांक- 575/2715001/ई.डी.पी./2021-22/प्र.अ./ई-टेंडरिंग **भोपाल, दिनांक: 1.07.2024**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र वेबसाइट पर **दिनांक 19.07.2024 को 17.30 बजे तक** क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्र.	कार्य का नाम	जिला	राशि रु. लाख में
1.	2024_WRD_339489	तवा दायीं तट के नसीराबाद के 512 चैनेज सी.आर. एवं एच.आर. गेटों का मरम्मत का कार्य।	नर्मदापुरम	7.16
2.	2024_WRD_339490	तवा दायीं तट के माचा के चैनेज क्र. 1580 के सी.आर. गेटों का मरम्मत का कार्य।	नर्मदापुरम	1.95
3.	2024_WRD_339491	तवा दायीं तट शाखा नहर के सर्विस एवं इमरजेंसी इनटेक वेल गेट नं. 4 ब्लास्ट वेट डालने का कार्य।	नर्मदापुरम	12.42
4.	2024_WRD_339505	वर्षा पूर्व बैतूल उपसंभाग के 8 स्लूस गेट एवं 4 माइनर सिंचाई टैंकों का सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	नर्मदापुरम	1.85
5.	2024_WRD_340373	बाणसागर पुरवा नहर के चचाई नहर एवं नौवस्ता वितरक नहर के आर.डी. 5970 से आर.डी. 28080 मीटर के साइज के गेटों के मरम्मत एवं अनुरक्षण का कार्य।	शहडोल	2.20
6.	2024_WRD_340374	बाणसागर परियोजना के मुख्य बांध के दायीं तट नहर प्रणाली के विभिन्न माइनर गेटों का मरम्मत कार्य।	शहडोल	0.63
7.	2024_WRD_340377	बाणसागर पुरवा नहर के आर.डी. 64.64 से आर.डी. 81.45 कि.मी. तक शाखा एवं उपशाखाओं पर स्थापित विभिन्न साइज के गेटों का मरम्मत एवं अनुरक्षण कार्य।	शहडोल	0.99
8.	2024_WRD_340379	बाणसागर पुरवा नहर के आर.डी. 42.00 से आर.डी. 58.35 कि.मी. तक शाखा एवं उपशाखाओं पर स्थापित विभिन्न साइज के गेटों का मरम्मत एवं अनुरक्षण कार्य।	शहडोल	0.71
9.	2024_WRD_340380	बाणसागर पुरवा नहर के आर.डी. 64.64 कि.मी. में स्थापित स्केप गेट की ऊंचाई बढ़ाने एवं सी.आर. गेटों में आवश्यक मरम्मत कार्य।	शहडोल	0.52
10.	2024_WRD_340383	बाणसागर क्योटी नहर के धवैया आमलगंज तिवनी एवं समरा के अंतर्गत स्थापित माइनर/सबमाइनर एवं वितरक नहर गेटों के मरम्मत एवं अनुरक्षण का कार्य।	शहडोल	2.50
11.	2024_WRD_340384	बाणसागर त्योथर उद्वहन सिंचाई योजना हेतु स्थापित जैकवेल गेट (2 नग) के मरम्मत एवं अनुरक्षण कार्य।	शहडोल	2.84
12.	2024_WRD_340385	बाणसागर त्योथर उद्वहन सिंचाई योजना के 33/66 के.व्ही. स्विच यार्ड में सी.टी. के प्रदाय एवं स्थापना का कार्य।	शहडोल	0.89
13.	2024_WRD_340387	पुराने और प्रयुक्त ड्रिलिंग उपकरणों (स्टॉक सामग्री) की नीलामी का कार्य।	शहडोल	0.63
14.	2024_WRD_340388	क्योटी नहर की तिवनी माइनर तथा मंड माइनर पर नये गेट के प्रदाय एवं स्थापित का कार्य।	शहडोल	1.02
15.	2024_WRD_340390	आर.डी. 28.15 कि.मी. एवं क्योटी नहर की आर.डी. 0.00 से 45.00 कि.मी. के सीआर, एचआर एवं स्केप गेटों की ऑयलिंग, ग्रीसिंग एवं रखरखाव कार्य।	शहडोल	1.60
16.	2024_WRD_340392	बाणसागर क्योटी नहर अंतर्गत सलईया माइनर तथा बढ़ौआ माइनर पर नये गेट के प्रदाय एवं स्थापना का कार्य।	शहडोल	0.62
17.	2024_WRD_340398	स्टोर कैम्पस में रखी हुई टी एण्ड पी सामग्री नीलामी का कार्य।	शहडोल	2.70
18.	2024_WRD_340399	स्टोर कैम्पस अंतर्गत रखी हुई टायर, ट्यूब, बैटरी एवं अन्य सामग्री नीलामी का कार्य।	शहडोल	2.40
19.	2024_WRD_345136	सम्राट अशोक सागर परियोजना की एल.बी.सी. की वितरिकी क्र. 3 की आर.एम.-2 की आर.डी. 570 मी. से आर.डी. 840 मी. के मध्य में सीमेंट लायनिंग कार्य।	विदिशा	3.81
20.	2024_WRD_347333	तवा दायीं तट कैनाल के चैनेज 679 स्केप गेट एवं सी.आर. गेट 595 के पिकअप वियर का मरम्मत कार्य।	नर्मदापुरम	0.82
21.	2024_WRD_347337	तवा एच.बी.सी. के 16610 के सी.आर. एवं एच.आर. गेट का मरम्मत का कार्य।	नर्मदापुरम	1.18
22.	2024_WRD_347378	कुण्डालिया वृहद परियोजना के सेडल बांध की सीपेज ड्रेन से जल निकासी हेतु सी.सी. चेंबर एवं पाइप लाइन का कार्य।	राजगढ़	15.50
23.	2024_WRD_347753	रीवा जिले के बांधों एवं जलाशयों के जलद्वार के मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	रीवा	3.32
24.	2024_WRD_347754	सतना जिले के बांधों एवं जलाशयों के जलद्वार के मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	रीवा	1.69
25.	2024_WRD_347755	सीधी जिले के 14 नग लघु जलाशयों में स्थापित 16 नग जलद्वारों के मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	रीवा	2.16
26.	2024_WRD_347756	अनुपपूर जिले के 28 नग जलाशयों में स्थापित 35 नग जलद्वारों के मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	रीवा	2.85
27.	2024_WRD_347757	अनुपपूर जिले के।4 नग जलाशयों में स्थापित 17 नग जलद्वारों के मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	रीवा	1.34
28.	2024_WRD_347758	अनुपपूर जिले के 09 नग जलाशयों में स्थापित 10 नग जलद्वारों के मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	रीवा	0.90
29.	2024_WRD_347759	शहडोल जिले के स्थित 19 नग जलाशयों में स्थापित 24 नग जलद्वारों के मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	रीवा	1.72
30.	2024_WRD_347760	शहडोल जिले के स्थित 11 नग जलाशयों में स्थापित 15 नग जलद्वारों के मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	रीवा	1.03
31.	2024_WRD_347761	शहडोल जिले में स्थित 10 नग जलाशयों में स्थापित 14 नग जलद्वारों के मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	रीवा	0.96
32.	2024_WRD_347762	शहडोल जिले में स्थित 27 नग जलाशयों में स्थापित 31 नग जलद्वारों के मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	रीवा	2.37
33.	2024_WRD_347763	शहडोल जिले के 15 नग लघु जलाशयों योजनाओं में स्थापित 22 नग जलद्वारों के मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	रीवा	2.57
34.	2024_WRD_347764	बरचर मध्यम जलाशय योजना एवं काचन एवं माढ़ी जलाशय योजनाओं में स्थापित कुल 04 नग जलद्वारों के मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	रीवा	0.79
35.	2024_WRD_347765	उमरिया जिले के स्थापित बांधों एवं जलाशयों के जलद्वारों के मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	रीवा	2.50
36.	2024_WRD_347766	धनवाही व्यापवर्तन योजना के जलद्वारों होइस्ट असेम्बली एवं अन्य सम्बद्ध संयंत्रों के मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	रीवा	2.50
37.	2024_WRD_347785	रीवा जिले के बांधों एवं जलाशयों के जलद्वारों का मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	रीवा	1.62
38.	2024_WRD_347787	सम्राट अशोक सागर परियोजना विदिशा दायीं तट नहर की लघु नहर आर.एम. 3 आर.डी. 846 मी. से 1026 मी. की सी.सी. लाइनिंग का कार्य।	विदिशा	3.64
39.	2024_WRD_347788	रामपुरा परसुखेड़ी बैराज का मरम्मत कार्य।	विदिशा	7.31
40.	2024_WRD_347817	पवई मध्यम सिंचाई परियोजना हेतु कुशल, अकुशल एवं अर्द्धकुशल श्रमिकों का प्रदाय।	पन्ना	16.05
41.	2024_WRD_348793	बरियारपुर मुख्य नहर एवं माइनरों की लाइनिंग का कार्य।	छतरपुर	7.12
42.	2024_WRD_349185	संभाग नीमच और उपसंभाग जावद के मध्यम तालाबों के स्लूस गेटों के मरम्मत कार्य।	उज्जैन	0.63
43.	2024_WRD_349188	जी.एस. डेम पर गेन्ट्री क्रेन की पेंटिंग का कार्य।	उज्जैन	0.75
44.	2024_WRD_349199	लाइट मशीनरी एवं वि./यां. उपसंभाग जी.एस. डेम कार्य हेतु निरीक्षण वाहन किराये पर लेना।	उज्जैन	3.72
45.	2024_WRD_349201	चम्बलेश्वर तालाब के स्लूस गेट के मरम्मत कार्य।	उज्जैन	1.46
46.	2024_WRD_349203	जीएस डेम में 55 एचपी की वैकल्पिक मोटर हेतु।	उज्जैन	0.88
47.	2024_WRD_349204	रामपुरा रिंग बन्ड के पम्प हाउस को डिसमेन्टल का कार्य।	उज्जैन	0.81
48.	2024_WRD_349919	स्वारा भवन, भोपाल के वातानुकूलक टैंक प्रणाली चिलर प्लान्ट का वार्षिक रखरखाव एवं सुधार का कार्य।	भोपाल	11.95
49.	2024_WRD_349920	जल संसाधन विभाग, भोपाल के विभिन्न कार्यालयों में लेखन सामग्री का प्रदाय।	भोपाल	10.45
50.	2024_WRD_349922	स्वारा भवन, भोपाल की ई.पी.ए.बी. एक्स प्रणाली का वार्षिक रखरखाव का कार्य।	भोपाल	1.83
51.	2024_WRD_350175	पूर्णा जलाशय के एप्रोच रोड का मरम्मत कार्य।	बैतूल	4.97
52.	2024_WRD_350176	मच्छी जलाशय के पक्के कार्यों का मरम्मत कार्य।	बैतूल	4.93
53.	2024_WRD_350718	पोलाडोंगर तालाब का शीर्ष कार्य का वार्षिक अनुरक्षण कार्य।	मंदसौर	19.40
54.	2024_WRD_350752	कुंड जलाशय की नहर आर.बी.सी. आर.डी. 980 मी. पर क्षतिग्रस्त एक्वाडक्ट का मरम्मत कार्य।	बैतूल	1.98
55.	2024_WRD_350753	भीमपुर जलाशय के वेस्टवियर का मरम्मत कार्य।	बैतूल	3.56
56.	2024_WRD_351431	छिन्दवाड़ा जिले की चार जल प्रवाह मापन स्थल कन्हान नदी ग्राम बीजागौरा, ग्राम हिरदागढ़, जाम नदी ग्राम लोधीखेड़ा पेंच नदी पर ग्राम पलटवाड़ा के पास से जल विज्ञानी आकड़े एकत्र करना।	नर्मदापुरम	19.51
57.	2024_WRD_351858	उपसंभाग बिलोडा तालाब के स्पिल चैनल का मरम्मत कार्य।	राजगढ़	12.73
58.	2024_WRD_351859	उपसंभाग बावड़ीखेड़ा तालाब के स्पिल चैनल का मरम्मत कार्य।	राजगढ़	3.31
59.	2024_WRD_351866	कुशलपुरा मध्यम परियोजना हेतु सुरक्षा गार्ड का प्रदाय।	राजगढ़	8.52
60.	2024_WRD_351873	छापी मध्यम परियोजना पर सुरक्षा गार्ड का प्रदाय।	राजगढ़	8.52
61.	2024_WRD_352217	बी.एल.सी. परियोजना की माइनर्स एवं वितरिकाओं का मरम्मत कार्य।	छतरपुर	6.48
62.	2024_WRD_352797	सिंध परियोजना द्वितीय चरण की उकायाला उच्चस्तरीय मुख्य नहर (लालपुर पिकअप वियर के पश्चात) का लायनिंग एवं अर्थवर्क का मरम्मत कार्य।	शिवपुरी	17.29
63.	2024_WRD_352857	रलायता, ढाबला देवल, निम्बोद, नकेड़िया, फतेहपुर चिकली, आसावती, चौसला, टकरावद, आसपुर, बनी एवं रहीमगढ़ तालाबों का मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	मंदसौर	10.62
64.	2024_WRD_352969	केन-बेतवा लिंक परियोजना, जल संसाधन संभाग क्र.1 पवई के आवासीय एवं कार्यालय भवन का मरम्मत कार्य।	पन्ना	16.80
65.	2024_WRD_352995	तिघरा बांध के रेडियल गेट, स्लूस गेट एवं गेंट्री क्रेन का वार्षिक का मरम्मत कार्य।	ग्वालियर	2.27
66.	2024_WRD_353288	नरसिंहगढ़ के 13 नग बैराजों के गेट लगाने एवं निकालने का कार्य।	राजगढ़	14.06
		कुल योग		**314.81**

SHRI RAVINDRANATH TAGORE INSTITUTE OF PROFESSIONAL STUDIES
Village-Morghadi, Tehsil-Punasa
Distt.-Khandwa (M.P.)
Run By- Anjuman Tarakki Alpasankhyak Shiksha Prasar Samiti
(Approved by AICTE Affiliated Davv Indore)

REQUIRED FOR M.B.A. PROGRAMME

Director- 01 Professor-02
Associate Professor-03 Lecturer-05

Eligibility - As per AICTE Norms, Salary-As per AICTE & State Govt. Norms. Hand Written Application with Photocopy of Certificates to Passport Size Latest Photographs and Details Resume should be Send to :

E-mail-ID - shriravindranathtagore@gmail.com
Contact - 98262-27588, 99266-00535
R-49803/2024

R.D. MEMORIAL COLLEGE
Village-Datoda Tehsil Mhow Distt. Indore (M.P.)
Run By - Rajiv Jan Vikas Parishad
(Approved by AICTE Affiliated Davv Indore)

REQUIRED FOR M.B.A. PROGRAMME

Director- 01 Professor-02
Associate Professor-03 Lecturer-08

Eligibility - As per AICTE Norms, Salary-As per AICTE & State Govt. Norms. Hand Written Application with Photocopy of Certificates to Passport Size Latest Photographs and Details Resume should be Send to :

E-mail-ID - rdmemorialindore@gmail.com
Contact - 94250-70839, 95847-67000
R-49804/2024

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल

ईमेल - ceproc.encwrd.bpl@nic.in, फोन - 0755-2767635, फैक्स - 0755-2552406

शुद्धि पत्र

इस कार्यालय द्वारा जारी निविदा सूचना क्रमांक 1065 दिनांक 07.06.2024 के स्थान पर यह निविदा निम्नानुसार पढ़ी जावे। निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 29.07.2024 को 17.30 बजे तक** क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2024_WRD_349114	टर्न की पद्धति पर :– केन बेतवा लिंक नहर PH-1 अंतर्गत प्रेशराइज्ड पाइप सिंचाई नेटवर्क का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	छतरपुर	105397/-
2.	2024_WRD_349116	टर्न की पद्धति पर :– बरियारपुर बायीं तट नहर परियोजना अंतर्गत 38890 हेक्टेयर सी.सी.ए. में सिंचाई हेतु बरियारपुर बायीं तट नहर के रेनोवेशन एवं रिमोडलिंग का कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	छतरपुर	17320/-
3.	2024_WRD_349118	टर्न की पद्धति पर :– दौधन बांध के निचले स्तर की टनल से निकलने वाली केन बायीं तट नहर अंतर्गत प्रेशराइज्ड पाइप सिंचाई नेटवर्क का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	छतरपुर	350000/-
4.	2024_WRD_349120	टर्न की पद्धति पर :– केन बेतवा लिंक नहर PH-2 & PH-3 के कमांड अंतर्गत प्रेशराइज्ड पाइप सिंचाई नेटवर्क का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	छतरपुर	117500/-
5.	2024_WRD_349122	टर्न की पद्धति पर :– केन बेतवा लिंक नहर PH-4 & PH-5 के कमांड अंतर्गत प्रेशराइज्ड पाइप सिंचाई नेटवर्क का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	छतरपुर	85000/-
6.	2024_WRD_349124	टर्न की पद्धति पर :– केन बेतवा लिंक नहर PH-6 & PH-7 के कमांड अंतर्गत प्रेशराइज्ड पाइप सिंचाई नेटवर्क का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं	टीकमगढ़/ निवाड़ी	113000/-

निविदा की अन्य शर्तें यथावत रहेंगी।

जी-12864/49786/2024 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

कार्यालय अपर संचालक/प्राचार्य परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र

सिरोजा सागर, सागर संभाग, अनुसूचित जाति पो. मै. बालक छात्रावास के सामने, सागर
ई-मेल : Principalpetcsgr@gmail.com

क्रमांक/85/प्रशि./पी.ई.टी.सी./2024-25 **सागर, दिनांक : 21.06.2024**

अंशकालीन अतिथि व्याख्याताओं के चयन हेतु विज्ञप्ति 2024-25

म.प्र. शासन, अनुसूचित जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केंद्र सागर में म.प्र. के अनुसूचित जाति एवं जनजाति के प्रशिक्षार्थियों को मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा परीक्षा बैंकिंग रेलवे, एस.एस.सी. कर्मचारी चयन मण्डल द्वारा आयोजित की जाने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ-साथ नर्सिंग प्रवेश परीक्षा (PNST, GNST) की तैयारी के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। उक्त परीक्षाओं में प्रशिक्षण देने के लिए अतिथि व्याख्याताओं के चयन हेतु योग्य एवं अनुभवी उम्मीदवारों से आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। अतिथि व्याख्याताओं के लिए निर्धारित योग्यता एवं अनुभव निम्नानुसार रहेगा।

1. उम्मीदवार प्रथम श्रेणी में स्नातकोत्तर उपाधि धारक हो साथ ही ऐसे प्रतिष्ठित कोचिग संस्थान जहां से प्रशिक्षाणार्थियों का चयन प्रतियोगी परीक्षा में होता रहा हो, में अध्यापन का कम से कम 5 साल का अनुभव होना आवश्यक है।
2. योग्य उम्मीदवारों का पैनल बनाकर समय-समय पर आयोजित होने वाले प्रशिक्षण में व्याख्याताओं को व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया जावेगा एवं उन्हें शासन द्वारा नियत मानदेय का नियमानुसार भुगतान किया जावेगा। जो वर्तमान में 90 मिनिट का रूपये 800/- है।
3. आवेदन प्रारूप में अतिथि व्याख्याताओं द्वारा पढ़ाये जाने वाले विषयों एवं संबंधित प्रतियोगी परीक्षाओं का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जाना अनिवार्य है।
4. प्राप्त आवेदन पत्रों में से योग्य उम्मीदवारों का चयन राज्य शासन के निर्देशों के पालन में केंद्र में गठित समिति द्वारा किया जावेगा, जिसका निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

निर्धारित अर्हता रखने वाले उम्मीदवार अपना आवेदन संलग्न प्रारूप में शैक्षणिक अभिलेखों व अनुभव प्रमाण पत्र की छाया प्रतियों के साथ **दिनांक 15.07.2024 तक** कार्यालय की **ई-मेल Principalpetcsgr@gmail.com पर** अथवा कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से कार्यलयीन समय में जमा कर सकते हैं।

प्राचार्य

G-13016/R-49806/2024 **शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, सिरोजा सागर**

कार्यालय प्राचार्य, इन्दौर महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालय राजेन्द्र नगर, इन्दौर (म.प्र.)

(शासन द्वारा स्वशासी घोषित)
वेबसाइट : www.gwpci.org, ई-मेल आईडी : prinwpoly.ind@mp.gov.in

क्रमांक/इमपोमइ/स्था./2024/1056 **इन्दौर, दिनांक : 04.07.2024**

"विशेष भर्ती अभियान के अन्तर्गत दिव्यांगजनों के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु विज्ञापन"

कार्यालय आयुक्त, तकनीकी शिक्षा मध्यप्रदेश के पत्र क्र./स्था/3/डी/2024/741 भोपाल दिनांक 10.06.2024 के निर्देशानुसार इस संस्था हेतु निःशक्तजन के लिये चिन्हांकित निम्नलिखित रिक्त पदों की पूर्ति **वाक-इन-इन्टरव्यू** के माध्यम से किये जाने के लिए निर्धारित योग्यता एवं शैक्षणिक अर्हता रखने वाले मध्यप्रदेश के मूल निवासी एवं रोज़गार कार्यालय में जीवित पंजीकृत दिव्यांगजन आवेदकों से निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र एवं मूल दस्तावेज के साथ **दिनांक 13.07.2024 को प्रातः 10.00 बजे से सायं 05 बजे तक** स्वयं उपस्थित होवें। पदों का विवरण एवं शैक्षणिक योग्यता निम्नानुसार है :-

स.क्र.	विज्ञापित पद का नाम	वेतनमान	पदों की संख्या	श्रेणी	अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता
1.	प्रयोगशाला परिचारक (चतुर्थ श्रेणी)	15500-49000	01	दृष्टि बाधित और कम दृष्टि बाधित	कक्षा 10वीं साइंस विषय के साथ उत्तीर्ण।

आवश्यक शर्तें :-

1. आवेदक मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना चाहिये।
2. आवेदक का रोज़गार कार्यालय में जीवित पंजीयन होना अनिवार्य है।
3. अन्य शासकीय विभाग में कार्यरत शासकीय कर्मचारी द्वारा उसके नियुक्ति अधिकारी का अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
4. आवेदक द्वारा समस्त प्रमाण पत्रों की स्व-प्रमाणित/सक्षम अधिकारी द्वारा सत्यापित छाया प्रतियों के 02 सेट साक्षात्कार के समय अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करना होगा। प्रमाण पत्रों के अभाव में आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा। आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को सक्षम अधिकारी द्वारा जारी किया गया डिजीटल जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
5. पासपोर्ट आकार के 02 नवीनतम रंगीन फोटो अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने होंगे।
6. सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक सी-3-11/12/1/3, भोपाल दिनांक 03 नवम्बर 2012 के अनुसार दिनांक 01.01.2024 की स्थिति में आवेदक की आयु अधिकतम 40 वर्ष एवं न्यूनतम 18 वर्ष होना अनिवार्य है। आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को नियमानुसार 05 वर्ष की छूट का प्रावधान है।
7. यदि आवेदक की दो से अधिक जीवित संताने है एवं जिसमें से एक संन्तान का जन्म 26.01.2001 या उसके पश्चात हुआ है, तो ऐसे आवेदक शासन के निर्देशानुसार नियुक्ति के पात्र नहीं होंगे।
8. कोई उम्मीदवार जिसने शासन द्वारा विवाह के लिये नियत की गई न्यूनतम आयु के पूर्व विवाह कर लिया हो वे नियुक्ति के पात्र नहीं होंगे। महिला उम्मीदवार के लिये विवाह हेतु निर्धारित न्यूनतम उम्र 18 वर्ष एवं पुरुष उम्मीदवार के लिये 21 वर्ष है।
9. चयन के मामले में चयन समिति का निर्णय अंतिम एवं मान्य होगा। विज्ञप्ति के पदों पर नियुक्ति करने अथवा न करने का अधिकार संस्था प्रमुख के पास सुरक्षित होगा।
10. मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन, भोपाल के पत्र क्र. सी-3-13/2019/3/एक, दिनांक 12.12.2019 के अनुसार नियुक्त 03 वर्ष की परीवीक्षा अवधि पर परिपत्र अनुसार वेतनमान के न्यूनतम का प्रथम वर्ष 70 प्रतिशत द्वितीय वर्ष 80 प्रतिशत एवं तृतीय वर्ष 90 प्रतिशत राशि स्टायफण्ड के रूप में देय होगी। परीवीक्षा अवधि सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर वेतनमान में वेतन दिया जाना प्रारंभ किया जावेगा।
11. आवेदक को नियमानुसार जिला मेडिकल बोर्ड द्वारा निर्धारित प्रपत्र में विकलांगता/निःशक्तता का प्रमाण पत्र जिसमें विकलांगता/निःशक्तता का प्रतिशत स्पष्ट दर्शाया गया हो, प्रमाण पत्र साक्षात्कार के समय प्रस्तुत करना होगा। सामान्य प्रशासन विभाग के ज्ञाप. क्रमांक एफ-8-3/2013/आ.प्र./एक, भोपाल दिनांक 17 जुलाई 2014 के अनुसार निःशक्तता प्रमाण पत्रों का परीक्षण संबंधित जिले के जिला मेडिकल बोर्ड से कराया जावेगा। जाँच में यदि 40 प्रतिशत या अधिक निःशक्तता पायी जाती है तभी उम्मीदवार को कार्यभार ग्रहण करने की अनुमति होगी। किसी भी अन्य प्रकार के प्रमाण पत्र को स्वीकार नहीं किया जावेगा।
12. उम्मीदवार को संबंधित पद की उपयुक्तता के लिये अधीक्षक भारत सरकार श्रम मंत्रालय द्वारा विकलांगों हेतु व्यावसायिक पुनर्वास केन्द्र नेपियर टाउन जबलपुर द्वारा विकलांगता सह उपयुक्तता प्रमाण पत्र प्राप्त करने के पश्चात ही नियुक्ति की जावेगी।
13. पदों, शैक्षणिक अर्हता, अनुभव एवं आयु से संबंधित विस्तृत जानकारी तथा आवेदन पत्र का प्रारूप प्राचार्य, शास. महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, राजेन्द्र नगर, इन्दौर की वेबसाइट **www.gwpci.org** से डाउनलोड किया जा सकता है।
14. इन्दौर महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालय इन्दौर शासन द्वारा स्वशासी घोषित है। इस स्वशासी संस्था में होने वाली नियुक्तियाँ स्वशासी के अन्तर्गत होंगी।

प्राचार्य

G-12999/R-49805/2024 **इन्दौर महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, राजेन्द्र नगर, इन्दौर (म.प्र.)**

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

हिन्दी साहित्य

1. देवकीनंदन खत्री का उपन्यास 'चन्द्रकांता' किस श्रेणी का है?
अ. सामाजिक ब. तिलिस्मी
स. जासूसी द. रोमानी
उत्तर- ब. तिलिस्मी

2. 'भाग्यवती' उपन्यास किसकी कृति है?
अ. बालकृष्ण भट्ट
ब. शिवप्रसाद 'सितारे हिंद'
स. श्रद्धाराम फिल्लौरी
द. भारतेंदु हरिश्चन्द्र
उत्तर- स. श्रद्धाराम फिल्लौरी

3. 'श्यामा स्वप्न' उपन्यास के लेख कौन हैं?
अ. लज्जाराम शर्मा
ब. जगमोहन सिंह
स. राधिका रमण प्रसाद सिंह
द. ब्रजनंदन सिंह
उत्तर- ब. जगमोहन सिंह

4. 'निःसहाय हिन्दू' उपन्यास के लेखक कौन हैं?
अ. श्रद्धा राम फल्लौरी
ब. राधाकृष्ण दास
स. किशोरी लाल गोस्वामी
द. जगमोहन सिंह
उत्तर- ब. राधाकृष्ण दास

5. 'अधखिला फूल' किस प्रकार का उपन्यास है?
अ. तिलिस्मी ब. जासूसी
स. सामाजिक द. ऐतिहासिक
उत्तर- स. सामाजिक

6. 'ठेठ हिन्दी का ठाठ' उपन्यास के लेखक कौन हैं?
अ. महावीर प्रसाद द्विवेदी
ब. बालकृष्ण भट्ट
स. मैथली शरण गुप्त
द. अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
उत्तर- द. अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

7. इनमें से कौनसा उपन्यास पत्रात्मक शैली में लिखा गया है?
अ. चंद हसीनों के खतूत
ब. परख
स. चित्रलेखा
द. निर्माला
उत्तर- अ. चंद हसीनों के खतूत

8. पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र' के किस बहुचर्चित उपन्यास को बनारसी दास चतुर्वेदी ने 'घासलेटी साहित्य' कहा था?
अ. घंटा
ब. फागुन के दिन चार
स. दिल्ली का दलाल
द. चाकलेट
उत्तर- द. चाकलेट

9. इनमें से भारतेंदु का कौनसा नाटक शेक्सपियर के 'मर्चेंट ऑफ वनिस' का अनुवाद है?
अ. दुर्लभ बंधु
ब. पाखंड विडंबन
स. विषस्य विषमौषधम्
द. अंधेर नगरी
उत्तर- अ. दुर्लभ बंधु

10. 'नल-दमयंती स्वयंवर' नाटक किसकी रचना है?
अ. भारतेंदु हरिश्चन्द्र
ब. बालकृष्ण भट्ट
स. देवकीनंदन खत्री
द. प्राण चंद्र चौहान
उत्तर- ब. बालकृष्ण भट्ट

11. मोहन राकेश का कौनसा नाटक अधूरा है?
अ. पैरों तले की जमीन
ब. लहरों के राजहंस
स. आषाढ़ का एक दिन
द. आधे-अधूरे
उत्तर- अ. पैरों तले की जमीन

12. 'कृष्णार्जुन युद्ध' नाटक किसने लिखा है?
अ. वृंदावन लाल वर्मा
ब. माखनलाल चतुर्वेदी
स. धर्मवीर भारती
द. भारतेंदु हरिश्चन्द्र
उत्तर- ब. माखनलाल चतुर्वेदी

13. 'अंधेर नगरी' किस प्रकार की कृति है?
अ. एकांकी ब. रूपक
स. प्रहसन द. भाषा
उत्तर- स. प्रहसन

14. 'कोणार्क' नाटक किस लेखक का लिखा हुआ है?
अ. हरिकृष्ण प्रेमी
ब. उदय शंकर भट्ट
स. जगदीश चन्द्र माथुर
द. चतुर सेन शास्त्री
उत्तर- स. जगदीश चन्द्र माथुर

15. लक्ष्मी नारायण लाल के किस नाटक में प्रेम और विवाह को कला-साधना के परिप्रेक्ष्य में देखा गया है?
अ. पंच पुरुष ब. मादा कैक्टस
स. अंधा कुआं द. रात रानी
उत्तर- ब. मादा कैक्टस

16. 'कबिरा खड़ा बाजार में' नाटक किसी रचना है?
अ. भीष्म साहनी
ब. नरेश मेहता
स. मुद्रा राक्षस
द. गिरीश कर्नाड
उत्तर- अ. भीष्म साहनी

17. 'यदि गद्य कवियों या लेखकों की कसौटी है तो निबंध गद्य की कसौटी' यह विचार किसका का है?
अ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
ब. रामचन्द्र शुक्ल
स. विद्यानिवास मिश्र
द. कुबेरनाथ राय
उत्तर- ब. रामचन्द्र शुक्ल

18. 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' निबंध किसकी रचना है?
अ. प्रताप नारायण मिश्र
ब. बालकृष्ण भट्ट
स. सरदार पूर्ण सिंह
द. हजारी प्रसाद द्विवेदी
उत्तर- द. हजारी प्रसाद द्विवेदी

19. 'बैर क्रोध का अचार या मुरब्बा है' यह कथन किस निबंधकार के निबंध से उद्धृत है?
अ. प्रताप नारायण मिश्र
ब. बालमुकुंद गुप्त
स. बाबू गुलाब राय
द. रामचन्द शुक्ल
उत्तर- द. रामचन्द्र शुक्ल

20. 'गेहूं और गुलाब' निबंध किस लेखक का है?
अ. रामवृक्ष बेनीपुरी
ब. जैनेंद्र कुमार
स. रामधारी सिंह दिनकर
द. उपेन्द्रनाथ अश्क
उत्तर- अ. रामवृक्ष बेनीपुरी

21. 'दूसरी परंपरा की खोज' पुस्तक के लेखक कौन हैं?
अ. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
ब. हजारी प्रसाद द्विवेदी
स. राम विलास शर्मा
द. नामवर सिंह
उत्तर- द. नामवर सिंह

22. 'कविता क्या है' शीर्षक निबंध किसका है?
अ. महादेवी वर्मा
ब. सूर्यकांत त्रिपाठ 'निराला'
स. अज्ञेय
द. रामचन्द्र शुक्ल
उत्तर- द. रामचन्द्र शुक्ल

23. कृष्ण बिहारी मिश्र ने अपनी पुस्तक देव और बिहारी में आलोचना की कौनसी पद्धति अपनाई है?
अ. अनुसंधान परक
ब. शोध परक
स. तुलनात्मक
द. परिचयात्मक
उत्तर- स. तुलनात्मक

24. इनमें से कौन सी कृति निबंध की श्रेणी में रखी जाती है?
अ. लिखि कागद कोरे
ब. स्वप्नों की खोज
स. संवाद तुमसे साखी
द. इतिहास हंता
उत्तर- अ. लिखि कागद कोरे

25. 'माटी की मूरतें' किस लेखक की रचना है?
अ. अमृतलाल नागर
ब. शिव पूजन सहाय
स. रामवृक्ष बेनीपुरी
द. बनारसी दास चतुर्वेदी
उत्तर- स. रामवृक्ष बेनीपुरी

26. इनमें से कौनसी रचना उपेन्द्र नाथ 'अश्क' की है?
अ. जिंदगी मुस्कुराई
ब. लाल तारा
स. मंटो मेरा दुश्मन
द. वट पीपल
उत्तर- स. मंटो मेरा दुश्मन

27. मार्च, 1939 में 'हंस का रेखाचित्र विशेषांक' किसके संपादन में निकला?
अ. प्रेमचंद ब. श्रीपत राय
स. अमृतराय द. यशपाल
उत्तर- ब. श्रीपत राय

28. हरिवंश राय बच्चन ने अपनी किस संस्मरणात्मक कृति में हिन्दी साहित्य की सीमा और शक्ति का अंकन किया है?
अ. नीड़ का निर्माण द्वार
ब. नए-पुराने झरोखे
स. दस द्वार से सोपान तक
द. क्या भुलूं क्या याद करूं
उत्तर- ब. नए-पुराने झरोखे

29. इन रचनाओं में से कौनसी रचना राहुल सांकृत्यायन की नहीं है?
अ. क्षणदा
ब. जिनका मैं कृतज्ञ
स. बचपन की स्मृतियां
द. मेरे असहयोग के साथी
उत्तर- अ. क्षणदा

30. इनमें से मन्मथनाथ गुप्त की संस्मरणात्मक कृति कौनसी है?
अ. जिनके साथ जिया
ब. क्रांति युग के संस्मरण
स. जिन्होंने जीवा जाना
द. स्मारिका
उत्तर- ब. क्रांति युग के संस्मरण

31. 'अरे यायावर! रहेगा याद' किसकी रचना है?
अ. अज्ञेय
ब. राहुल सांकृत्यायन
स. नागार्जुन
द. शंकरदयाल सिंह
उत्तर- अ. अज्ञेय

32. 'उड़ते चलो, उड़ते चलो' किसकी रचना है?
अ. रावृक्ष बेनीपुरी
ब. राहुल सांकृत्यायन
स. मोहन राकेश
द. विद्यानिवास मिश्र
उत्तर- अ. रावृक्ष बेनीपुरी

33. 'एक बूंद सहसा उछली' के लेखक कौन हैं?
अ. धर्मवीर भारती
ब. अज्ञेय
स. दिकर
द. अजित कुमार
उत्तर- ब. अज्ञेय

34. इनमें से कौनसी रचना धर्मवीर भारती की है?
अ. ठेले पर हिमालय
ब. आखिरी बात
स. सागर की लहरों पर
द. सुमित्रानंदन पंत
उत्तर- अ. ठेले पर हिमालय

35. पैरों में पंख बांधकर' किसकी रचना है?
अ. राहुल सांकृत्यायन
ब. निर्मल वर्मा
स. रामवृक्ष बेनीपुरी
द. सुमित्रानंदन पंत
उत्तर- स. रामवृक्ष बेनीपुरी

36. हिंदी का पहला रिपोर्ताज कौनसा है?
अ. वे लड़ेंगे हजार साल
ब. बंगाल का अकाल
स. बाढ़!बाढ़!!बाढ़!!!
द. लक्ष्मीपुरा
उत्तर- द. लक्ष्मीपुरा

37. प्लॉट का मोर्चा रिपोर्ताज किसने लिखा है?
अ. कमलेश्वर
ब. फणीश्वर नाथ 'रेणु'
स. रामनारायण उपाध्याय
द. शमशेर बहादुर सिंह
उत्तर- द. शमशेर बहादुर सिंह

38. 'एकलव्य के नोट्स' किसकी रचना है?
अ. विवेकी राय
ब. रांगेय राघव
स. फणीश्वर नाथ रेणु
द. शमशेर बहादुर सिंह
उत्तर- स. फणीश्वर नाथ रेणु

39. 'अपोलो का रथ' किसी रचना है?
अ. श्रीकांत वर्मा ब. अज्ञेय
स. कमलेश्वर द. निर्मल वर्मा
उत्तर- अ. श्रीकांत वर्मा

40. 'रिपोर्ताज' किस भाषा का शब्द है?
अ. रूसी ब. फ्रांसीसी
स. जर्मन द. अंग्रजी
उत्तर- ब. फ्रांसीसी

41. हिंदी गद्य में साक्षात्कार विधा का प्रवर्तन किसने किया?
अ. संपूर्णानंद
ब. बनारसी दास चतुर्वेदी
स. जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी
द. डॉ. सत्येंद्र
उत्तर- ब. बनारसी दास चतुर्वेदी

42. अंग्रजी में लिखित पत्र-संग्रह 'पिता के पत्र पुत्री के नाम' में किसके पत्र संकलित हैं?
अ. महात्मा गांधी
ब. राजेंद्र प्रसाद
स. जवाहरलाल नेहरू
द. पुरषोत्तमदास टंडन
उत्तर- स. जवाहरलाल नेहरू

43. इन खतों से खुशबू आती है 'पत्र संग्रह में संग्रहीत पत्र' किसके नाम से हैं?
अ. अज्ञेय
ब. विद्यानिवास मिश्र
स. कुबेर नाथ राय
द. शंकरदयाल सिंह
उत्तर- द. शंकरदयाल सिंह

44. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के पत्रों का संपादन किसने किया है?
अ. जनकी वल्लभ शास्त्री
ब. सुमित्रानंदन पंत
स. धीरेन्द्र वर्मा
द. राम कुमार वर्मा
उत्तर- अ. जनकी वल्लभ शास्त्री

45. 'पंत के दो सौ पत्र बच्चन के नाम' नामक पत्र संग्रह के संपादक कौन हैं?
अ. हरिवंशराय बच्चन
ब. सुमित्रानंदन पंत
स. शांति जोशी
द. शची रानी गुर्टू
उत्तर- अ. हरिवंशराय बच्चन

46. इनमें से हिन्दी का पहला पत्र कौनसा है?
अ. मार्तड
ब. उदंत मार्तण्ड
स. संवाद कौमुदी
द. बंगाल गजट
उत्तर- ब. उदंत मार्तण्ड

47. 'कवि वचन सुधा' पत्रिका का प्रकाशन किस साहित्यकार ने आरंभ किया?
अ. बालकृष्ण भट्ट
ब. प्रताप नारायण मिश्र
स. बाल मुकुंद गुप्त
द. भारतेंदु हरिश्चन्द्र
उत्तर- द. भारतेंदु हरिश्चन्द्र

48. 'बनारस अखबार' के संपादक कौन थे?
अ. राजा शिवप्रसाद
ब. राजा लक्ष्मण सिंह
स. लल्लू लाल
द. भारतेंदु हरिश्चंद्र
उत्तर- अ. राजा शिवप्रसाद

49. 'कर्म है अपना जीवन प्राण, कर्म पर हो जाओ बलिदान' यह पंक्ति किस पत्र का संपादकीय आदर्श थी?
अ. हिन्दी नवजीवन
ब. अभ्युदय
स. कर्मवीर
द. जागरण
उत्तर- स. कर्मवीर

50. 'उदंत मार्तण्ड' समाचार पत्र के प्रथम संपादक कौन थे?
अ. राजराम मोहन राय
ब. राज लक्ष्मण सिंह
स. श्याम सुंदर राय
द. जुगल किशोर शुक्ल
उत्तर- द. जुगल किशोर शुक्ल

- डॉ. राम मनोहर उपाध्याय
(लेखक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के जनसंचार विभाग में अतिथि शिक्षक हैं।)

हमारा जिला - देवास

ऐतिहासिक स्थलों, प्राकृतिक सुन्दरता और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का जिला है देवास

मध्यप्रदेश विविधता से समृद्ध है। प्रदेश के हर क्षेत्र की अपनी विशेषता है, क्षमता है और दक्षता है। यहां का प्रत्येक जिला अपना इतिहास, कला, संस्कृति, परंपरा, उपज और अन्य क्षेत्रीय विशेषताएं लिए हुए है। रोज़गार और निर्माण के हमारा जिला स्तम्भ में हम मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से आपको परिचित करवा रहे हैं। इस अंक में प्रस्तुत है देवास जिले का परिचय-

देवास जिला उज्जैन संभाग में मध्यप्रदेश के मध्य पश्चिमी भाग में मालवा के पठार पर स्थित है। इस जिले की सीमाएं उत्तर में उज्जैन जिले से, पश्चिम में इंदौर जिले से, दक्षिण पश्चिम में पश्चिम निमाड़, दक्षिण में पूर्वी निमाड़ से, दक्षिण-पूर्व में होशंगाबाद, पूर्व में सीहोर जिले से उत्तर पूर्व में शाजापुर से घिरी हुई हैं। कर्क रेखा जिले के खातेगांव शहर के दक्षिण में स्थित नेमावर के पास से गुजरती है।

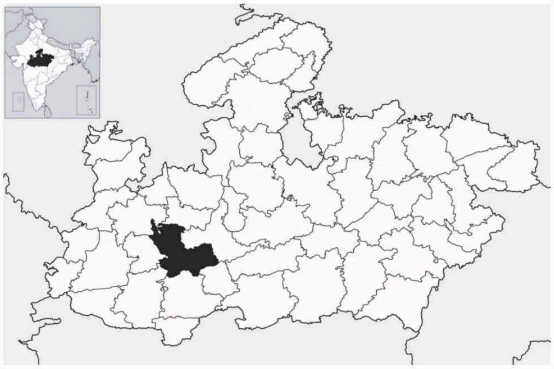

क्षेत्रफल
7020 वर्ग किलोमीटर
आबादी
15,63,715
(वर्ष 2011 की जनगणना अनुसार)
भाषा : हिंदी
घनत्व : 223
पुरुष
8,05,359
(वर्ष 2011 की जनगणना अनुसार)
महिला
7,58,356
(वर्ष 2011 की जनगणना अनुसार)

उत्पादन

सोयाबीन - देवास जिले में उच्च गुणवत्ता का सोयाबीन उत्पादित किया जाता है। सोयाबीन भोजन पशु आहार और कई पैक्ड भोजन के लिए प्रोटीन का एक महत्वपूर्ण और सस्ता स्रोत है।

पुरातत्व इतिहास

देवास का इतिहास वास्तव में संधि के फलस्वरूप बने देवास सीनियर तथा जूनियर राज्यों एवं इसके दूसरे अंग जैसे पूर्व होलकर राज्य की कन्नौद और खातेगांव तहसील से सम्बंधित है। देवास सीनियर शाखा के संस्थापक तुकोजीराव प्रथम थे जो कि पंवार वंश के माने जाते हैं। इनकी मृत्यु 1753 में हुई। इनके उत्तराधिकारी इनके दत्तक पुत्र कृष्णाजीराव हुए। वर्ष 1761 के पश्चात् 1789 में इनके दत्तक पुत्र तुकोजीराव द्वितीय उत्तराधिकारी बने।

दोनों ही राज्यों को पिण्डारी, सिंधिया तथा होलकर के कारण पतन का सामना करना पड़ा। कृष्णाजीराव द्वितीय जो 1860 में रुकमांगद राव के उत्तराधिकारी हुए थे। राज्य का समुचित निर्वहन करने में योग्य साबित नहीं हुए। इनके उत्तराधिकारी तुकोजीराव तृतीय थे जो कि परिवार की अन्य शाखा से दत्तक लिए गए थे। इनकी शिक्षा इंदौर के डेली कॉलेज तथा अजमेर के मेयो कॉलेज में हुई थी। इन्हें राजा एवं हिज-हाइनेस की उपाधि तथा 15 तोपों की सलामी का सम्मान प्राप्त था।

देवास की सन 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। राघौगढ़ (देवास) के ठाकुर दौलत सिंह ने बड़ी हिम्मत के साथ अंग्रेजों से सामना किया था, अंतत: उन्हें कैद कर लिया गया और गुना छावनी में फांसी पर चढ़ा दिया गया था।

जिले के अन्य महत्वपूर्ण भाग में पूर्व होलकर राज्य की कन्नौद तथा खातेगांव तहसील का नेमावर भी है। पौराणिक साहित्य में नेमावर का उल्लेख नाभपुर के रूप है। नेमावर के समीप ही ग्वाल टेकरी को मणीगिर के नाम से भी जाना जाता है।

अकबर के शासनकाल में यह क्षेत्र मालवा सूबा के सरकार हांडिया में होकर नेमावर पंचमहल के रूप में जाना जाता था, जिसमें पांच परगने, नेमावर, सतवास, राजोर, महाल मुख्यालय थे। यह क्षेत्र पेशवाओं के अधीन भी रहा। 1740-45 के दौरान यह क्षेत्र सिंधिया और होलकर में बंट गया। सिंधिया के पास सतवास तथा होलकर के पास कांटाफोड़ रहा। 1806 के आसपास यह पिण्डारियों का भी क्षेत्र में रहा। 1904 में हरणगांव नेमावर में तथा सतवास का विलय कांटाफोड़ में हो गया। 1908 में नेमावर को खातेगांव तथा राजोर को कन्नौद नाम दिया गया, कांटाफोड़ को कन्नौद में मिला दिया गया, जिससे वह नायब तहसीलदार का क्षेत्र मात्र रह गया। 1948 में मध्य भारत के जिले के रूप में आने के पूर्व सोनकच्छ, उज्जैन का तथा नियनपुर धार का हिस्सा थे। 5 फरवरी 1949 के मध्य-भारत गजट की अधिसूचना के अनुसार जिले को 5 तहसीलों में बांटा गया था। देवास तहसील का निर्माण देवास सीनियर एवं जूनियर राज्यों के क्षेत्रों को मिलाकर किया गया। देवास सीनियर के खानखेड़ा तथा उमसोद ग्राम को तथा जूनियर के गोयता, टांडा, गुजर बढ़िया को शाजापुर तहसील में मिला दिया गया। सोनकच्छ तहसील पूर्व सोनकच्छ परगना के ग्रामों से बनाई गई। इसके 200 गांवों को बागली तहसील तथा 26 गांवों को शाजापुर में मिला दिया गया। इस प्रकार बागली तहसील सोनकच्छ परगने के 200 ग्राम, पूर्व देवास सीनियर के शिवपुर मंडिया, तथा बोरखेड़ा पुरभ्या तथा पूर्व धार राज्य के नियनपुर परगने को मिलाकर बनाई गई। पूर्व होलकर राज्य के कन्नौद एवं खातेगांव तहसील में कोई बदलाव नहीं आया।

संस्कृति और विरासत

जिले की मुख्य सांस्कृतिक गतिविधि मालवी गीत हैं। यहां के लोकगीत विवाह, पर्व तथा स्थानीय मेलों की शोभा बढ़ाते हैं। पुरुषों का पारम्परिक परिधान धोती-कुर्त्ता हैं जो सफेद या रंगीन होता है; महिलाओं के परिधान में रंगीन लुगड़ा, ब्लाउज तथा लहंगा मुख्य है। नवरात्रि पर्व पर दुर्गा की प्रतिमा जिले के प्रत्येक भाग में स्थापित की जाती है तथा गरबा नृत्य का आयोजन किया जाता है पश्चिम बंगाल के बाद नवरात्रि का कार्यक्रम देवास में वृहत स्तर पर मनाया जाता है। क्योंकि यहां माँ चामुंडा की प्रसिद्ध टेकरी स्थित है।

देवास शास्त्रीय संगीत का भी प्रसिद्ध केन्द्र है। दो राष्ट्रीय स्तर के संगीत कार्यक्रमों को देवास में मनाया जाता है। इनमें से एक उस्ताद अलाउद्दीन खां अकादमी भोपाल की ओर से जिला प्रशासन के समन्वय में मध्यप्रदेश शासन द्वारा कुमार गन्धर्व समारोह है। दूसरा कार्यक्रम कुमार गन्धर्व संगीत अकादमी द्वारा आयोजित किया जाता है।

पर्यटन स्थल

गिदीया खो

मालवा क्षेत्र ऐतिहासिक स्थलों एवं प्राकृतिक सुन्दरता से भरपूर है। जिले की गिदिया खो रंगारंग, सांस्कृतिक, पृष्ठभूमि तथा पर्यावरण विद्वानों, इतिहासकारों तथा पर्यटकों को भी आकर्षित करती है, इसके शांत वन तथा प्राकृतिक सुंदरता पर्यटकों को सुकून देती है। साथ ही जिले के जनजातीय क्षेत्र में अत्यंत प्राचीन स्थल जिन्हें खुड़ैल देवता कहा जाता है। प्रत्येक पूर्णिमा और अमावस्या को इस स्थान पर जनजातीय पूजन के लिए एकत्र होते हैं। इसके समीप ही एक सुन्दर झरना भी है। यह झरना हरी-भरी घाटी में होकर इंदौर नेमावर रोड से 9 किलोमीटर कि दूरी पर स्थित है। 600 फीट ऊंचाई से गिरती हुई पानी की धारा की बूंदों के कारण यह स्थल जबलपुर के भेड़ाघाट की याद दिलाता है। वर्षाकाल में कई पर्यटक झरने को देखने आते हैं।

पंवार छत्री

पूर्व शासकों (पंवार) की छत्रियां देवास के मीठा तालाब के समीप स्थित हैं। ये छत्रियां मराठा स्थापत्य का सुन्दर नमूना है। छत्रियों का बाहरी स्वरूप भव्य है परन्तु भीतरी हिस्से में बहुत सुन्दर कारीगरी की गई है। ये छत्रियां पूर्व शासकों के कलात्मक स्वरूप को प्रदर्शित करती हैं।

उत्सव

रंग के त्योहार के लिए यह दिन मध्यप्रदेश में अधिक प्रचलित है, विशेष रूप से देवास में। लोग सुगंधित गुलाल डालते हैं और एक दूसरों पर रंगीन पानी इत्यादि भी छिड़कते हैं। देवास में पानी की टंकी और तोपों की अगुवाई में एक जुलूस शहर की परिक्रमा करता है। यह सभी को रंग देता है। लोग इसे बड़े स्तर पर मनाते हैं, रंगपंचमी उत्सव में गायन, नृत्य प्रस्तुत होता है। इस तरह देवास शहर के लोग रंगपंचमी को हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाते हैं।

सिक्के

देवास स्टेट की स्थापना सन् 1726 में तुकोजीराव तथा जीवाजीराव द्वारा की गई जो कि पंवार वंश के थे। ये बाजीराव पेशवा की सेना के साथ मालवा के विजयी अभियान में आए थे। इन्हें अपनी सेवाओं के बदले में, देवास, सारंगपुर तथा आलोट जिले दिए गए। इस राज्य के सिक्कों की ओर विद्वानों का ध्यान सन् 1904 में आकर्षित हुआ। सिक्का से सम्बन्धित कुछ नई तिथि की जानकारी प्राप्त हुई इसके सिक्कों से सम्बन्धित शिक्षा के बारे में इस राज्य की जानकारी प्राप्त हुई।

प्रारम्भ में राज्य के अपने सिक्के नहीं थे बल्कि, इंदौर, उज्जैन, प्रतापगढ़ और कोटा के सिक्कों का ही लेन-देन होता था, परन्तु इन्हें देने से पहले, देवास स्टेट के कुछ सुनारों को यह दायित्व दिया गया कि वे 'जलाधारी' फूलों पर शिवलिंगों को, उभरे हुए फूलों के आकर की नक्काशी करें। इसी प्रकार से, आलोट तथा गढ़गुच्चा से भी चन्द्रमा के गोलाकार प्रतीकचिह्न के तांबे के सिक्के पाए जाते थे। पूर्व में स्टेट में तांबे के सिक्के जिन्हें बराड़ी (बेरार नाम से जाना जाता था) सन् 1876 में पाये गए। सिक्कों के लिए एक कानूनी तजवीज बनाया गया, जो सन् 1895 तक चला। कृष्णाजी राव पंवार के समय सन् 1888 में राज्य के तांबे के सिक्कों को कलकत्ता में भी भारत सरकार, द्वारा प्रारम्भ किया गया। इससे पहले तांबे के पैसे स्थानीय स्तर पर, एक वरिष्ट शाखा द्वारा एक निश्चित समय के लिए, आलोट स्टेट में प्रारम्भ किया गया, जिसे 'आलोट पैसा' कहा जाता था। चालीसवें दशक के अन्त में तथा स्वतंत्रता के तुरन्त पहले, इंदौर के भूतपूर्व शासक श्री विक्रम सिंह की अर्ध- मूर्ति (प्रतिमा) के, तांबे के सिक्के भी प्रारम्भ हुए।

पश्चिमी मध्यप्रदेश प्राचीनकाल में अवंति जनपद का हिस्सा था। देवास जिले के सर्वेक्षण में पस्तीपुरा, पलासी, नेमावर ग्रामों में जीवाश्म तथा पत्थर के औजार पाये गये। इसके अतिरिक्त उत्तर पाषाण काल के औजार सोनकच्छ तहसील के घण्टयाकला गांव में पाये गये हैं।

देवास शहर में चामुण्डा पहाड़ी पर स्थित देवी चामुण्डा की मूर्ति 9-10 शताब्दी (AD) का होना माना जाता है। देवास नाम का उल्लेख नागदा-बिलावली-बांगर-घटीकला के शिलालेखों में भी पाया जाता है। निकलंब ग्राम गुप्तकाल से संबंधित बताया जाता है। देवास जिले में परमारकालीन स्थल होने का भी प्रमाण मिलता है।

कावड़िया हिल्स

जिले की बागली तहसील से लगभग 10 किलोमीटर धाराजी नामक स्थान के पास सात पहाड़िया यानि की कावड़िया हिल्स स्थित हैं।

इन सात पहाड़ियों में लाखों की संख्या में खंबेनुमा पत्थर की रचनाएं हैं। जो षटकोण, पंचकोण, चतुष्कोण तथा त्रिभुजाकार आकृतियों के पत्थरों से बने हुए हैं। विभिन्न आकृतियों के पत्थर मानव निर्मित प्रतीत होते हैं, इन्हें दुनिया का आठवां आश्चर्य भी कहा जा सकता है। वस्तुतः ये ज्वालामुखी विस्फोट से निर्मित हुए हैं इन पथरीले स्तम्भों से धातुओं के समान ध्वनि भी निकलती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार महाबली भीम के द्वारा नर्मदा नदी के प्रवाह की दिशा एक दिन में नापने संबंधी वचन को पूर्ण करने के लिए इन प्रस्तर खम्बों का निर्माण किया था जो महाबली भीम पूर्ण नहीं कर पाये थे।

- देवेन्द्र गोरे (लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं।)

राज्य सेवा परीक्षा 2021 में प्रदेश में हासिल किया पहला स्थान

लक्ष्य के प्रति समर्पण और लगन से मिली सफलता - अंकिता पाटकर

समानता की शुरुआत शिक्षा से होती है। महान समाज सुधारक सावित्री बाई फुले की कही यह बात बिल्कुल सटीक है क्योंकि बेटियों को अगर शुरुआत से ही बेहतर शिक्षा मिले और परिवार का साथ हो तो वह निरंतर ही बेहतर शिक्षा प्राप्त कर अपना मुकाम हासिल कर लेती हैं। हाल ही में मध्यप्रदेश राज्य सेवा परीक्षा 2021 के नतीजे आए हैं इनमें टॉप टेन में 10 में 7 बेटियों ने अपनी जगह बनाई है। इन्हीं में से एक हैं रायसेन की अंकिता पाटकर जो पूरे प्रदेश में अव्वल आई हैं। अंकिता अपनी सफलता का श्रेय सबसे पहले अपने माता-पिता को देती हैं जिन्होंने अपनी पांचों बेटियों के बेहतर भविष्य के लिए उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। अंकिता को यह सफलता तीसरे प्रयास में मिली है। अपने अब तक के सफर और सफलता के बारे में अंकिता ने ''रोज़गार और निर्माण'' से बात की...

नाम : अंकिता पाटकर
पद : डिप्टी कलेक्टर
पिता : श्री दौलतराम पाटकर
माता : श्रीमती चंद्रकला पाटकर
पता : मुखर्जी नगर, रायसेन
सबल पक्ष : एक्टिव , हॉबी, एनर्जेटिक
दुर्बल पक्ष : इमोशनल
रुचि : पेंटिंग करना

- **अपने अब तक के जीवन के सफर के बारे में बताइए?**

❍ मैं रायसेन की रहने वाली हूं। मेरे पिता श्री दौलतराम पाटकर पहले राज्य परिवहन निगम में कार्यरत थे लेकिन विभाग के बंद होने के बाद से वह पोस्ट ऑफिस एजेंट के तौर पर कार्य कर रहे हैं। मां श्रीमती चंद्रकला पाटकर हाल ही में सहायक शिक्षिका के पद से रिटायर हुई हैं। मेरे घर की आर्थिक पृष्ठभूमि सामान्य थी लेकिन मेरे माता-पिता शुरू से ही शिक्षा का महत्व समझते थे। यह हमारा सौभाग्य है कि उन्होंने हम सभी को बेहतर शिक्षा दिलाई। हम 6 भाई-बहन हैं। हम सभी पांच बहनें सरकारी जॉब में हैं। भाई सबसे छोटा है, जो पीएससी की तैयारी कर रहा है।

मेरी प्राइमरी की पढ़ाई रायसेन के कॅरियर ब्राइट कॉन्वेंट स्कूल से हुई। इसके बाद नवोदय विद्यालय बाड़ी में चयन हो गया। नवोदय विद्यालय में पढ़ाई अच्छी होती है। स्कूल से मेरे बेसिक्स बहुत स्ट्रांग हो गए। हर सब्जेक्ट को लेकर मेरे कॉन्सेप्ट भी क्लियर हुए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के कारण वहां मंच का डर भी दूर हो गया। मैंने भोपाल के इंस्टीट्यूट फॉर एक्सीलेंस हायर एजुकेशन (आईईएचई) भोपाल से मैथेमेटिक्स ऑनर्स और फिजिक्स में ग्रेजुएशन किया। वहां से भी मुझे काफी मदद मिली। कॉलेज में रेगुलर क्लासेस लगती थी, लैब में एक्सपेरिमेंट होते थे। उससे भी कॉन्सेप्ट और बेहतर होते गए। साथ को-करिकूलर एक्टिविटीज से एक्सपोजर मिला। भेल कॉलेज से मैंने एमएससी किया है।

- **कब तय किया की एमपीपीएससी की तैयारी करनी है?**

❍ एमपी पीएससी और सिविल सेवा की परीक्षा के बारे में जानकारी तो पहले से थी ही। एक बार ग्रेजुएशन के दौरान कलेक्टर कॉलेज में आए हुए थे, उसके बाद इस परीक्षा के बारे में विस्तार से जाना। जब नि:शुल्क पढ़ाई जाने वाली कोचिंग को ज्वाइन किया तो पहले ही दिन अहसास हुआ कि यही वो जॉब है जिसे मैं करना चाहती हूं।

- **इन विषयों की पढ़ाई के लिए आपका स्टडी मटेरियल क्या था?**

❍ मैंने अध्ययन के लिए किताबें, कोचिंग के नोट्स, यूट्यूब चैनल्स, वेबसाइट सभी जगह से अध्ययन किया। किताबों में राजव्यवस्था के लिए एम. लक्ष्मीकांत, भूगोल के लिए महेश वर्णवाल, इंडियन जियोग्राफी के लिए पेरियार, टाटा मेकग्रा हिल की इकोनॉमिक्स, इतिहास के लिए विपिन चन्द्रा, स्पेक्ट्रम, पूनम दहिया इतिहास के लिए, एनसीईआरटी की इतिहास की किताबें, लुसेंट की सामान्य अध्ययन आदि की किताबों को पढ़ा।

- **आपने प्राइवेट कोचिंग इंस्टीट्यूट से न पढ़कर पिछड़ा वर्ग के स्टूडेंट्स के लिए संचालित की जाने वाली नि:शुल्क कोचिंग का चुनाव किया कैसा अनुभव रहा?**

❍ ग्रेजुएशन के बाद मुझे पता चला कि पीपल गर्ल एसोसिएशन योजना के माध्यम से अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को नि:शुल्क सिविल सर्विसेज की तैयारी करवाई जा रही थी। मैंने उस स्कीम में रजिस्ट्रेशन किया और परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी। 2019 में मैंने प्रीलिम्स और मेन्स क्लीयर किया। इंटरव्यू तक पहुंची, पर 13 प्रतिशत में ओबीसी होल्ड होने की वजह से मेरा रिजल्ट नहीं आया। मैंने 2020 में एग्जाम दिया, पर प्रीलिम्स क्लियर नहीं हुआ। कोविड की वजह से बीच में घर जाना पड़ा। मैंने 2021 में फिर कोशिश की दूसरी कोचिंग शुरू की। मैंने ज्यादातर सेल्फ स्टडी की है। हां कोचिंग के नोट्स, टेस्ट सीरीज भी ज्वाइन की। इंटरनेट का भी भरपूर इस्तेमाल किया। इंटरनेट पर बहुत सारी जानकारियां हैं, बस हमें यह देखना होगा कि हम उसका उपयोग कैसे करते हैं। मुझे अपना लक्ष्य प्राप्त करने में इंटरनेट ने बहुत मदद की है। जो टॉपिक मुझे समझना होता तो मैं यूट्यूब पर उसे सर्च करती और मेरे पास उसे समझने के ढेर सारे विकल्प होते और जब भारीपन लगता तो यही इंटरनेट मीडिया मेरा मनोरंजन करता। हर चीज के अच्छे-बुरे दोनों पहलू होते हैं। हम किसे देखते हैं, ये हम पर निर्भर है। मैंने कभी किसी एक किताब से पढ़ाई नहीं की बल्कि जहां मुझे जो बेहतर मिला उन सभी को अपने आन्सर में शामिल कर, उसके हिसाब से तैयारी की।

- **इस परीक्षा के लिए मोटिवेशन आपको कहां से मिला तथा सहयोग कहां से प्राप्त हुआ?**

❍ इस पूरी यात्रा में मेरे परिवार और मेरे भाई-बहन सभी ने बहुत साथ दिया। मेरे सभी टीचर्स ने भी मुझे हर समय गाइड किया। वर्ष 2019 का रिजल्ट कोर्ट में मामला होने के कारण रुक गया था तब शुरुआत में निराशा हुई लेकिन तब सोचा कि यही वह समय है जब मैं और बेहतर तैयारी कर सकती हूं। खुद को छोटी-छोटी सफलता के माध्यम से मोटिवेट करने के लिए मैं टेस्ट सीरीज हल करने को अपना लक्ष्य बनाकर तैयारी कर रही थी। 2020 में प्रीलिम्स क्लीयर न होने पर निराशा को दूर कर खुद को बेहतर करने के लिए मोटिवेट किया। परिवार और टीचर्स से मुझे इमोशनल सपोर्ट मिला। सभी ने कहा, तुम कर सकती हो। मन में हमेशा विश्वास था कि सिलेक्शन हो जाएगा लेकिन यह कभी नहीं सोचा था कि टॉप करूंगी।

- **नोट्स बनाने की क्या स्किल थी? नोट्स कैसे बनाए?**

❍ मैंने पुस्तकों एवं इंटरनेट का प्रयोग नोट्स बनाने के लिए किया था। बेसिक किताबों को दो या तीन बार अच्छे से पढ़कर उसके बाद शॉर्ट् नोट्स बनाती थी। इसमें कीवर्ड लिखती थी।

- **कठिन और मुश्किल तथ्यों को याद रखने के लिए क्या प्रक्रिया अपनायी?**

❍ कठिन और मुश्किल फैक्ट्स को एक जगह शॉर्ट नोट्स के रूप में लिख लेती थी फिर बार-बार दोहराती थी।

- **इस परीक्षा की तैयारी को लेकर आपकी दिनचर्या क्या थी? पढ़ाई के साथ नौकरी में संतुलन कैसे बैठाया?**

❍ मैंने संविदा शिक्षक वर्ग 3 की नौकरी मार्च 2023 में ज्वाइन की थी। इसके पहले तक मैंने अपना पूरा फोकस सिर्फ पढ़ाई के लिए दिया। मैं लाइब्रेरी में बैठकर पढ़ती थी, सुबह 8 बजे लाइब्रेरी पहुंच जाती थी। कोशिश करती थी कि 10 से 12 घंटे पढ़ाई करूं। इसलिए पूरी दिनचर्या को लगभग 5 साल से ज्यादा समय बीतने के बाद भी व्यवस्थित बनाए रखा। जब कुछ हासिल करना हो तो हर पल दिनचर्या में कीमती हो जाता है। इसलिए समय का प्रबंधन किया। 2021 के मेंस के समय मार्च 2023 में मेरी जॉब लग गई थी, इसलिए मैं रायसेन में रहकर तैयारी करने लगी थी। सुबह 6 से 10 बजे तक पढ़ती थी। उसके बाद स्कूल पढ़ाने के लिए जाती थी। वहां से साढ़े 4 बजे स्कूल से आती थी। शाम 5 बजे पढ़ने बैठती, जो रात 12 बजे तक चलती थी। लगभग 3 महीने पहले मैं ग्रुप डी की पटवारी परीक्षा के माध्यम से सहायक विकास विस्तार अधिकारी के पद पर चयनित हुई। ऑफिस के बाद के समय के अलावा शनिवार-रविवार को मेरे पास 24 घंटे होते थे। हालांकि तैयारी कई सालों से कर रही थी, इसलिए जॉब के दौरान सिर्फ रिवीजन पर ही फोकस रहा। नौकरी के अनुभव ने मुझे पेपर लिखने में भी मदद की। मैंने फील्ड एक्सपीरिएंस भी इंटरव्यू के दौरान शेयर किया, जो मददगार रहा।

- **महिलाओं के सशक्तिकरण में शिक्षा की भूमिका को लेकर आपके क्या विचार हैं?**

❍ महिलाओं का एनरोलमेंट एक मेल के मुकाबले कम रहता है, मैं चाहती हूं की उनका एनरोलमेंट बढ़े और वह आगे आयें। एमपी पीएससी के रिजल्ट में भी 10 में से 7 महिलाएं टॉपर लिस्ट में आयी हैं। ऐसे में मैं चाहती हूं बचपन से ही लड़कियों की शिक्षा की नींव बने और हर महिला अपने पैरों पर खड़ी हो सके। इसके लिए प्राथमिक शिक्षा को और सुदृढ़ करने की आवश्यकता है, साथ ही परिवार का साथ किसी भी लड़की की शिक्षा में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

- **मानसिक तनाव का प्रबंधन कैसे करते थे?**

❍ मेडिटेशन करना, टहलना मेरी दिनचर्या में शामिल था। इसके साथ ही मुझे पेंटिंग करना, मांडना बनाना पसंद है। इनसे मुझे तनाव को मुक्त करने में मदद मिलती है।

- **जिस पद के लिए आपका चयन हुआ है? उस पद की जिम्मेदारी निभाने के लिए आपके क्या विचार हैं, इस पद को लेकर आपका क्या दृष्टिकोण है?**

❍ मुझे डिप्टी कलेक्टर का पद मिला है। शासन की जो भी जिम्मेदारी दी जाएगी उसे निभाने का पूरा प्रयास करूंगी। मेरा इंट्रेस्ट है कि मैं बच्चों की शिक्षा के लिए काम करूँ साथ ही फीमेल हेल्थ के लिए भी काम करना चाहती हूं।

- **आपका इंटरव्यू किसके बोर्ड में था? अपना अनुभव बताइए?**

❍ मेरा इंटरव्यू चंद्रशेखर सर के बोर्ड में था, जो लगभग 15 मिनट चला। मैंने मैथ्स से एमएससी किया है, इसलिए ज्यादातर सवाल उसी विषय से थे। करेंट अफेयर्स से जुड़े सवाल भी पूछे गए। मैं एनसीसी में रही हूं, इसलिए उन्होंने उससे जुड़े सवाल किए। मैंने स्काउट गाइड में राष्ट्रीय पुरस्कार भी जीता है, स्काउट गाइड का गाना, रेंजर रोवर, और बनी के बारे में भी पूछा गया। मैंने स्काउट गाइड के समय अच्छे से तैयारी की थी, इसलिए मैंने सभी सवालों के जवाब आसानी से दिए। एक सवाल उन्होंने मेरे विकास विस्तार अधिकारी से जुड़ा भी पूछा था। "नो कॉन्फिडेंस मोशन क्या होता है? यह कहां पारित होता है? कौन इसे लेकर आता है?" वित्त विधेयक आदि के बारे में भी सवाल पूछे गए।

इंटरव्यू में पूछे गए कुछ सवाल और उनके जवाब

- **गणित विषय क्या दिमाग का संगीत होता है?**

❍ गणित एक एबस्ट्रेक्ट सब्जेक्ट है। इसका विजुअलाइजेशन नहीं कर सकते। ये पूरी तरह से कंटेंट पर निर्भर करता है। हम जो पढ़ते हैं उसी को अप्लाय करते हैं, लेकिन जब हम अप्लाय करना सीख जाते हैं तो ये हमें म्यूजिक की तरह पसंद आने लगता है। जब पसंद आता है तो हमारा विवेक डेवलप हो जाता है। हम लॉजिकल रीजनिंग अप्लाय करते हैं।

- **वर्तमान में भारत ने डिफेंस सेक्टर में क्या उपलब्धियां हासिल की हैं?**

❍ ब्रह्मोस मिसाइल की उपलब्धियां कई हैं जैसे कि हमने इसे फिलीपींस को निर्यात किया है।

- **आपका डेवलपमेंट मॉडल क्या है?**

❍ हम प्लान तैयार करते हैं, शासन की योजनाओं को नए-नए तरीकों से लागू करने का प्रयास करते हैं।

- **एमपी पीएससी की तैयारी कर रहे युवाओं को आप सफलता के लिए क्या सुझाव देना चाहेंगी?**

❍ एमपी पीएससी की परीक्षा में सफलता के लिए लक्ष्य तय करके तैयारी करनी चाहिए।

सिलेबस और प्रीवियस सवालों पर फोकस करना चाहिए। मुख्य परीक्षा को लेकर ज्यादा तनाव नहीं लेना चाहिए। पॉइंट वाइस लिखकर तैयारी करें। कंटेंट बहुत ही स्पष्ट ढंग से लिखना चाहिए। सवाल के जवाब कहां से लिए हैं, उदाहरण जरूर दें।

- **रोज़गार और निर्माण के माध्यम से युवाओं को आप क्या संदेश देना चाहेंगी?**

❍ मैंने भी अपनी तैयारी के दौरान **रोज़गार और निर्माण** को पढ़ा है। इसके माध्यम से मैं युवाओं से यही कहना चाहूंगी कि आप अपने लिए जो भी लक्ष्य बनाएं, उसे हासिल करने के लिए कड़ी से कड़ी मेहनत करें। सफलता अवश्य मिलेगी।

- प्रस्तुति सर्जना चतुर्वेदी
(लेखिका, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करती हैं।)

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल

ईमेल - ceproc.encwrd.bpl@nic.in, फोन - 0755-2767635, फैक्स - 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 1072/2024-25/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ भोपाल, दिनांक : 01.07.2024

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 12.07.2024 को 17.30 बजे तक** क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स.क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2024_WRD_349154	टर्न की पद्धति पर :– संजय सरोवर परियोजना के विस्तारीकरण, नवीनीकरण एवं आधुनिकीकरण (ई.आर.एम.) के अंतर्गत भीमगढ़ दायीं तट नहर की मुख्य नहर वितरक नहरों एवं माइनर नहरों की रिसेक्शनिंग एवं सी.सी. लाइनिंग कार्य तथा स्ट्रक्चरों का मरम्मत एवं सुधार कार्य अंतर्गत का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	सिवनी	11353.39

जी-12817/49783/2024 मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)

कॅरियर की राहें

शेयर बाजार में कॅरियर को दे सकते हैं ऊंचाई

'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों के लिये 'कॅरियर की राहें' नाम से उपयोगी स्तंभ लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। अच्छे कॅरियर के लिये जरूरी है कि युवा कॅरियर की विभिन्न विधाओं से परिचित हों और अपनी रुचि, योग्यता और क्षमताओं के अनुरूप अपने लिये उपयुक्त कॅरियर का निर्धारण करें। पिछले 40 वर्षों से नई पीढ़ी के लिये कॅरियर संबंधी विषयों पर नियमित लेखन कर रहे डॉ. जयंतीलाल भंडारी युवाओं को कॅरियर के विभिन्न अवसरों से परिचित कराते हुए आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दे रहे हैं।

देश में शेयर बाजार की तेजी से बढ़ती नई ऊंचाई शेयर बाजार में कॅरियर अवसरों को तेजी से बढ़ाते हुए दिखाई दे रही है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि 10 वर्ष पहले बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का जो सेंसेक्स करीब 25 हजार अंकों पर था, वह 80 हजार से भी अधिक सर्वकालिक नई ऊंचाई पर पहुंच गया। यह कोई छोटी बात नहीं है कि बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पांच लाख करोड़ डॉलर के पार पहुंचने के साथ ही भारत इस मुकाम तक पहुंचने वाला दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा देश बन गया है। कोरोनाकाल के बाद भारतीय घरेलू खुदरा निवेशकों की रुचि शेयर बाजार में बढ़ी है।

म्यूचुअल फंड में निवेश और रोज़गार अवसर

वस्तुतः शेयर बाजार के प्रति लोगों के आकर्षण में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। ऐसे लोग जिन्हें शेयर बाजार की समझ नहीं है या कम है, मगर बाजार की तेजी का फायदा उठाना चाहते हैं, वे समझ गए हैं बैंक के बचत खाते या एफडी से कहीं ज्यादा रिटर्न

उन्हें शेयर बाजार से मिल सकता है। पिछले 10 साल में डीमैट अकाउंट 2.3 करोड़ से बढ़कर 15 करोड़ हो गए हैं और म्यूचुअल फंड-निवेशकों की संख्या 1 करोड़ से बढ़कर 4.5 करोड़ हो गई है। लाखों छोटे निवेशक आज उत्साहपूर्वक बाजार से जुड़े हैं। भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा शेयर बाजार है और वैश्विक निवेशकों का भरोसा भी भारत के शेयर बाजार पर बढ़ा है।

उल्लेखनीय है कि जून 2024 में एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया के जारी आंकड़ों के मुताबिक भारत में म्यूचुअल फंड एक साल से भी कम समय में 10 लाख करोड़ रुपये जोड़ने के करीब है। इतना ही नहीं म्यूचुअल फंड संपत्ति में यह अब तक की सबसे तेज वृद्धि है। सन् 1964 में अपनी स्थापना के बाद से फंड उद्योग को पहली 10 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति बनाने में पांच दशक का समय लगा जबकि इसने छह महीने से भी कम समय में अंतिम 9 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति जोड़ दी है। आंकड़ों के मुताबिक, मई 2024 में, इक्विटी म्यूचुअल फंडों में निवेश में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई और यह 34,697 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। अप्रैल 2024 की तुलना में इक्विटी म्यूचुअल फंडों में निवेश में 83.42 प्रतिशत का उछाल आया है। अप्रैल में यह 18,917 करोड़ रुपये था। एक साल पहले की समान अवधि यानी अप्रैल 2023 में यह 3,240.30 करोड़ रुपये था। आंकड़े बताते हैं कि निवेशकों ने स्मॉल और मिड-कैप को प्राथमिकता देना जारी रखा है। मई में, इक्विटी म्यूचुअल फंड्स का एयूएम 25,39,777.74 करोड़ रुपये हो गया। इस तरह से म्यूचुअल फंड के तेजी से बढ़ने से शेयर बाजार में रोज़गार के मौके भी बढ़ रहे हैं।

उदारीकरण से बढ़े रोज़गार के मौके

निश्चित रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था में उदारीकरण से निवेश की प्रवृत्ति का विकास हुआ है। शेयर बाजार में निवेशकों की बढ़ती रुचि के परिणामस्वरूप ही इन बाजारों में रोज़गार के अवसरों में भारी इजाफा हुआ है। अगर देखा जाए तो किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के स्वास्थ्य का अंदाजा मौजूदा समय में उसके शेयर बाजार के सूचकांक के उतार-चढ़ाव के आधार पर लगाया जा सकता है। शेयर बाजार किसी भी देश की अर्थव्यवस्था का आइना है। यही वजह है कि आज यह क्षेत्र रोज़गार के एक बेहतर विकल्प के रूप में उभरा है। देश की विकास दर बढ़ने की संभावनाओं के कारण शेयर बाजार में देशी-विदेशी निवेशकों के कदम तेजी से आगे बढ़े हैं। छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों से निवेशकों की संख्या में वृद्धि हुई है। लोगों को यह समझ में आने लगा है कि शेयर बाजार कोई जुआघर नहीं है, यह तो देश की अर्थव्यवस्था की चाल को नापने का एक आर्थिक बैरोमीटर है।

नई सरकार से शेयर बाजार में तेजी की उम्मीदें

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नई एनडीए की गठबंधन सरकार को आर्थिक परिवेश की अच्छी विरासत मिली है और अब नई सरकार को जिस तरह से गठबंधन का समर्थन मिला है, वह शेयर बाजार के लिए उत्साहवर्द्धक है। विगत 10 वर्षों से भारत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्थिर, मजबूत और प्रभावी सरकार के कारण अर्थव्यवस्था को बेहतर करते हुए आगे बढ़ा है। जहां पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में विकास दर 8 प्रतिशत से अधिक बनी रही, वहीं यह आगामी दशक तक 6.5 से 7 प्रतिशत के स्तर पर दिखाई देगी। विभिन्न आर्थिक रिपोर्टों में इस बात को रेखांकित किया जा रहा है कि भारत में वर्ष 2023-24 में प्रत्यक्ष कर (डायरेक्ट) संग्रह 17.7 फीसदी बढ़कर 19.58 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसी तरह से 2023-24 में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) उच्चतम स्तर पर रहा है। इसका आकार 20.18 लाख करोड़ रुपये रहा है, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 11.7 फीसदी अधिक है। कर संग्रह के ये उत्साहवर्धक आंकड़े भारतीय अर्थव्यवस्था में तेज उछाल और व्यक्तियों तथा कॉरपोरेट सेक्टर की आमदनी में वृद्धि को दर्शाते हैं।

क्रेडिट रेटिंग बढ़ने से और बढ़ेंगे शेयर बाजार और कॅरियर के मौके

हाल ही में दुनिया की प्रसिद्ध क्रेडिट रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि, तेज आर्थिक सुधार और बढ़ती राजकोषीय मजबूती के मद्देनजर भारत की रेटिंग को स्थिर यानी स्टेबल से बदलकर पॉजिटिव कर दिया है। रेटिंग एजेंसी का कहना है कि पिछले तीन साल

में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की औसत वास्तविक वृद्धि दर 8.1 फीसदी सालाना रही है और अब यह विकास दर अगले तीन साल में लगातार 7 फीसदी के करीब होगी। दुनिया के प्रसिद्ध इंवेस्टमेंट बैंकर गोल्डमैन सैक्स ने अपनी नई रिपोर्ट में कैलेंडर वर्ष 2024 में भारत की विकास दर को बढ़ाकर 6.7 प्रतिशत कर दिया है। चालू वित्त वर्ष में विकास दर बढ़ने संबंधी अन्य महत्वपूर्ण नई रिपोर्टों के तहत अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष-आईएमएफ ने 6.8 प्रतिशत, एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने 7 प्रतिशत तथा विश्व बैंक ने 7.5 प्रतिशत विकास दर रहने के अनुमान व्यक्त किए हैं। अब आर्थिक मजबूती से देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में वृद्धि होगी। यह देश की उत्पादक क्षमता बढ़ाएगा और वृद्धि की संभावनाओं को बेहतर करेगा। इससे भारत में कारोबारी माहौल में सुधार होगा। यह सुधार उन घरेलू निवेशकों को भी बड़े पैमाने पर निवेश बढ़ाने के लिए प्रेरित करेगा जो अभी किनारे बैठकर निवेश करने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। इससे शेयर बाजार भी बढ़ेगा।

शेयर बाजार में स्वरोज़गार-रोज़गार के मौकों का विस्तार

निःसंदेह शेयर बाजार स्वरोज़गार और रोज़गार का अच्छा माध्यम बन गया है। शेयर बाजार के कायदे-कानून अभी भी जटिल हैं और शुरुआत में इन्हें आम आदमी के लिए समझ पाना मुश्किल भरा काम होता है। चूंकि अभी शेयर बाजार की प्रक्रिया को आम आदमी के लिए समझ पाना आसान नहीं है, जिसके चलते आम आदमी के द्वारा शेयर बाजार में निवेश करने के लिए प्रशिक्षित पेशेवर विशेषज्ञ व्यक्तियों की जरूरत पड़ती है। इसलिए इस क्षेत्र में कंसल्टेंसी के रूप में बड़ी संख्या में रोज़गार के अवसर हैं।

शेयर बाजार मे ट्रेडिंग करने के लिए पहले डीमैट अकाउंट खुलवाना होता है। इस अकाउंट से ब्रोकर को आर्डर देकर या ऑनलाइन स्वयं का शेयर कारोबार किया जा सकता है। ऐसे में ब्रोकर और सब ब्रोकर के अलावा मार्केट एनालिस्ट, रिसर्च एनालिस्ट या इक्विटी रिसर्चर के तौर पर भी रोज़गार के अवसर हैं। इंवेस्टमेंट बैंक, म्यूचुअल फंड कंपनियां, फाइनेंशियल इंस्टीट्यूट, फाइनेंशियल वेबसाइट, स्टॉक ब्रोकिंग फर्म आदि में भरपूर रोज़गार उपलब्ध हैं। फाइनेंशियल एनालिस्ट एंड स्पेशलिस्ट, इंडस्ट्री स्पेशलिस्ट, कैपिटल मार्केट स्पेशलिस्ट, इंवेस्टमेंट एंड फायनेंशियल प्लानर्स जैसे कार्यों से जुड़कर अच्छी खासी कमाई की जा सकती है। तमाम म्यूचुअल फंड और वित्तीय कंपनियाँ बाजार के नए ट्रेंड पर नजर रखने के लिए कैपिटल मार्केट स्पेशलिस्ट और सिक्यूरिटीज एनालिस्ट की नियुक्तियाँ करती हैं। ऑनलाइन कारोबार होने के कारण एक जगह बैठे-बैठे देश ही नहीं अपितु दुनिया के किसी भी स्टॉक मार्केट में डीलिंग की जा सकती है।

शेयर बाजार में कॅरियर के लिए जरूरी स्किल्स

इसमें कोई दो मत नहीं है कि शेयर बाजार में कॅरियर के लिहाज से कुछ खास स्किल्स जरूरी हैं। शेयर बाजार के विश्लेषण संबंधी योग्यता पहली जरूरत है। इस क्षेत्र में बेहतर भविष्य के लिए तेज तर्रार व्यक्तित्व, तुरंत निर्णय लेने में सक्षमता, मार्केट की समझ के साथ-साथ ग्राहक को डील करने के हुनर में माहिर होना लाभप्रद है। इसके अलावा इस क्षेत्र में कार्य करने के लिए कम्प्यूटर तथा इंटरनेट के इस्तेमाल में भी महारत हासिल होनी जरूरी है। अंग्रेजी का ज्ञान इस क्षेत्र के लिए अतिरिक्त योग्यता के रूप में देखा जाता है। अगर शैक्षिक योग्यता की बात करें तो वाणिज्य, अर्थशास्त्र, गणित और विज्ञान विषय के छात्रों के लिए यह शेयर बाजार उम्दा कार्यक्षेत्र है। शेयर बाजार से संबंधित विशेष सर्टिफिकेट कोर्स भी लाभप्रद होते हैं।

शेयर बाजार से संबंधित विभिन्न कॅरियर कोर्स

चूंकि शेयर बाजार का कॅरियर वित्तीय निवेश से जुड़ा क्षेत्र है, इसलिए यदि आपकी शैक्षणिक पृष्ठभूमि वित्त, अर्थशास्त्र या व्यवसाय प्रबंधन से जुड़ी है, तो शेयर बाजार के लिए समझ अधिक अच्छी होगी। यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि शेयर मार्केट में अपार संभावनाओं के मद्देनजर विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों में इससे संबंधित सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, डिग्री और पोस्ट ग्रेजुएशन पाठ्यक्रमों का संचालन तेजी से बढ़ा है। शेयर बाजार में रोज़गार पाने के इच्छुक अभ्यर्थी मुख्य रूप से कैपिटल मार्केट, डीलर मॉड्यूल व डैरिवेटिव्स फोर मॉड्यूल, सर्टिफिकेट प्रोग्राम ऑन कैपिटल मार्केट, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन सर्टिफिकेट इंटरनेशनल इंवेस्टमेंट एनालिस्ट व कैपिटल मार्केट में पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा कर सकते हैं।

देश में शेयर बाजार से संबंधित विभिन्न रोज़गारोन्मुखी कोर्स देश के विभिन्न स्टॉक एक्सचेंज सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में उपलब्ध हैं। शेयर बाजार से संबंधित पाठ्यक्रमों के लिए द मुंबई स्टॉक एक्सचेंज ट्रेडिंग इंस्टीट्यूट, मुंबई। द इंस्टीट्यूट ऑफ कैपिटल मार्केट डेवलपमेंट, नई दिल्ली। यूटीआई इंस्टीट्यूट ऑफ कैपिटल मार्केट, नवी मुंबई भी प्रमुख स्थान रखते हैं। शेयर बाजार से संबंधित विभिन्न पाठ्यक्रमों की जानकारी के लिए बीएसई ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, 18-19वां फ्लोर, बीएसई, मुंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, पी.जे. टॉवर, दलाल स्ट्रीट, मुंबई-01 से संपर्क किया जा सकता है।

शेयर बाजार में कॅरियर के लिए सर्टिफिकेशन और विशेषज्ञता की अहमियत

यह बात भी महत्वपूर्ण है कि एनआईएसएम, एनसीएफएम, सीएफए और सीएमटी जैसे प्रमाणपत्रों और पाठ्यक्रमों के माध्यम से वित्तीय विश्लेषण तथा पोर्टफोलियो प्रबंधन में विशेषज्ञता हासिल करनी होगी। यह सर्टिफिकेशन पूरा करने के बाद ब्रोकरेज फर्मों, वित्तीय संस्थानों या निवेश बैंकों में इंटर्नशिप भी करनी चाहिए, इससे व्यावहारिक अनुभव और नेटवर्किंग के अवसर मिलते हैं। आजकल बहुत से संस्थानों की ओर से पीजी प्रोग्राम इन सिक्योरिटीज मार्केट, एडवांस डिप्लोमा इन स्टॉक मार्केट जैसे शेयर बाजार से जुड़े प्रोफेशनल कोर्स भी कराए जा रहे हैं, जो आप अपनी सुविधानुसार ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से कर सकते हैं। शेयर बाजार/स्टॉक मार्केट/स्टॉक एक्सचेंज से जुड़े क्षेत्रों में कॅरियर बनाने के लिए समुचित कोर्स करने के अलावा आपको इसकी बारीकियां सीखने पर भी ध्यान देना होगा। शेयर बाजार और इससे संबंधित स्टार्टअप्स/फर्म्स में शुरुआती स्तर पर वेतन पैकेज युवा पेशेवरों के कौशल और विशेषज्ञता के अनुसार भिन्न-भिन्न होते हैं। साथ ही यह आपकी भूमिका और कंपनी के मार्केट साइज पर भी निर्भर करता है।

शेयर बाजार में कॅरियर के लिए ऐसे बढ़ें आगे

ऐसे में यदि आप भी शेयर बाजार में कॅरियर बनाना चाहते हैं तो अपनी उपयुक्तता के अनुरूप किसी गुणवत्तापूर्ण संस्थान से शेयर बाजार संबंधी कोई उपयुक्त कोर्स करके शेयर बाजार में कॅरियर की डगर पर आगे बढ़ सकते हैं।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी

(लेखक, कॅरियर मार्गदर्शन के लिए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रतिष्ठित हैं।)

सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड

पद का नाम - वरिष्ठ प्रबंधक (एचआर)/ प्रबंधक (एचआर), सहायक तकनीकी प्रबंधक (माइक्रोवेव), सहायक तकनीकी प्रबंधक (एसपीडी), उप अभियंता (एसपीडी, माइक्रोवेव, एमईडी, सिविल), स्नातक इंजीनियर ट्रेनी (मैकेनिकल), स्नातक इंजीनियर ट्रेनी (धातुकर्म/सामग्री विज्ञान/सिरेमिक), स्नातक इंजीनियर ट्रेनी (ईसीई)
पदों की संख्या - 30
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 12 जुलाई 2024
वेबसाइट - https://www.celindia.co.in/

रेल विकास निगम लिमिटेड

पद का नाम - सहायक प्रबंधक (मानव संसाधन), कार्यकारी (मानव संसाधन), महाप्रबंधक (एस एंड टी)
पदों की संख्या - 05
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 12 जुलाई 2024
वेबसाइट - https://rvnl.org/home

हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड

पद का नाम - जूनियर मैनेजर (खनन, विद्युत, कंपनी सचिव, वित्त, मानव संसाधन)
पदों की संख्या - 56
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 22 जुलाई 2024
वेबसाइट - https://www.hindustan-copper.com/

राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी

पद का नाम - अतिरिक्त निदेशक (अनुसंधान एवं प्रशिक्षण), सहायक प्राध्यापक, इलेक्ट्रिशियन, फिटर सह पंप आपरेटर)
पदों की संख्या - 04
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 16 जुलाई 2024
वेबसाइट - https://nja.gov.in/

राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ

पद का नाम - वरिष्ठ सलाहकार (एटीएबी), सलाहकार (एटीएबी, आईटी, सामान्य प्रशासन, लेखा), संपादक के तकनीकी सहायक, परियोजना सलाहकार, युवा पेशेवर (आयुर्वेद)
पदों की संख्या - 18
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 20 जुलाई 2024
वेबसाइट - https://www.ravdelhi.nic.in/

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल

पद का नाम - हेड कांस्टेबल (शिक्षा एवं तनाव सलाहकार)
पदों की संख्या - 112
योग्यता - किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री या समकक्ष, जिसमें मनोविज्ञान एक विषय के रूप में रहा हो, या किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री के साथ शिक्षा स्नातक या अध्यापन स्नातक या समकक्ष।
अंतिम तिथि - 05 अगस्त 2024
वेबसाइट - https://recruitment.itbpolice.nic.in/rect/index.php

टाटा स्मारक केंद्र

पद का नाम - चिकित्सा अधिकारी (संवेदनाहरण विज्ञान), चिकित्सा अधिकारी सर्जिकल ऑन्कोलॉजी (गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल), चिकित्सा अधिकारी मेडिकल ऑन्कोलॉजी (एडल्ट सॉलिड ट्यूमर), चिकित्सा अधिकारी (इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी), चिकित्सा अधिकारी (डेंटल एवं प्रोस्थेटिक्स सर्जरी), चिकित्सा अधिकारी (रेडियोडायग्नोसिस), सहायक चिकित्सा अधीक्षक, वैज्ञानिक अधिकारी (ट्रांसलेशन रिसर्च लेबोरेटरी), वैज्ञानिक अधिकारी (न्यूक्लियर मेडिसिन), वैज्ञानिक अधिकारी (डाटा एनालिस्ट), वैज्ञानिक अधिकारी (सेंटर फॉर कैंसर एपिडेमियोलॉजी), इंजीनियर (सिविल), सहायक प्रशासनिक अधिकारी, सहायक प्रशासनिक अधिकारी (क्रय), सहायक प्रशासनिक अधिकारी (भंडार), वैज्ञानिक सहायक (जैव चिकित्सा), वैज्ञानिक सहायक (रेडिएशन ओंकोलॉजी), वैज्ञानिक सहायक (न्यूक्लियर मेडिसिन), वैज्ञानिक सहायक (पशु विज्ञान), तकनीशियन (पैथोलॉजी), निम्न श्रेणी लिपिक
पदों की संख्या - 27
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 18 जुलाई 2024
वेबसाइट - https://actrec.gov.in/home

स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़

पद का नाम - कनिष्ठ तकनीशियन (एक्स-रे), प्रवक्ता
पदों की संख्या - 08
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 19 जुलाई 2024
वेबसाइट - https://pgimer.edu.in/PGIMER_PORTAL/PGIMER-PORTAL/home.jsp

भारी उद्योग मंत्रालय

पद का नाम - परामर्शदाता (ग्रेड-1) अनुबंध आधार पर
पदों की संख्या - 01
योग्यता - निष्णात डिग्री कंप्यूटर अनुप्रयोग/डाटा विज्ञान/डाटा विश्लेषण विज्ञान में अथवा एमबीए मां.सं. प्रबंधन में अथवा बीई/बी.टेक कंप्यूटर विज्ञान/डाटा विज्ञान/डाटा विश्लेषण विज्ञान में। 3 से 8 वर्ष का अनुभव।
अंतिम तिथि - 12 जुलाई 2024
वेबसाइट - https://heavyindustries.gov.in/hi

सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान, बेंगलुरु

पद का नाम - प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर
पदों की संख्या - 05
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 15 जुलाई 2024
वेबसाइट - https://www.isec.ac.in/

शासकीय विज्ञान संभाग, भा.कृ.अनु.प. - भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान

पद का नाम - यंग प्रोफेशनल-II, सीनियर रिसर्च फेलो
पदों की संख्या - 02
योग्यता - पदानुसार
सीधा साक्षात्कार - 25 जुलाई सुबह 10 बजे से
वेबसाइट - https://www.iari.res.in/en/index.php

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

विश्व जनसंख्या दिवस - 11 जुलाई

विश्व जनसंख्या दिवस और जनसांख्यिकीय रुझान

संयुक्त राष्ट्र महासचिव, अंटोनियो गुटेरेश ने कुछ साल पहले विश्व जनसंख्या दिवस पर स्थाई (सस्टेनेबल) विकास के लिए वर्ष 2030 के संकल्पों की कार्यसूची में जनसंख्या से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर व्यापक चर्चा की थी। इसी चर्चा में उन्होंने वर्ष 2030 के संकल्पों की कार्यसूची में उल्लेखित एक लक्ष्य - 'स्वस्थ ग्रह पर सभी के लिए बेहतर भविष्य' को विश्व के उन्नयन की रूपरेखा (ब्लूप्रिन्ट) बताया था। उन्होंने तब यह भी कहा था कि विश्व जनसंख्या दिवस पर हम जनसंख्या बढ़ोतरी से जुड़े जिन रुझानों पर गौर करते हैं उनमें जनसंख्या वृद्धि, वृद्ध होती विश्व की आबादी, प्रवासी जनसंख्या और शहरीकरण पर प्रमुखता से चर्चा होनी चाहिए। वस्तुत: विश्व जनसंख्या दिवस पर इन्हीं जनसांख्यिकीय रुझानों पर विमर्श हमारी प्राथमिकता भी होनी चाहिए। विश्व जनसंख्या दिवस पर जनसंख्या अभिवृद्धि के कारक और जनसंख्या के विभिन्न सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं पर विमर्श भी बेहद जरूरी है। विश्व की जनसंख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन यह वृद्धि बहुत असमान है जो चिंता का विषय है। विश्व के सबसे कम विकसित देशों के लिए टिकाऊ विकास की दिशा में सबसे बड़ी चुनौती तेजी से बढ़ती जनसंख्या और जलवायु परिवर्तन के प्रति गैर संवेदनशीलता है। दूसरे देशों में अन्य प्रकार की समस्याएं हैं। कुछ देशों में जनसंख्या में वृद्धों की संख्या बढ़ रही है। इसके अलावा उन देशों को वृद्ध होते लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पैदा करने और पर्याप्त सामाजिक संरक्षण प्रदान करने की चुनौती का भी सामना करना पड़ रहा है। विश्व के कई देश पिछले सालों कोविड-19 की महामारी के संक्रमण से गुजरे। कोरोना वायरस के इस संक्रमण में मुख्य रूप से पैंसठ वर्ष से अधिक आयुवर्ग के वृद्ध सर्वोच्च जोखिम में माने गये थे। ऐसे में वृद्धों की साज सम्हाल को समुचित प्राथमिकता दिये जाने जैसे कारक पर भी विमर्श अब बेहद प्रासंगिक हो गया है।

ग्यारह जुलाई को ही क्यों मनाया जाता है - विश्व जनसंख्या दिवस?

समूचे विश्व में- 'विश्व जनसंख्या दिवस' 11 जुलाई को मनाया जाता है। लगातार बढ़ती जनसंख्या को देखते हुए जनसंख्या के नियंत्रण के प्रति जागरूकता फैलाने और जनसंख्या की अतिशय अभिवृद्धि के दुष्परिणामों पर प्रकाश डालने के लिये यह आयोजन वैश्विक स्तर पर होता है। इस तिथि को विश्व जनसंख्या दिवस मनाने की शुरुआत वर्ष 1989 में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की संचालक परिषद द्वारा पारित प्रस्ताव के अनुपालन में हुई थी। दरअसल 11 जुलाई, 1987 तक वैश्विक जनसंख्या का आंकड़ा पांच अरब के भी पार हो चुका था। वैश्विक हितों को ध्यान में रखते हुए इस दिवस को मनाने और जारी रखने का निर्णय लिया गया था। वास्तव में विश्व जनसंख्या दिवस को मनाना तभी सार्थक हो सकता है जब हम बढ़ती जनसंख्या के प्रति जागरूक रवैया अपनाएं और इसके विभिन्न पहलुओं व हितों पर ध्यान देते हुए जनसंख्या विस्फोट में कमी लाने का प्रयास करें। जनसंख्या वृद्धि के विभिन्न कारणों पर विचार कर इनके लिए उपायों पर ध्यान देना भी बेहद जरूरी है। विश्व जनसंख्या दिवस पर जागरूकता फैलाने के लिए कई तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जिसमें सोशल

मीडिया, विभिन्न समाजिक कार्यक्रमों व सभाओं का संचालन, प्रतियोगिताओं का आयोजन, रोड शो, नुक्कड़ नाटक और अन्य कई तरीके शामिल हैं। लेकिन इन सभी का उद्देश्य एक ही है, जनसंख्या वृद्धि के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालना और इसके प्रति लोगों को जागरूक करना।

जनसंख्या से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण और दिलचस्प तथ्य

इस विश्व जनसंख्या दिवस पर आईये जनसंख्या से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण और दिलचस्प तथ्यों के बारे में जाने -

- चीन और भारत दुनिया के सबसे अधिक जनसंख्या वाले देश हैं। इन दोनों देशों में पूरी दुनिया की आबादी के तीस फीसदी से भी ज्यादा लोग रहते हैं।
- आज के दौर में सबसे तेज गति से जनसंख्या अभिवृद्धि करने वाला देश नाइजीरिया है। जनसंख्या के मामले में नाइजीरिया भले ही अभी विश्व में सातवें स्थान पर हो, लेकिन 2050 से पहले यह अमेरिका को पीछे छोड़ कर तीसरे स्थान पर पहुंच सकता है।
- वर्ष 2010 से 2015 के बीच दुनिया की छियालिस फीसदी आबादी तिरयासी देशों में रह रही है जहां प्रजनन स्तर 2.1 की सीमा से नीचे था।
- दुनियाभर में बुजुर्गों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है. वर्ष 2015 में बुजुर्गों से कहीं ज्यादा संख्या में युवा थे। वर्ष 2017 में युवा कम और बुजुर्ग अधिक हैं। वर्ष 2050 तक बुजुर्गों की संख्या और भी ज्यादा हो जायेगी।

परिवार नियोजन का संकल्प जरूरी

जनसंख्या वृद्धि के प्रति जागरूकता मानव समाज की नई पीढ़ियों को बेहतर जीवन देने का संदेश देती है। बच्चों को भविष्य में बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य और रहन-सहन के वातावरण जैसी आवश्यक सुविधाएं मिलती रहें इसके लिए छोटे परिवार की महती आवश्यकता निरन्तर बढ़ती जा रही है। प्राकृतिक संसाधनों का समुचित दोहन कर मानव समाज को सर्वश्रेष्ठ बनाए रखने और हर इंसान के भीतर इन्सानियत को बरकरार रखने के लिए यह बहुत जरूरी हो गया है कि 'विश्व जनसंख्या दिवस' की महत्ता को समझा जाए। इस विशेष दिन को हर साल परिवार नियोजन का संकल्प लेने के दिन के रूप में याद किया जाना जरूरी है। हर राष्ट्र में इस दिन का विशेष महत्व है, क्योंकि आज दुनिया का हर विकासशील और विकसित देश जनसंख्या विस्फोट से चिन्तित हैं। विकासशील देश अपनी आबादी और जनसंख्या के बीच तालमेल कायम करने को सचेष्ट हैं तो विकसित देश पलायन और रोज़गार की चाह में बाहर से आकर रहने वाले शरणार्थियों की वजह से परेशान हैं। विश्व जनसंख्या दिवस का उद्देश्य, जनसंख्या से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर लोगों की जागरूकता बढ़ाना और परिवार नियोजन के अलावा लिंग समानता, गरीबी, मातृ स्वास्थ्य और मानव अधिकारों के महत्व को लेकर जागरुकता को बढ़ाना भी है।

जनसंख्या वृद्धि के कारणों की व्यापक पड़ताल भी जरूरी है

जब हम जनसंख्या पर नियंत्रण की बात करते हैं तब हमारी कोशिश जनसंख्या वृद्धि के कारणों की पड़ताल भी होनी चाहिए और इस प्रयोजन से विश्व जनसंख्या दिवस सबसे उपयुक्त अवसर होता है। इस दिन आबादी की अभिवृद्धि के हरसम्भव कारण की चर्चा होनी चाहिए। इन कारणों की विवेचना करें तो आज भी हमारे देश में कई ऐसे पिछड़े इलाके और गांव हैं, जहां बाल विवाह की कुरीति प्रचलित है जिसके कारण कम उम्र से ही बच्चे पैदा होने शुरू हो जाते हैं, फलस्वरूप अधिक बच्चे पैदा होते हैं। शिक्षा का अभाव जनसंख्या वृद्धि की एक बड़ी वजह है और रूढ़िवादी सोच और पुरुष-प्रधान समाज में लड़के की चाह में लोग कई बच्चे पैदा कर लेते हैं, यह भी एक प्रमुख कारण है। आज भी कई ऐसी जगहें हैं, जहां बड़े-बुजुर्गों की ऐसी सोच होती है कि यदि उनकी पुश्तैनी धन-संपत्ति अधिक है, तो उसे आगे बढ़ाने और सम्भालने के लिए ज्यादा लड़के पैदा किए जाएं। कई मामलों में शादीशुदा जोड़ों पर बच्चे पैदा करने का दबाव तक बनाया जाता है। शिक्षित और मध्यमवर्गीय परिवार की यह सोच कि अधिक बच्चे विशेष तौर पर अधिक लड़के बुढ़ापे का सहारा होते हैं यह सोच भी जनसंख्या अभिवृद्धि का एक कारण है। परिवार नियोजन के महत्व को समझाए बगैर ही युवाओं की शादी कर देना भी जनसंख्या बढ़ने का एक मुख्य कारण है। इस तरह की बातों पर आज भी घर-परिवारों में चर्चा करना गलत समझा जाता है और युवा बच्चों को यौन सम्बन्धों और उनके परिणामों के बारे में बताए बगैर ही उनकी शादी कर दी जाती है। ऐसे में कई मामलों में लोग अज्ञानतावश ही बच्चे पैदा कर बैठते हैं। आज भी लड़कियों को गर्भ निरोधक उपाय से संबंधित जानकारी शादी के पहले नहीं दी जाती है और कई मामलों में शादी के बाद भी कैसे अनचाहे गर्भ से बचें, उन्हें इसकी जानकारी तक नहीं होती है। गरीबी भी जनसंख्या बढ़ने का मूल कारण है। हमारे देश में बहुत से बच्चे कुपोषण के शिकार हैं और बेरोज़गारी की जटिल समस्या से भी समाज त्रस्त है। यह दोनों समस्याएं भी आबादी की बेतहाशा अभिवृद्धि का दुष्परिणाम हैं और यही अभिवृद्धि देश के विकास और उन्नति में सबसे बड़ी रुकावट होती है।

काहिरा सम्मेलन के विमर्श से होगा जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण

जनसांख्यिकीय रुझानों को सम्भालने के साथ-साथ हमें जनसंख्या, विकास और व्यक्तिगत कल्याण के बीच के सम्बन्धों का भी विश्लेषण करना होगा। अट्ठाईस वर्ष पूर्व जनसंख्या और विकास पर काहिरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विश्व नेताओं ने सबसे पहले जनसंख्या, विकास और प्रजनन अधिकारों सहित मानवाधिकारों के बीच के सम्बन्धों को रेखांकित किया था। जिसमें इस बात को भी स्वीकार किया गया कि स्त्री-पुरुष समानता न सिर्फ सही दिशा में उठाया जाने वाला कदम है, बल्कि टिकाऊ विकास और सभी के कल्याण के लिए भी सबसे भरोसेमन्द मार्ग है।

- राजा दुबे
(लेखक, जनसंपर्क विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न-उत्तर

इतिहास

प्र. 1 निम्नलिखित में से कौन से सही सुमेलित हैं -
1. मृच्छकटिकम - शूद्रक
2. बुद्धचरित - वसुबंधु
3. मुद्राराक्षस - विशाखदत्त
4. हर्षचरित - बाणभट्ट
(अ) 1, 2, 3
(ब) 1, 2 एवं 4
(स) 1, 2, 3, 4
(द) 1, 3 एवं 4
उत्तर- (द) 1, 3 एवं 4

प्र. 2 निम्न का सही कालानुक्रम क्या होगा -
i. फाह्यान
ii. मेगस्थनीज
iii. ह्वेनश्वांग
iv. अल्बरूनी
(अ) i, iv, iii, ii
(ब) ii, i, iii, iv
(स) iii, ii, iv, i
(द) iv, iii, ii, i
उत्तर- (ब) ii, i, iii, iv

प्र. 3 'नवसाहसांक चरित' की रचना किसके द्वारा की गई -
(अ) राजशेखर
(ब) सुबंधु
(स) पद्मगुप्त
(द) भारवि
उत्तर- (स) पद्मगुप्त

प्र. 4 'एशियाटिक सोसायटी ऑफ बंगाल' की स्थापना किसने की थी -
(अ) कनिंघम
(ब) जेम्स प्रिंसेप
(स) जॉन मार्शल
(द) विलियम जोंस
उत्तर- (द) विलियम जोंस

प्र. 5 'सप्तांग सिद्धांत' का संबंध किससे है-
(अ) ऋग्वेद
(ब) अर्थशास्त्र
(स) इण्डिका
(द) प्रबंध कोश
उत्तर- (ब) अर्थशास्त्र

प्र. 6 निरुक्त किसके द्वारा रचित है -
(अ) यास्क
(ब) पिंगल
(स) पतंजलि
(द) पणिनि
उत्तर- (अ) यास्क

प्र. 6 'जोर्वे संस्कृति' का संबंध किस जगह से है -
(अ) महाराष्ट्र
(ब) गुजरात
(स) राजस्थान
(द) मध्यप्रदेश
उत्तर- (अ) महाराष्ट्र

प्र. 7 इनामगांव किस संस्कृति का प्रमुख स्थल है -
(अ) कायथा संस्कृति
(ब) अहाड़ संस्कृति
(स) जोर्वे संस्कृति
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (स) जोर्वे संस्कृति का

प्र. 8 कायथा किस नदी के किनारे स्थित है -
(अ) बेतवा
(ब) छोटी काली सिंध
(स) बीना
(द) ताप्ती
उत्तर- (ब) छोटी काली सिंध

प्र. 9 सिंधु घाटी सभ्यता में स्टेडियम के प्रमाण कहां से प्राप्त हुए हैं -
(अ) धौलीवीरा
(ब) राखीगढ़ी
(स) मोहनजोदड़ो
(द) लोथल
उत्तर- (अ) धौलीवीरा

प्र. 10 लोथल की खोज किसके द्वारा की गई थी -
(अ) दयाराम साहनी
(ब) एस.आर. राव
(स) बी.एस. वाकणकर
(द) डी.आर. साहनी
उत्तर- (ब) एस.आर. राव

प्र. 11 'असतो मा सद्गमय' वाक्य किस वेद से लिया गया है -
(अ) ऋग्वेद
(ब) अथर्ववेद
(स) यजुर्वेद
(द) सामवेद
उत्तर- (अ) ऋग्वेद

प्र. 12 उद्दालक आरूणि और श्वेतकेतु के मध्य आत्मा से संबंधित संवाद किस उपनिषद में है -
(अ) छांदोग्य उपनिषद
(ब) श्वेताश्वर उपनिषद
(स) मल्ल उपनिषद
(द) माण्डूक्य उपनिषद
उत्तर- (अ) छांदोग्य उपनिषद

प्र. 13 सूची-1 का सूची-2 से मिलान कीजिए -

सूची-1	सूची-II
1. प्रथम	a. पाटलिपुत्र
2. द्वितीय	b. वैशाली
3. तृतीय	c. कश्मीर (कुण्डलवन)
4. चतुर्थ	d. राजगृह

	1	2	3	4
(अ)	c.	a.	b.	d.
(ब)	d.	b.	a.	c.
(स)	b.	c.	d.	a.
(द)	a.	d.	c.	b.

उत्तर- (ब) d. b. a. c.

प्र. 14 श्वेतांबरों के अनुसार किसे महिला तीर्थंकर माना जाता है -
(अ) नेमिनाथ
(ब) आदिनाथ
(स) मल्लिनाथ
(द) पार्श्वनाथ
उत्तर- (स) मल्लिनाथ

प्र. 15 गौतमबुद्ध ने महापरिनिर्वाण कहां प्राप्त किया था -
(अ) पावापुरी
(ब) सारनाथ
(स) गया
(द) कुशीनगर
उत्तर- (द) कुशीनगर

प्र. 16 पंच महाव्रत में महावीर स्वामी द्वारा कौन सा व्रत जोड़ा गया था -
(अ) ब्रह्मचर्य
(ब) सत्य
(स) अहिंसा
(द) अस्तेय
उत्तर- (अ) ब्रह्मचर्य

प्र. 17 चतुर्थ बौद्ध संगीति की अध्यक्षता किसके द्वारा की गई थी -
(अ) वसुमित्र
(ब) मोगलिपुत्त तिस्स
(स) महाकस्सप
(द) सर्वकामिन
उत्तर- (अ) वसुमित्र

प्र. 18 निम्न में से कौन से बुद्ध भविष्य के बुद्ध माने जाते हैं -
(अ) अवलोकितेश्वर
(ब) विश्वपाणि
(स) वज्रपाणि
(द) मैत्रेय
उत्तर- (द) मैत्रेय

प्र. 19 किस जैन तीर्थंकर को निगंठनाथपुत्त के नाम से जाना जाता है -
(अ) पार्श्वनाथ
(ब) आदिनाथ
(स) महावीर स्वामी
(द) नेमिनाथ
उत्तर- (स) महावीर स्वामी

प्र. 20 'पिप्पलाद' और 'शौनक' किस वेद की शाखाएं हैं -
(अ) ऋग्वेद
(ब) सामवेद
(स) यजुर्वेद
(द) अथर्ववेद
उत्तर- (द) अथर्ववेद

प्र. 21 ऋग्वैदिक 'पणि' किस वर्ग के नागरिक थे -
(अ) व्यापारी
(ब) पुरोहित
(स) सैनिक
(द) बढ़ई
उत्तर- (अ) व्यापारी

प्र. 22 गौतम बुद्ध के गृहत्याग का क्या प्रतीक था -
(अ) कमल
(ब) धर्मचक्र प्रवर्तन
(स) बोधि वृक्ष
(द) घोड़ा
उत्तर- (द) घोड़ा

प्र. 23 नर्मदा एवं गोदावरी नदियों के मध्य स्थित महाजनपद कौन सा था -
(अ) अंग
(ब) कंबोज
(स) कोसल
(द) अश्मक
उत्तर- (द) अश्मक

प्र. 24 निम्न में से कौशल महाजनपद की राजधानी कौन सी थी -
(अ) वाराणसी
(ब) श्रावस्ती
(स) चंपा
(द) कुशीनारा
उत्तर- (ब) श्रावस्ती

प्र. 25 कल्प वेदांग' का संबंध है -
(अ) शुद्ध उच्चारण
(ब) यज्ञों का संपादन
(स) खगोलविज्ञान
(द) व्याकरण
उत्तर- (ब) यज्ञों का संपादन

प्र. 26 वैशेषिक दर्शन के प्रवर्तक कौन थे -
(अ) कणाद
(ब) बादरायण
(स) गौतम
(द) कपिल
उत्तर- (अ) कणाद

प्र. 27 शून्यवाद विचारधारा का प्रतिपादन किसके द्वारा किया गया था -
(अ) अश्वघोष
(ब) असंग
(स) नागार्जुन
(द) वसुबंधु
उत्तर- (स) नागार्जुन

प्र. 28 निम्न में से कौन सा पुरातात्विक स्थल म.प्र. में स्थित नहीं है -
(अ) कायथा
(ब) मितावली
(स) इनामगांव
(द) भीमबैटका
उत्तर- (स) इनामगांव

प्र. 29 हड़प्पन क्षेत्र राखीगढ़ी कहां स्थित है -
(अ) उत्तरप्रदेश
(ब) हरियाणा
(स) गुजरात
(द) राजस्थान
उत्तर- (ब) हरियाणा

प्र. 30 'दि आर्कटिक होम इन दि वेदास' पुस्तक के लेखक कौन हैं -
(अ) लाला लाजपत राय
(ब) स्वामी दयानंद सरस्वती
(स) बाल गंगाधर तिलक
(द) महात्मा गांधी
उत्तर- (स) बाल गंगाधर तिलक

प्र. 31 हड़प्पा सभ्यता का स्थल 'रोपड़' किस नदी के किनारे स्थित है -
(अ) भोगवा
(ब) घग्घर
(स) सतलज
(द) मादर
उत्तर- (स) सतलज

प्र. 32 'वाजसनेय' किस वेद से संबंधित है -
(अ) ऋग्वेद
(ब) यजुर्वेद
(स) सामवेद
(द) अथर्ववेद
उत्तर- (ब) यजुर्वेद

प्र. 33 सर्वास्तिवाद किस धर्म से संबंधित है -
(अ) बौद्ध (ब) जैन
(स) वैष्णव (द) शैव
उत्तर- (अ) बौद्ध

प्र. 34 घोषिताराम विहार कहां स्थित है -
(अ) कौशांबी
(ब) कुशीनगर
(स) नालंदा
(द) श्रावस्ती
उत्तर- (अ) कौशांबी

प्र. 35 नागार्जुन किस शासक के दरबार की महान विभूति थे -
(अ) पुष्यमित्र शुंग
(ब) चंद्रगुप्त द्वितीय
(स) कनिष्क
(द) चंद्रगुप्त मौर्य
उत्तर- (स) कनिष्क

प्र. 36 'पंच अणुव्रत' का संबंध किस धर्म से है -
(अ) बौद्ध (ब) जैन
(स) शैव (द) पारसी
उत्तर- (ब) जैन

प्र. 37 वेदांत के अंतर्गत किसे शामिल किया जाता है -
(अ) पुराण
(ब) उपनिषद
(स) ब्राह्मण
(द) आरण्यक
उत्तर- (ब) उपनिषद

प्र. 38 भौतिकवादी (उच्छेदवाद) संप्रदाय के संस्थापक कौन थे -
(अ) पकुथ कच्चायन
(ब) पूरण कस्सप
(स) संजय वेट्ठलिपुत्त
(द) अजित केशकंबली
उत्तर- (द) अजित केशकंबली

प्र. 39 जैन धर्म में कुल कितने तीर्थंकर हुए हैं -
(अ) 20 (ब) 22
(स) 24 (द) 26
उत्तर- (स) 24

प्र. 40 शर-ए-कुना' अभिलेख का संबंध किस शासक से है -
(अ) चंद्रगुप्त मौर्य
(ब) अशोक
(स) कनिष्क
(द) हर्ष
उत्तर- (ब) अशोक

प्र. 41 मौर्य प्रशासन में राजकीय टकसाल के अधिकारी को क्या कहा जाता था -
(अ) पौतवाध्यक्ष
(ब) पण्याध्यक्ष
(स) लक्षणाध्यक्ष
(द) महाअक्षपटालिक
उत्तर- (स) लक्षणाध्यक्ष

प्र. 42 कौटिल्य के अर्थशास्त्र में कुल कितने अधिकरण हैं -
(अ) 10 (ब) 15
(स) 20 (द) 25
उत्तर- (ब) 15

प्र. 43 निम्न में से कौन सही सुमेलित नहीं है -
(अ) गाथासप्तशती - हाल
(ब) बुद्धचरित - वात्स्यायन
(स) महाभाष्य - पतंजलि
(द) नैषधेयचरित - श्री हर्ष
उत्तर- (ब) बुद्धचरित - वात्स्यायन

प्र. 44 'स्वप्नवासवदत्ता' किस शासक के संबंध में रचित है -
(अ) अजातशत्रु
(ब) नागदालक
(स) उदयन
(द) महापद्मनंद
उत्तर- (स) उदयन

प्र. 45 उत्तरवैदिक काल में रत्निनों की संख्या कुल कितनी थी -
(अ) 10 (ब) 12
(स) 14 (द) 16
उत्तर- (ब) 12

प्र. 46 अग्निमित्र किस वंश का शासक था -
(अ) कुषाण
(ब) शुंग
(स) सातवाहन
(द) गुर्जर-प्रतिहार
उत्तर- (ब) शुंग

प्र. 47 अशोक के किस अभिलेख में 'भेरीघोष की जगह धम्मघोष' की घोषणा की गई है -
(अ) पांचवें
(ब) दसवें
(स) चौथे
(द) छठवें
उत्तर- (स) चौथे

प्र. 48 मौर्य प्रशासन में तीर्थों की संख्या कुल कितनी थी -
(अ) 12 (ब) 26
(स) 18 (द) 20
उत्तर- (स) 18

प्र. 49 महाविभाषाशास्त्र की रचना किसके द्वारा की गई थी -
(अ) अश्वघोष
(ब) नागार्जुन
(स) वसुमित्र
(द) असंग
उत्तर- (स) वसुमित्र

प्र. 50 प्रथम तमिल संगम का आयोजन कहां किया गया था -
(अ) मदुरै
(ब) कपाटपुरम
(स) मथुरा
(द) आगरा
उत्तर- (अ) मदुरै

- आशीष कुमार श्रीवास
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विषयों पर लेखन करते हैं।)

खेल चर्चा

ओलंपिक में हरमनप्रीत संभालेंगे हॉकी टीम की कमान

नई दिल्ली, हॉकी इंडिया ने आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय पुरुष

हॉकी टीम घोषित कर दी है। 16 सदस्यीय टीम की कमान अनुभवी खिलाड़ी हरमनप्रीत सिंह को सौंपी गई है, वहीं हार्दिक सिंह को उपकप्तान बनाया गया है। टीम में पीआर श्रीजेश, जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, सुमित, संजय, राजकुमार पाल, शमशेर सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, अभिषेक, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, मंदीप सिंह और गुरजंत सिंह को भी जगह मिली है।

आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप

भारत दूसरी बार बना विश्व चैम्पियन

बारबाडोस, भारतीय क्रिकेट टीम एक बार फिर ट्वेंटी-20 विश्व चैम्पियन बन गई है। बारबाडोस के केंसिंगटन ओवल स्टेडियम में खेले गए आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप के फाइनल में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को बेहद रोमांचक मुकाबले में 7 रन से हराकर दूसरी बार विश्वकप अपने नाम किया।

भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। रोहित का यह निर्णय गलत साबित हुआ। भारतीय टीम 34 के स्कोर पर 3 विकेट गवांकर संकट में फंस गई। रोहित 9, ऋषभ पंत 0 और सूर्यकुमार 3 रन बनाकर जल्द आउट हो गए। भारत की पारी को स्टार बल्लेबाज विराट कोहली (76) ने संभाला और अक्षर पटेल (47) के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 72 रन की साझेदारी की। भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर 176 रन बनाये।

विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीकी टीम की शुरुआत खराब रही। टीम के दो विकेट जल्द आउट होने के बाद क्विंटन डिकॉक (39) और ट्रिस्टन स्टब्स (31) ने पारी को संभाला। इन दोनों बल्लेबाजों के बाद हेनरिक क्लासेन (51) और डेविड मिलर ने आक्रामक बल्लेबाजी कर भारतीय टीम को दबाव में ला दिया।

आखिरी ओवरों में भारत की वापसी

मैच में एक समय दक्षिण अफ्रीका को 30 गेंदों में 30 रनों की जरूरत थी और उसके पास 6 विकेट बाकी थे, तब जसप्रीत बुमराह ने लाजवाब गेंदबाजी की और दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों को रन नहीं बनाने दिए। बुमराह के अलावा हार्दिक पंड्या और अर्शदीप ने भी किफायती गेंदबाजी की, जिससे दक्षिण अफ्रीकी टीम दबाव में आ गई। दक्षिण अफ्रीका को आखिरी ओवर में 16 रन चाहिए थे। हार्दिक ने पारी के आखिरी ओवर में महज 8 रन दिए और भारत को यादगार जीत दिलाई।

बीसीसीआई देगा 125 करोड़ रुपये का इनाम

आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप में भारतीय टीम की जीत से उत्साहित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय टीम के लिए खजाना खोल दिया है। बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने सोशल मीडिया पर कहा कि मुझे आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप जीतने वाली भारतीय टीम के लिए 125 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। उन्होंने इस शानदार उपलब्धि के लिए खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को बधाई दी है।

- भारत ने दूसरी बार जीता है आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप।
- इससे पहले भारत वर्ष 2007 में बना था ट्वेंटी-20 विश्व चैम्पियन।
- भारत के अलावा वेस्टइंडीज और इंग्लैंड ने भी 2-2 बार जीता है यह विश्वकप।
- पाकिस्तान, श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया 1-1 बार बने हैं ट्वेंटी-20 विश्व चैम्पियन।
- भारतीय टीम ने दो बार वन-डे विश्वकप भी जीता है।
- भारतीय टीम ने 11 वर्ष बाद आईसीसी ट्रॉफी जीती है।
- इससे पहले भारत ने वर्ष 2013 में आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी जीती थी।
- भारतीय टीम ने ट्वेंटी-20 विश्वकप के फाइनल का सबसे बड़ा स्कोर बनाया।
- ट्वेंटी-20 विश्वकप के इतिहास में बिना मैच गवाएं खिताब जीतने वाला पहला देश बना भारत।

आईसीसी टीम ऑफ द टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों का जलवा

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने ट्वेंटी-20 विश्वकप के लिए टीम ऑफ द टूर्नामेंट घोषित की है। आईसीसी की सर्वश्रेष्ठ टीम में भारतीय खिलाड़ियों का जलवा देखने को मिला। 12 खिलाड़ियों की इस टीम में 6 भारतीय खिलाड़ी जगह बनाने में सफल रहे। अपनी कप्तानी में भारत को ट्वेंटी-20 विश्वकप का खिताब दिलाने वाले रोहित शर्मा को आईसीसी ने टीम ऑफ द टूर्नामेंट का कप्तान बनाया है। रोहित के अलावा सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह इस टीम में जगह बनाने में सफल रहे। आईसीसी ने फाइनल में मैच जिताऊ पारी खेलने वाले विराट को इस टीम में शामिल नहीं किया है। इस टीम में भारत के 6, अफगानिस्तान के 3 और वेस्टइंडीज, ऑस्ट्रेलिया तथा दक्षिण अफ्रीका के 1-1 खिलाड़ी को जगह मिली है। **टीम ऑफ द टूर्नामेंट-** रोहित शर्मा (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, निकोलस पूरन, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, राशिद खान, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह और फजलहक फारुखी।

12वां खिलाड़ी- एनरिक नोर्त्जे

जॉर्ज रसेल ने जीती ऑस्ट्रियन ग्रांप्री रेस

स्पीलबर्ग, ब्रिटिश कार रेसर जॉर्ज रसेल ने ऑस्ट्रियन ग्रांप्री फॉर्मूला-वन रेस जीत ली है। रसेल के फॉर्मूला-वन कॅरियर की यह दूसरी और इस सत्र में पहली जीत है। 71 लैप की इस रेस को रसेल ने एक घंटा 24 मिनट 22.798 सेकेंड में पूरा किया। इस सत्र में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले मैक्स वर्स्टापेन ने रेस में पोल पोजिशन से शुरुआत की, लेकिन रसेल ने उन्हें पीछे छोड़ दिया। वर्स्टापेन रेस में पांचवें स्थान पर रहे।

भालाफेंक खिलाड़ी डीपी मनु डोपिंग के कारण निलंबित

नई दिल्ली, राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने के दावेदार भालाफेंक खिलाड़ी डीपी मनु को प्रतिबंधित स्टेरॉयड के सेवन के आरोप में अस्थाई रूप से निलंबित कर दिया है। नाडा ने बताया कि मनु का डोप टेस्ट इस वर्ष अप्रैल में इंडियन ग्रांप्री के दौरान लिया गया था। विश्व रैंकिंग कोटा के माध्यम से ओलंपिक में मनु की जगह पक्की मानी जा रही थी, लेकिन अब वे ओलंपिक से लगभग बाहर हो गए हैं।

लीसेस्टरशर के लिए काउंटी क्रिकेट खेलेंगे रहाणे

मुंबई, लंबे समय से भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने काउंटी सीजन का दूसरा चरण खेलने के लिए लीसेस्टरशर क्लब के साथ अनुबंध किया है। वह क्लब के लिए आगामी वन-डे कप और काउंटी चैम्पियनशिप के पांच मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे। रहाणे ने पिछले वर्ष आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में जगह बनाने से पहले लीसेस्टरशर क्लब के लिए खेलने पर सहमति प्रदान की थी।

विराट, रोहित और जडेजा ने ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा

बारबाडोस, आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप में भारत को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले खिलाड़ी विराट कोहली, रोहित शर्मा और रवींद्र जडेजा ने ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। इन तीनों खिलाड़ियों के अलावा भारतीय टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड का भी बतौर कोच भारतीय टीम के साथ आखिरी मैच था।

विराट ने फाइनल मैच में 76 रनों की शानदार पारी खेली, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। विराट ने पुरस्कार ग्रहण करने के बाद कहा कि यह मेरा आखिरी ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच है। हम आईसीसी टूर्नामेंट जीतना चाहते थे। अब समय अगली पीढ़ी के लिए है। वहीं इसके कुछ देर बाद कप्तान रोहित शर्मा और ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने भी ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की।

विराट ने अपने कॅरियर में 125 ट्वेंटी-20 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 137 की स्ट्राइक रेट से 4188 रन बनाये हैं। वहीं वर्ष 2007 के ट्वेंटी-20 विश्वकप में डेब्यू करने वाले रोहित ने 159 ट्वेंटी-20 मैचों में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया है। रोहित ने ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 5 शतक लगाए हैं।

- रोहित ने ट्वेंटी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा 4231 रन बनाये हैं।
- रोहित के बाद विराट ने ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 4188 रन बनाये हैं।

महिला टेस्ट मैच

भारत ने 10 विकेट से जीता मैच

चेन्नई, भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एकमात्र टेस्ट मैच में दक्षिण अफ्रीका को 10 विकेट से करारी मात दी है। मैच में भारतीय महिला टीम ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए कई रिकॉर्ड बनाए। मैच में भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने पहले विकेट के लिए 292 रनों की साझेदारी करते हुए भारत को ताबड़तोड़ शुरुआत दिलाई। मंधाना ने 149 रन बनाए जबकि शेफाली ने 205 रनों की पारी खेली। इनके बाद जेमिमाह रोड्रिग्ज (55), हरमनप्रीत कौर (69) और ऋचा घोष (86) ने भी उपयोगी पारियां खेलते हुए भारत को 600 रन के पार पहुंचाया। भारतीय टीम ने 6 विकेट खोकर 603 रन बनाकर पारी घोषित की।

- भारतीय टीम ने महिला टेस्ट क्रिकेट में सबसे बड़ा स्कोर बनाया।
- टेस्ट क्रिकेट में भारत की यह लगातार तीसरी जीत है।
- शेफाली टेस्ट क्रिकेट में दोहरा शतक बनाने वाली दूसरी भारतीय महिला क्रिकेटर हैं।
- शेफाली ने अपनी पारी में 8 छक्के लगाए जो महिला टेस्ट में नया विश्व रिकॉर्ड है।

पहली पारी में दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों का प्रदर्शन साधारण रहा। दक्षिण अफ्रीका के लिए सुने लस (65) और मेरिजन केप (74) ने उपयोगी पारी खेली, इसके बावजूद टीम पहली पारी में 266 रन ही बना सकी। पहली पारी में स्नेह राणा ने घातक गेंदबाजी करते हुए 8 विकेट लिए। पहली पारी में 337 रनों की बढ़त हासिल करने के बाद भारत ने दक्षिण अफ्रीका को फॉलोऑन दिया। दूसरी पारी में भी दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों ने बढ़िया प्रदर्शन किया। दक्षिण अफ्रीका के लिए लॉरा वॉलवार्ट (122) और सुने लस (109) ने शतकीय पारी खेली। दक्षिण अफ्रीका ने दूसरी पारी में 373 रन बनाये और भारत को 37 रनों का लक्ष्य दिया। भारतीय टीम ने बिना विकेट खोए जीत का लक्ष्य हासिल किया।

लियोन मास्टर्स

विश्वनाथन आनंद बने विजेता

लियोन, भारत के महान शतरंज खिलाड़ी और पांच बार के विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद ने स्पेन में आयोजित लियोन मास्टर्स टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया है। टूर्नामेंट के फाइनल में आनंद ने स्पेन के जैमे सैंटोस लटासा को 3-1 से हराया। इससे पहले आनंद ने सेमीफाइनल में वेसेलिन टोपालोवा को मात दी थी।

लियोन मास्टर्स शतरंज का रोमांचक टूर्नामेंट है। इस टूर्नामेंट में चार शीर्ष खिलाड़ी हिस्सा लेकर एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हैं। इस बार टूर्नामेंट में विश्वनाथन आनंद के अलावा उनके हमवतन खिलाड़ी अर्जुन एरिगेसी, बुल्गारिया के वेसेलिन टोपालोव और स्पेन के जैमे सैंटोस लटासा शामिल किए गए थे। इस टूर्नामेंट में 20-20 मिनट के चार गेम खेले जाते हैं, जिनमें हर चाल के बाद खिलाड़ियों को अगली चाल के लिए 10 सेकेंड अधिक मिलते हैं।

- आनंद ने 10वीं बार जीता है लियोन मास्टर्स खिताब।
- आनंद ने वर्ष 1996 में पहली बार यह टूर्नामेंट जीता था।
- आनंद ने 5 बार विश्व शतरंज चैंपियनशिप जीती है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

भारतीय नागरिकों को लेकर विदेश मंत्री ने जताई चिंता

भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने अस्ताना में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात की। इस दौरान विदेश

मंत्री डॉ. जयशंकर ने युद्ध क्षेत्र में भारतीय नागरिकों को लेकर चिंता जताई तथा उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। डॉ. जयशंकर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मिलकर अच्छा लगा। हमारी द्विपक्षीय साझेदारी और सम-सामयिक मुद्दों पर व्यापक बातचीत हुई। दिसंबर 2023 में हमारी पिछली बैठक के बाद से कई क्षेत्रों में हुई प्रगति पर ध्यान दिया गया। युद्ध क्षेत्र में मौजूद भारतीय नागरिकों पर अपनी गहरी चिंता जताई। उनकी सुरक्षित और शीघ्र वापसी पर भी चर्चा हुई।

लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री ने कहा

जनता ने पिछले 10 वर्षों के काम पर भरोसा जताया और तीसरी बार सुशासन का अवसर दिया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद अपनी बात रखते हुए कहा कि दुनिया के सबसे बड़े चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग करके सरकार चुनने के लिए मैं मतदाताओं को धन्यवाद देता हूं। पिछले 10 वर्षों में सरकार के प्रयास मतदाताओं के लिए निर्णायक रहे थे और उन्होंने 'जन सेवा ही प्रभु सेवा' यानी मानवता की सेवा ही ईश्वर की सेवा है, की मान्यता के साथ नागरिकों की सेवा करने की प्रतिबद्धता जताई। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद पहली बार इतने कम समय में 25 करोड़ से अधिक गरीबों को गरीबी से बाहर निकाला गया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार की हर नीति, निर्णय और काम में भारत को प्राथमिकता दी जाती है। वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती उपस्थिति पर प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्र के प्रति दुनिया का नजरिया बदल गया है और यह हर नागरिक के लिए गर्व की बात है। प्रधानमंत्री ने 'राष्ट्र प्रथम' के उद्देश्य पर जोर दिया जिसकी झलक सरकार की नीतियों और निर्णयों में नजर आती है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी लोकसभा में अपनी बात रखते हुए

सरकार ने सबका साथ सबका विकास के मंत्र और 'सर्व धर्म समभाव' के सिद्धांतों के साथ लोगों की सेवा करने का प्रयास किया है।

धर्मनिरपेक्षता की दिशा में काम किया

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने तुष्टीकरण की राजनीति और तुष्टीकरण के शासन मॉडल को लंबे समय से देखा है। पहली बार मेरी सरकार ने लोगों की संतुष्टि और पुष्टि के साथ धर्मनिरपेक्षता की दिशा में काम किया। इस चुनाव ने एक बार फिर भारत के लोगों की परिपक्वता और आदर्शवाद को साबित कर दिया है। लोगों ने हमारी नीतियों, इरादों और प्रतिबद्धता पर भरोसा जताया है और विकसित भारत के संकल्प का समर्थन किया है।

आकांक्षाओं को पूरा करने की नींव भी रखी

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब देश आगे बढ़ता है तो हर नागरिक के सपने पूरे होते हैं और साथ ही साथ आने वाली पीढ़ियों की आकांक्षाओं को पूरा करने की नींव भी रखी जाती है। उन्होंने कहा कि भारत के लोग विकसित भारत के लाभों को प्राप्त करने के हकदार हैं, जिसके लिए पिछली पीढ़ियां हमेशा तरसती रही थीं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का तात्पर्य देश के प्रत्येक नागरिक के लिए कई और समान अवसरों की उपलब्धता से है। इससे कौशल, संसाधनों और क्षमता के आधार पर सभी के लिए विकास सुनिश्चित होता है।

दृढ़ संकल्प द्वारा कार्यसिद्धि का प्रतीक है जनता का विश्वास

प्रधानमंत्री ने कहा देश के 140 करोड़ नागरिकों का विश्वास, उम्मीदें और भरोसा विकास की प्रेरक शक्ति बनते हैं। यह विश्वास दृढ़ संकल्प द्वारा कार्यसिद्धि का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए नागरिक उतने ही उत्साहित और आश्वस्त हैं जितने वे हमारे स्वतंत्रता संग्राम के दौरान थे। आज भारत को खुद से प्रतिस्पर्धा करने की जरूरत है। हमें अपने पुराने रिकॉर्ड तोड़ने होंगे और देश को अगले स्तर पर ले जाना होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में भारत ने विकास का जो रास्ता अपनाया है, वह अब एक बेंचमार्क बन गया है।

आईएनएस शिवालिक रिम ऑफ द पैसिफिक अभ्यास में हिस्सा लेने पर्ल हार्बर पहुंचा

दक्षिण चीन सागर और उत्तरी प्रशांत महासागर में तैनात भारत का बहुउद्देश्यीय भूमिकाओं वाला विभिन्न क्षमताओं एवं हथियार प्रणालियों से लैस आईएनएस शिवालिक रिम ऑफ द पैसिफिक (रिमपैक) अभ्यास में भाग लेने के लिए हवाई के पर्ल हार्बर पहुंच गया है। यह दुनिया का सबसे बड़ा नौसैनिक अभ्यास है। भारत और जापान के बीच द्विपक्षीय अभ्यास जिमेक्स 24 के पूरा होने के बाद आईएनएस शिवालिक पर्ल हार्बर पहुंचा। इस अभ्यास के बंदरगाह चरण में कई संगोष्ठियों, अभ्यास योजना चर्चाओं, खेल प्रतियोगिताओं और पारस्परिक डेक दौरों का आयोजन किया गया। रिमपैक-24 के समुद्री चरण को तीन उप-चरणों में विभाजित किया गया। जिसमें पहले दो उप-चरणों के दौरान युद्धपोत ने बुनियादी एवं उन्नत स्तर के एकीकरण

अभ्यास को पूरा किया। सहभागिता के दौरान विमान वाहक युद्ध समूह, पनडुब्बियां, समुद्री टोही विमान, मानव रहित हवाई वाहन, दूर से संचालित होने वाले सतह के जहाज और बहुराष्ट्रीय नौसेनाओं के विशेष बलों के साथ संयुक्त अभियानों सहित जल-थल-आकाश के बल लैंडिंग ऑपरेशन में शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि आईएनएस शिवालिक स्वदेशी रूप से तैयार और निर्मित 6000 टन भार वाला मिसाइल प्रक्षेपित करने में सक्षम स्टील्थ फ्रिगेट जहाज है।

लोकतंत्र की जननी के रूप में भारत की विरासत का एक प्रमाण होगा युग युगीन भारत संग्रहालय

संस्कृति मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा आगामी युग युगीन भारत संग्रहालय के लिए हितधारक परामर्श और क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया किया। कार्यशाला भारत मंडपम में आयोजित की गई। विचार-विमर्श में केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित हुए। चर्चा में आगामी युग युगीन भारत संग्रहालय पर चर्चा के लिए म्यूजियम इकोसिस्टम से जुड़े व्यक्तियों को शामिल किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि यह संग्रहालय भारत की समृद्ध धरोहर और प्रगति की अटूट भावना का एक प्रमाण होगा, क्योंकि यह अपने अतीत से प्रेरणा लेकर एक खाका तैयार करता है। युग

युगीन भारत संग्रहालय पारंपरिक संग्रहालय अनुभव से आगे निकलकर समावेशिता की भावना को मूर्त रूप देगा। यह लोगों का संग्रहालय होगा, जो सामुदायिक आख्यान पर केंद्रित होगा - लोकतंत्र की जननी के रूप में भारत की विरासत का एक प्रमाण है।

होगा विश्व का सबसे बड़ा संग्रहालय

सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना के तहत नॉर्थ और साउथ ब्लॉक में भारत का नया राष्ट्रीय संग्रहालय बनाया जाएगा, जिसका उद्देश्य नई दिल्ली के रायसीना हिल के करीब स्थित भारत के केंद्रीय प्रशासनिक क्षेत्र का पुनरुद्धार करना है। यह संग्रहालय 1 लाख 54 हजार वर्गमीटर में फैला होगा, जो इसे विश्व का सबसे बड़ा संग्रहालय बनाएगा। इस संग्रहालय को फ्रांस के सहयोग से एडाप्टिव रीयूज के माध्यम से विकसित किया जाएगा। दोनों देशों के बीच लंबे समय से चली आ रही मित्रता के कारण फ्रांस इस परियोजना में भारत का भागीदार है और इस मित्रता ने 2020 में दोनों सरकारों के बीच एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर करने में योगदान दिया था, जिसमें संग्रहालय और विरासत सहयोग पर बल दिया गया है।

तीनों नए कानून पूरी तरह से लागू होने के बाद सबसे आधुनिक न्याय प्रणाली का सृजन करेंगे - श्री शाह

केन्द्रीय गृह एव सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने देश भर में लागू हुए तीन नए आपराधिक कानूनों को दंड की जगह न्याय देने वाला और पीड़ित-केन्द्रित बताया। उन्होंने कहा कि नए कानूनों में दंड की जगह न्याय को प्राथमिकता मिलेगी, देरी की जगह स्पीडी ट्रायल और स्पीडी जस्टिस मिलेगा और पीड़ितों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित होगी। मीडिया से चर्चा करते हुए श्री अमित शाह ने कहा कि नए आपराधिक कानूनों के बारे में कई प्रकार की भ्रांतियां फैलाई जा रही हैं जिनका उद्देश्य जनता के मन में इन कानूनों के बारे में भ्रम पैदा करना है। उन्होंने कहा कि नए कानूनों को हर पहलू पर 4 वर्षों तक विस्तार से अलग-अलग स्टेकहोल्डर्स के साथ चर्चा करके लाया गया है और आजादी के बाद से अब तक किसी भी कानून पर इतनी लंबी चर्चा नहीं हुई है।

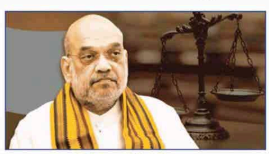

अधिकारों की रक्षा करने का प्रावधान

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आजादी के 77 साल बाद भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली अब पूर्णतया स्वदेशी हो रही है और यह तीन नए कानून देश के हर पुलिस थाने में लागू हो जाएंगे। श्री शाह ने कहा कि इन कानूनों के आधार पर दंड की जगह न्याय, देरी की जगह त्वरित ट्रायल और त्वरित न्याय को रखा गया है। इसके साथ ही पहले के कानूनों में सिर्फ पुलिस के अधिकारों की रक्षा की गई थी लेकिन इन नए कानूनों में अब पीड़ितों और शिकायतकर्ता के अधिकारों की भी रक्षा करने का प्रावधान है।

क्षति पहुंचाने वालों को कड़ी सजा का प्रावधान

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि इन कानूनों में भारतीय संविधान की स्पिरिट के अनुरूप धाराओं और अध्यायों की प्राथमिकता तय की गई है। नए कानूनों में सबसे पहली प्राथमिकता महिलाओं तथा बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों को दी गई है। उन्होंने कहा कि बच्चों तथा महिलाओं के प्रति अपराध पर नया अध्याय, जिसमें 35 धाराएं और 13 प्रावधान हैं, जोड़कर इसे और भी संवेदनशील बनाया गया है। उन्होंने कहा कि नए कानून में देशविरोधी गतिविधियों के लिए नई धारा जोड़ी गई है।

पिछले 9 वर्षों में 12 करोड़ शौचालय बनाए गए जिससे खुले में शौच की समस्या से मुक्ति मिली

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में स्वच्छता पखवाड़ा-2024 का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी ने मंत्रालय के सभी वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। इस समारोह में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्यमंत्री श्री सुरेश गोपी और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में सचिव श्री पंकज जैन भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में श्री हरदीप सिंह पुरी ने स्वच्छ भारत अभियान के हिस्से के रूप में स्वच्छता पखवाड़ा पहल के महत्व पर जोर दिया। स्वच्छता अभियान को प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में सबसे मौलिक परिवर्तनकारी अभियान बताते हुए उन्होंने कहा कि इस अभियान ने हमारे सोचने के तरीके में एक बड़ा बदलाव लाया है। श्री पुरी ने कहा कि पिछले वर्ष स्वच्छता सुविधाओं का निर्माण, स्वच्छता संबंधी बुनियादी ढांचे की स्थापना और सार्वजनिक स्थानों तथा कार्यालयों में सफाई अभियान जैसी विभिन्न गतिविधियां शामिल थीं। उन्होंने कहा, कि पिछले साल हमने छठवें सतत विकास लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हुए 1 जुलाई से 15 जुलाई 2023 के बीच 'स्वच्छता पखवाड़े' के तहत कई गतिविधियां कीं। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन ने पिछले नौ वर्षों में भारत को बदल दिया है। ग्रामीण और शहरी भारत में लगभग 12 करोड़ शौचालयों के निर्माण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में महत्वपूर्ण सुधारों और स्वास्थ्य तथा स्वच्छता प्रथाओं पर समग्र प्रभाव का उल्लेख किया।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- संदीप यादव, मुद्रक- संदीप यादव द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।